हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • शनिवार • 24 जनवरी 2026 • वर्ष 10 • अंक 260 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

नेशनल सिक्योरिटी का मतलब देश की जनता की सुरक्षा:सीडीएस

● जेएनयू में गरजे सीडीएस अनिल चौहान नेताजी को किया याद ● कहा-आज की दुनिया में नेताजी की आक्रामक कूटनीति महत्वपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में एक जोरदार स्पीच दी। उन्होंने कहा कि आज भी जब भारत दुनिया की बदलती और अनिश्चित

परिस्थितियों से गुजर रहा है, तब नेताजी की आक्रामक कूटनीति और यथार्थवादी सोच बहुत काम की है। नेताजी ने एक सरकार बनाई, सेना तैयार की, हमले की योजना बनाई, समझौते किए और सेना के लिए सामान की व्यवस्था की। इससे पता चलता है कि राजनीतिक सोच, चतुर कूटनीति और सेना की कार्रवाई आपस में कितनी जुड़ी हुई थीं। जनरल चौहान ने कहा कि नेताजी एक बेहतरीन सैन्य नेता थे। उन्होंने यह भी कहा कि इंडियन नेशनल आर्मी की उपलब्धियों का भारत की आजादी में जो योगदान है, उसे अभी पूरी तरह से समझा नहीं गया है। सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मतलब अब सिर्फ जमीन की रक्षा नहीं है, बल्कि देश की जनता और उसकी विचारधारा की सुरक्षा भी है। उन्होंने यह भी बताया कि इंडियन नेशनल आर्मी ने सबसे ज्यादा नुकसान झेला था, जो किसी भी सेना के लिए सबसे ज्यादा था। जनरल चौहान ने कहा कि उन्होंने एक सैन्य इतिहास पढ़ा था।

अध्यक्ष बदलते ही चुनावी मोड में आ गई भाजपा

बंगाल से लेकर तमिलनाडु-केरल तक का प्लान तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा में नए अध्यक्ष की ताजपोशी के बाद अब चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। दो माह बाद होने वाले पांच राज्य विधानसभाओं के चुनाव के लिए पार्टी के शीर्ष नेताओं के दौरों में तेजी आ गई है। इस माह के बाकी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह एवं पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन चुनावी राज्यों के दौरे पर रहेंगे। मोदी केरल और तमिलनाडु, नवीन पश्चिम बंगाल और अमित शाह असम तथा पश्चिम बंगाल के दौरे करेंगे। दक्षिण व पूर्वी भारत के पांच विधानसभाओं के चुनाव में भाजपा को जहां दक्षिण में खुद के साथ एनडीए को खड़ा करना है, वहीं पूर्वी मोर्चे पर पश्चिम बंगाल का पांच साल पहले देखा सपना पूरा करना है। कर्नाटक में सत्ता से बाहर होने के बाद भाजपा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी को छोड़कर दक्षिण भारत के सत्ता समीकरणों से बाहर हो गई है। ऐसे में वह तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ सत्ता हासिल करने के लिए जोर आजमाइश कर रही है। भाजपा ने तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक को गठबंधन विस्तार के लिए तैयार कर लिया है और प्रधानमंत्री के दौरे के पहले राज्य के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने टीवीवी दिनाकरण के नेतृत्व वाली एएमएमके को भी एनडीए के साथ जोड़ लिया। पीएमके पहले से ही एनडीए में है। गोयल की आईजेके के नेता पी. वेंथम से भी मुलाकात हुई है। अब अन्नाद्रमुक के बाकी धड़ों को भी जोड़ने का काम चल रहा है।

भोजशाला में 10 साल बाद नमाज-पूजा साथ-साथ

● शाम तक हवन-पूजन चला, नमाजियों के साथ रही पुलिस ● श्रद्धालु गद्गद, बोले-आनंदपूर्वक मां वाग्देवी के दर्शन किए

धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार में विवादित धार्मिक स्थल भोजशाला में बसंत पंचमी पर शुक्रवार को पूजा और नमाज के लिए विशेष व्यवस्था की गई। हिंदू श्रद्धालुओं ने सूर्योदय के साथ वाग्देवी (सरस्वती) पूजा की। हवन और पाठ सूर्यास्त तक किए गए। एक अलग क्षेत्र में सुरक्षा के बीच जुमे की नमाज भी अता कराई गई।

आमतौर पर बसंत पंचमी पर पूजा और जुमे के दिन नमाज की अनुमति रहती है, लेकिन दोनों एक दिन पड़ते हैं तो तनाव की स्थिति बनती है।

भोजशाला कैंपस और धार शहर में स्थानीय पुलिस के साथ सीआरपीएफ और रैपिड एक्शन

फोर्स के 8000 से ज्यादा जवान तैनात रहे। सीसीटीवी, ड्रोन और एआई तकनीक से निगरानी की जा रही है। इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका पर सुनवाई करते हुए हिंदू पक्ष को सूर्योदय से सूर्यास्त तक वाग्देवी की पूजा की अनुमति दी थी। मुस्लिम पक्ष को दोपहर 1 से 3 बजे तक जुमे की नमाज अता करने की इजाजत थी। धार जिला प्रशासन ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार बसंत पंचमी के अवसर पर हिंदू समुदाय का परिसर में नियत स्थान पर निर्विघ्न कार्यक्रम चला।

उज्जैन के तराना में दो समुदायों में तनाव, बस फूंकी

● पूर्व पार्षद की दुकान में लगी आग, भीड़ ने पत्थर बरसाए

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन के तराना कस्बे में गुरुवार रात शुरू हुआ विवाद शुक्रवार दोपहर बाद हिंसा में बदल गया। हालात उस समय बेकाबू हो गए, जब एक दुकान में आग लग गई और बस को फूंक दिया गया।

आगजनी के बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया, जिसमें एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार रात एक युवक से मारपीट की घटना के बाद दो समुदाय आमने-सामने आ गए थे। इस दौरान उपद्रवियों ने 13 बसों में तोड़फोड़ की। शुक्रवार को तनाव

और बढ़ गया, जब हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने तराना थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों का जुलूस निकालने और उनके घर तोड़ने की मांग की। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और नारेबाजी की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से शुक्रवार को बाजार बंद रखने का फैसला किया। क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

अब केरल में भी भाजपा सरकार की नींव पड़ गई

पीएम बोले-जैसे 1987 में अहमदाबाद के बाद गुजरात जीता

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में 55 मिनट की स्पीच में कहा, 'केरल में मुझे नई उम्मीद दिख रही है। आपका जोश यह विश्वास दिलाता है कि अब केरल में बदलाव होकर रहेगा। यहां लेफ्टिस्ट इको सिस्टम को मेरी बात गले नहीं उतरेगी। लेकिन मैं आपको मजबूती के साथ तर्क और तथ्य के साथ बताऊंगा।' उन्होंने कहा, '1987 के पहले गुजरात में बीजेपी एक हाशिए की पार्टी थी। अखबार में दो लाइन नहीं छपती

थीं। 1987 में पहली बार अहमदाबाद में नगर निगम में जीत हासिल की, वैसे ही आज बीजेपी ने तिरुवनंतपुरम में हासिल की। यहां से केरल में भाजपा की नींव पड़ गई है।' केरल में इसी साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। तिरुवनंतपुरम के साथ दशकों से लेफ्ट ने बहुत अन्याय किया। यहां की जनता को बेसिक सुविधाओं से वंचित रखा गया।

तिरुवनंपुरम के साथ दशकों से लेफ्ट ने बहुत अन्याय किया

तिरुवनंपुरम के साथ दशकों से लेफ्ट ने बहुत अन्याय किया। लेफ्ट और कांग्रेस ने करप्शन के चलते यहां की जनता को बेसिक सुविधाओं से वंचित रखा। अब ऐसा नहीं होगा। हमारी टीम ने विकसित केरल पर काम करना शुरू कर दिया है। मैं यहां की जनता से कहता हूं कि आप विश्वास रखिए जो अब तक नहीं बदला, वो अब बदलेगा। तिरंवनंतपुरम पूरे देश के लिए मॉडल सिटी बनेगा। करप्शन ने केरल के डेवलेपमेंट पर ब्रेक लगा दी है। बैंकों में घोटाले करके गरीबों का पैसा लूटा गया। किसी ने बच्चों की पढ़ाई तो किसी ने बिटिया की शादी के लिए पैसा रखा था। वो भी कांग्रेस और लेफ्ट ने लूट लिया। ऐसे लोगों को कड़ी सजा देना जरूरी है।

अब तक 21 ढेर, झारखंड में नक्सलियों पर कहर

मौत बनकर बरसे सुरक्षाबल, पूरी टोली ही घिर गई

चाईबासा (एजेंसी)। झारखंड के सारंडा जंगल में छिपे नक्सलियों पर मौत बरस पड़ी है। 36 घंटे से जारी मुठभेड़ में अब तक 21 नक्सली मौत के घाट उतारे जा चुके हैं। गुरुवार को 15 की मौत की पुष्टि के बाद शुक्रवार को 6 और शव बरामद किए गए हैं। सिर पर 2 करोड़ से ज्यादा इनाम वाला खूंखार नक्सली अनल यहां 25 लड़ाकों संग घिर गया था। अनल समेत 21 मारे जा चुके हैं। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में सारंडा के घने जंगलों में दो दर्जन नक्सलियों के साथ पतिराम मांझी उर्फ अनल दा को घेर लिया गया था। सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन में इन्हें घेर लिया। नक्सलियों की ओर से फायरिंग के बाद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई से खलबली मचा दी। 2.35 करोड़ रुपये के इनाम वाला

अनल दा भी मारा गया। उस पर झारखंड सरकार ने एक करोड़ रुपये, ओडिशा सरकार ने 1.2 करोड़ रुपये और नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) ने 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

शशि थरूर केरल कांग्रेस की बैठक में शामिल नहीं होंगे

● दावा-राहुल गांधी से नाराज, 19 जनवरी को राहुल ने कोच्चि में नाम नहीं लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीनियर कांग्रेस लीडर और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर शुक्रवार को केरल विधानसभा चुनावों को लेकर होने वाली पार्टी की अहम रणनीतिक बैठक में शामिल नहीं होंगे। सूत्रों के मुताबिक थरूर हालिया घटनाक्रम से नाराज हैं। खासकर कोच्चि में हुए उस कार्यक्रम से जिसमें राहुल गांधी ने उनका नाम नहीं लिया था। पीटीआई सूत्रों का कहना है कि 19 जनवरी को कोच्चि में आयोजित महापंचायत कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने मंच पर मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं का नाम लिया लेकिन शशि थरूर को नजरअंदाज कर दिया था।

थरूर के करीबी सूत्रों के मुताबिक यह घटना उनके लिए टिपिंग पॉइंट साबित हुई। इससे पहले भी राज्य के कुछ नेता उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश कर चुके हैं, जिससे वह असहज महसूस कर रहे थे। इस मामले पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि केरल कांग्रेस के सभी बड़े नेता मीटिंग में आ रहे हैं।

5 दिन से धरने पर बैठे

अविमुक्तेश्वरानंद को तेज बुखार

● 5 घंटे बाद वैनिटी वैन से बाहर आए, वसंत पंचमी पर संगम स्नान नहीं किया

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज माघ मेले में 5 दिन से धरने पर बैठे अविमुक्तेश्वरानंद की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें तेज बुखार है। शिष्यों ने बताया, अविमुक्तेश्वरानंद सुबह 10 बजे वैनिटी वैन में चले गए। डॉक्टरों के कहने पर दवा खाई, आराम किया। वसंत पंचमी के चलते बड़ी संख्या में शिष्य अविमुक्तेश्वरानंद का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे थे। हालांकि, जब उनको पता चला कि अविमुक्तेश्वरानंद वैनिटी वैन से बाहर नहीं आए तो वैन के बाहर भीड़ लग गई।

करीब 5 घंटे बाद अविमुक्तेश्वरानंद वैनिटी वैन से

बाहर आए और पालकी पर बैठ गए हैं। इधर, माघ मेला प्रशासन से शंकराचार्य विवाद पर उनका टकराव खत्म खत्म नहीं हो रहा है। वसंत पंचमी पर उन्होंने संगम स्नान भी नहीं किया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कल कहा था- जब तक प्रशासन माफी नहीं मांगता, तब तक मैं स्नान नहीं करूंगा। प्रशासन नोटिस-नोटिस खेल रहा है। अभी मेरा मौनी अमावस्या का स्नान नहीं हुआ है, तो मैं वसंत का स्नान कैसे कर लूं। हालांकि, दो नोटिस भेजने के बाद से प्रशासनिक अफसर इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हैं। अविमुक्तेश्वरानंद माघ मेले में सवा लाख मिट्टी के शिवलिंग स्थापित करने के लिए लेकर आए थे। हालांकि, मौनी अमावस्या को हुए विवाद के बाद वह स्थापित नहीं कर पाए हैं। इससे पहले, गुरुवार को सीएम योगी ने अविमुक्तेश्वरानंद का नाम लिए बिना कहा था कि किसी को परंपरा बाधित करने का हक नहीं।

ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास पर जमकर मचा बवाल

● दक्षिण अफ्रीकी सेना ने राष्ट्रपति से की 'बगावत'! ● भारत ने बनाई थी दूरी, दक्षिण अफ्रीका है मेजबान

केपटाउन (एजेंसी)। चीन, रूस, ईरान और कई ब्रिक्स देशों के जंगी जहाजों ने 9 से 16 जनवरी तक नौसैनिक अभ्यास किया था। ब्रिक्स देशों का यह अभ्यास दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी में उसके समुद्री तट पर किया गया। हालांकि ब्रिक्स के अहम सदस्य भारत के इसमें शामिल ना होने का फैसला लिया। अब दक्षिण अफ्रीका में ही इस अभ्यास पर बवाल शुरू हो गया है। दक्षिण अफ्रीका ने ब्रिक्स देशों के जॉइंट नेवल ड्रिल में ईरान की भागीदारी की जांच शुरू की है। ईरान की हिस्सेदारी को कथित तौर पर राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के आदेशों के खिलाफ बताया गया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, साउथ अफ्रीका

नियमित रूप से रूस और चीन के साथ ड्रिल करता है लेकिन यह अभ्यास ऐसे समय हुआ, जब अमेरिका का ईरान के साथ तनाव चरम पर था। ईरान में उस समय बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे और अमेरिकी राष्ट्रपति इनमें दखल की धमकी दे रहे थे। डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स के आलोचक रहे हैं और नौसैनिक अभ्यासों की आलोचना करते रहे हैं। ऐसे में अभ्यास ने उनका गुस्सा बढ़ा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 9-16 जनवरी तक ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास की मेजबानी की। दक्षिण अफ्रीका के संयुक्त कार्य बल के कमांडर कैप्टन नंडवाखुलु थॉमस थामाहा ने उद्घाटन समारोह में कहा कि यह ऑपरेशन सिर्फ एक सैन्य अभ्यास नहीं था।

अमेरिका की दक्षिण अफ्रीका से नाराजगी

अमेरिका का ट्रंप प्रशासन इस बात से नाराज हुआ कि दक्षिण अफ्रीका ने ईरान को ऐसे समय ड्रिल्स में भाग लेने की अनुमति दी जब वहां सरकार प्रदर्शनों को बलपूर्वक रोक रही थी। दक्षिण अफ्रीकी अखबार डेली मेवरिक की रिपोर्ट के अनुसार, अभ्यास से पहले ही अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा को चेतावनी दी थी कि ईरान की भागीदारी उनके देश पर बुरा असर डाल सकता है। अमेरिका की चेतावनी के बाद रामफोसा ने 9 जनवरी को ईरान को अभ्यास से हटाने का आदेश दिया। उस समय तक तीन ईरानी जहाज दक्षिण अफ्रीका में तैनात किए जा चुके थे। देखा गया कि इन जहाजों ने भाग लेना जारी रखा। इस पर 15 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका स्थित अमेरिकी दूतावास ने दक्षिण अफ्रीकी सेना पर देश की सरकार के आदेशों के उलट ईरान के साथ दोस्ती बढ़ाने का आरोप लगाया। अमेरिकी दूतावास के 15 जनवरी के बयान में कहा गया कि यह विशेष रूप से शर्मनाक है कि दक्षिण अफ्रीका ने ईरानी सुरक्षा बलों का स्वागत किया। यही बल ईरानी नागरिकों को शांतिपूर्ण राजनीतिक गतिविधि में शामिल होने के लिए गोली मार रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका ईरान के साथ दोस्ती बढ़ाते हुए दुनिया को न्याय पर भाषण नहीं दे सकता है। अफ्रीका की रामाफोसा सरकार को देश में भी इस अभ्यास पर विरोध का सामना करना पड़ा।

गणतंत्र दिवस पर पहली बार नजर आएगा भारत का एस-400

● पाकिस्तान को गहरे जख्मों की याद दिलाएगी इस बार की परेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा समय में दुनिया की सबसे धांसू वायु रक्षा प्रणाली एस-400 ने बीते साल मई के महीने में पाकिस्तान को गहरा जख्म दिया था। भारत और पाकिस्तान के बीच मई में बनी युद्ध जैसी स्थिति के दौरान इस एयर डिफेंस सिस्टम ने भारतीय सशस्त्र बलों का बखूबी साथ निभाया और पाकिस्तान के कायराना हमलों को पूरी तरह नाकाम कर दिया था। अब यह एयर डिफेंस सिस्टम इंडिया गेट पर भारत की शान में चार चांद लगाने जा रहा है। एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम पहली बार गणतंत्र दिवस की परेड में दिखाई देखा। जानकारी के

मुताबिक 'सुदर्शन चक्र' के नाम से जाने जानी वाली यह वायु रक्षा प्रणाली डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स की झांकी में दिखाई जाएगी। एयर कॉमोडोर मनीष सभरवाल ने बताया कि यह सिस्टम रिपब्लिक डे परेड 2026 में खास आकर्षण होगा। इस साल डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स ट्राई-सर्विसेज टेब्लो, ऑपरेशन सिंदूर को दर्शाएगी। इसमें थल सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर तालमेल और संयुक्त ऑपरेशन की सफलता दिखेगी।

संक्षिप्त समाचार

साहित्य के क्षेत्र में जिले का नाम रोशन करेंगे पवन कुमार, राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से होंगे सम्मानित

करगहर (रोहतास)। साहित्य के क्षेत्र में अपनी सशक्त लेखनी से अलग पहचान बनाने वाले जिले के साहित्यकार एवं कवि पवन कुमार सौड़ी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह में राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस आशय की जानकारी यस इंडिया द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के माध्यम से दी गई है। पवन कुमार सौड़ी, कोचस प्रखंड अंतर्गत कपसियां गांव के निवासी हैं। उन्होंने कविता, कहानी, गीत और साहित्यिक सृजन के माध्यम से साहित्य जगत में विशेष आयाम स्थापित किए हैं। असाधारण साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2026 के राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार हेतु चयनित किया गया है। पवन कुमार ने एक ही विषय पर 101 कविताएं लिखकर साहित्य के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल की है। अब तक वे 500 से अधिक कविताएं, 20 गीत, 10 कहानियां तथा दो साहित्यिक श्रृंखलाएं लिख चुके हैं। उनकी रचनाओं में सामाजिक सरोकार, जीवन दर्शन, मानवीय संवेदना और प्रेरणादायक विचारों की स्पष्ट झलक देखने को मिलती है। वर्तमान में वाराणसी में निवास कर रहे पवन कुमार अपनी रचनाओं में वहां की प्राचीन संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक वातावरण को प्रमुखता से स्थान देते हैं। उनकी लेखनी का उद्देश्य साहित्य को समाज से जोड़ना, सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को सशक्त बनाना रहा है। जैसे ही राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से सम्मानित होने की सूचना कोचस क्षेत्र में मिली, साहित्यकारों और ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई और लोगों ने इस उपलब्धि को जिले के लिए गौरव का क्षण बताया।

नगर परिषद के मुख्य पार्षद ने किया कुशवाहा सामुदायिक भवन का उद्घाटन

वारिसलीगंज। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 अंतर्गत शेरपुर गांव में नगर विकास एवं आवास विभाग के माध्यम से मुख्य पार्षद रेखा देवी के द्वारा अनुशंशित बारह लाख बीस हजार पांच सौ रूपये के लागत से योजना संख्या 53/ 24 की स्वीकृति दी गयी थी। जिसका निर्माण कार्य पूरा होने पर नव निर्मित कुशवाहा सामुदायिक भवन का उद्घाटन मुख्य पार्षद श्री मति रेखा देवी एवं उप मुख्य पार्षद अरुण कुमार के हाथों संयुक्त रूप से समारोह पूर्वक किया गया। समारोह में उपस्थित उप मुख्य पार्षद अरुण कुमार ने कहा की सामुदायिक भवन निर्माण में सबसे बड़ा योगदान जमीन दाता का है जिन्होंने समाज के लिये छः डिसमिल रैयति भूमि दान किया। उन्होंने जमीन दाता शुशीला देवी कुशवाहा पति सत्येंद्र सिन्हा एवं माता पूर्णिमा देवी तथा पिता मोती लाल के प्रति आभार प्रकट करते हुए उनके दरियादिली की प्रशंसा किया।मुख्य पार्षद रेखा देवी ने दूसरे तल्ले का निर्माण भी कराने का आश्वाशन दिया।मौके पर वार्ड पार्षद मुकेश कुमार के पहल पर निर्माण विभाग के कनीय अभियंता अरुण कुमार के देख रेख में निर्माण किये गए भवन का ग्रामीणों ने आभार प्रकट किया। वक्ताओं ने कहा की वर्तमान समय में सिमटते घरों एवं आवासीय भूमि की कमी के बाबजूद सामुदायिक भवन का निर्माण होने से यहाँ के निवासियों को काफ़ी सुविधा होगी। आवासीय भूमि की बढ़ते क़ीमत के बाबजूद उन्होंने छः डिसमिल जमीन समाजिक कार्यों के लिये समर्पित किया यह अतुलनीय है।मौके पर अरूंजय मेहता, अवधेश कुशवाहा, कमलेश कुशवाहा, उमेश कुमार, श्रवण कुमार, डॉ अर्जुन प्रसाद कुशवाहा सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

डेहरी- डालमियानगर में मनाया गया सरस्वती पूजा महोत्सव

न्यू एक्सीलेंट एकेडमी में विधायक समेत अभिनव कला संगम सदस्य हुए शामिल

डेहरी। रोहतास। डेहरी शहर के न्यू डीलिया स्थित न्यू एक्सीलेंट एकेडमी कोचिंग संस्था में सरस्वती पूजा का महोत्सव का आयोजन किया गया। संस्था के निर्देशक रोहित सिंह ने अपने सभी शिक्षकगण जिसमें, सोनी सिंघानिया, सोनम सिंह, श्वेता कुमारी, अलका कुमारी, काजोल सिंह, स्वीटी कुमारी, विवेक कुमार, सुधा सिंह व सुजल कुमार के साथ पूजा अर्चना किया। मौके पर डेहरी के लोकप्रिय विधायक राजीव रंजन उर्फ सोनू सिंह, अभिनव कला संगम अध्यक्ष कमलेश कुमार, संरक्षक सह कुंवर राणा सामाजिक संस्था के अध्यक्ष सिमल सिंह, संयोजक राजन सिंह, सचिव गोपाल सिंह, विशाल सिंह, राहुल सिंह समेत बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर सरस्वती माता की पूजा की, व प्रसाद ग्रहण किया। इधर सरस्वती पूजा को लेकर शहर से गांव तक चिन्हित स्थानों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई थी। एसडीएम नीलेश कुमार व एएसपी अतुलेश मिश्रा का कहना था कि सरस्वती पूजा व विसर्जन कार्यक्रम को लेकर पुलिस विशेष तौर पर चौकस है। व शांतिपूर्वक सरस्वती पूजा समारोह संपन्न करा लिया जाएगा। मुख्य रूप से हदहदवा पुल के समीप सरस्वती प्रतिमा विसर्जन की तैयारी की गई है। नगर परिषद के पदाधिकारी के साथ-साथ प्रशासनिक रूप से दंडाधिकारी व पुलिस बल्कि तैनाती की गई है। सरस्वती पूजा को शांतिपूर्वक व सफल बनाने को लेकर सारी तैयारी पूरी की गई है। डीजे पर पूरी तरह प्रतिबंध है, सोशल मीडिया पर भी निगरानी की जा रही है।

सरस्वती पूजा पर शहर में निकलीं महापौर विभा कुमारी, पूजा पंडालों में किया दर्शन-पूजन

पूर्णिया | वसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर शुक्रवार को पूर्णिया की महापौर विभा कुमारी ने शहर के विभिन्न सार्वजनिक पूजा पंडालों में पहुंचकर विद्या, बुद्धि और वाणी की देवी मां सरस्वती का विधिवत दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम परिवार एवं शहरवासियों के लिए सुख-शांति, समृद्धि और सद्बुद्धि की कामना की। पूजा पंडालों के भ्रमण के क्रम में महापौर के साथ समाजसेवी जितेंद्र यादव भी उपस्थित रहे। इसी क्रम में महापौर विभा कुमारी एवं समाजसेवी जितेंद्र यादव ने एसके मिशन स्कूल, लालगंज में नवनिर्मित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इस अवसर पर फुटबॉल ग्राउंड, बास्केटबॉल कोर्ट, क्रिकेट कोर्ट एवं किड्स जोन का भी विधिवत शुभारंभ किया गया। स्कूल प्रबंधन द्वारा महापौर एवं समाजसेवी का बुके देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल अत्यंत आवश्यक हैं। खेल बच्चों में शारीरिक विकास के साथ अनुशासन, टीमवर्क और आत्मविश्वास भी विकसित करते हैं। उन्होंने इस सराहनीय पहल के लिए स्कूल प्रबंधन, शिक्षकगण एवं सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसके बाद महापौर एवं समाजसेवी ने प्रभात पाठागार, घोषपाड़ा, शिवनगर खुश्कीबाग, मिलनपाड़ा, ब्रिलिएंट क्लासेस, गुरुकुल डिवाइन पब्लिक स्कूल, वेल फ्यूचर अकादमी, संगीता डांस एकेडमी, बंगालीपाड़ा दुर्गाबाड़ी, थाना चौक स्थित सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, बाल गंगा भारती स्कूल, गुलाबबाग सहित शहर के कई पूजा पंडालों में पहुंचकर मां सरस्वती का दर्शन-पूजन किया।

कौआकोल में युवक की हत्या के विरोध में घण्टो सड़क जाम

हत्यारे की गिरफ्तारी सहित अन्य मांगों को लेकर शव के साथ आक्रोशित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

निज संवाददाता। कौआकोल

कौआकोल थाना क्षेत्र के हाईस्कूल रोड से कपसिया जाने वाली नाटी नदी गांधीधाम पुल के पास गुरुवार की देर शाम एक युवक की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दिए जाने की घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को घटना के विरोध में शव को सड़क पर रखकर घण्टो विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने कौआकोल-रोह एवं कौआकोल-पकरीबरावां दोनों मुख्य मार्ग को जाम कर यातायात सेवा भी बाधित कर दिया। जिससे राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें कि गुरुवार की देर शाम आपसी विवाद को लेकर दो गुटों में हुए विवाद में जोगाचक गांव निवासी बिनोद यादव के 22 वर्षीय पुत्र अजित कुमार को बदमाशों ने गोली मार दिया। जबकि उसके छोटे भाई रोहित कुमार को भी बदमाशों ने मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। घटना की सूचना के बाद स्थानीय लोगों एवं स्वजनों के द्वारा दोनों को कौआकोल पीएचसी लाया गया। जहाँ चिकित्सकों ने अजित को मृत घोषित कर दिया। वहीं बुरी तरह घायल रोहित को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल नवादा रेफर कर दिया। घटना की सूचना के बाद कौआकोल थानाध्यक्ष,पकरीबरावां अंचल पुलिस इंस्पेक्टर एवं एसडीपीओ राकेश कुमार भाष्कर एवं एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य इकट्ठा कर शव को देर रात्रि पोस्टमार्टम के लिए नवादा भेज दिया। जहां शुक्रवार की सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हत्यारे की गिरफ्तारी एवं अन्य मांगों को लेकर सड़क जाम कर दिया। सीओ मनीष कुमार,कौआकोल थाना के पुलिस अधिकारी,जिला पार्षद अजित यादव,समाजसेवी विकास सम्राट आदि के द्वारा आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया गया। सीओ द्वारा मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना के तहत बीस हजार रुपए नगद राशि मृतक के परिवार को देने तथा पुलिस द्वारा हत्या में शामिल अपराधियों की पहचान एवं उनकी गिरफ्तारी हो जाने की सूचना के बाद सड़क जाम हटाया जा सका। वहीं घटना को लेकर नवादा एसपी अभिनव धीमान ने भी गुरुवार की रात्रि ही कौआकोल पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार घटना के बाद पुलिस हर विन्दु से जांच में जुट गई है। मृतक के भाई की निशानदेही व फर्दब्यान के आधार पर घटना में संलिप्त अपराधकर्मियों की पहचान हो गई है तथा उनकी गिरफ्तारी में भी पुलिस जुटी हुई है। जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

इंडियन इंगलिश स्कूल में धूम - धाम से मनाया गया सरस्वती पूजा

निज संवाददाता। नवादा

नवादा इंडियन इंगलिश स्कूल न्यू एरिया नवादा में सरस्वती पूजा धूम धाम से मनाया गया। विद्यालय के सभी बच्चे पूजनोत्सव में भाग लिए। विद्यालय संस्थापक पंकज कुमार ने बताया कि विद्यालय प्रांगण में लगातार पंद्रह वर्षों से विद्यालय परिवार के द्वारा मूर्ति स्थापित कर पूजा होते आ रहा है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक इंजीनियर सत्यम सोराब ने बताया कि विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा से लोगों में पढ़ाई के प्रति रुझान बढ़ता है। विद्यालय के प्राचार्य राजीव रंजन ने बताया की विद्यालय परिसर में प्रत्येक वर्ष सरस्वती पूजा धूम धाम से मनाया जा रहा है और आगे भी सरस्वती मां के कृपा से पूजनोत्सव होते रहेगा। विद्यालय के बच्चे वसंतोत्सव पर रंग अबीर लगाकर धूम धाम से पूजनोत्सव मनाया।

विद्यालय के शिक्षक राजीव नयन, संजय कुमार वर्मा, चंदन कुमार, शुभम कुमार, विक्की कुमार शिक्षिका अनीता कुमारी, सुमन कुमारी, चांदनी कुमारी , रौशनी कुमारी के अलावा सैकड़ों विद्यार्थियों ने पूजा में भाग लिया।

युवक की हत्या मामले में प्राथमिकी दर्ज

निज संवाददाता। कौआकोल

कौआकोल थाना क्षेत्र के नाटी नदी पर स्थित गांधीधाम पुल के पास गुरुवार की देर शाम गोली मारकर एक युवक की हत्या कर दिए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इसकी जानकारी देते हुए कौआकोल थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि घटना में मृत अजित कुमार के भाई व घायल प्रत्यक्षदर्शी रोहित कुमार के फर्दब्यान पर कौआकोल थाना कांड संख्या-48/26 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। मामले में सात लोगों सहित अज्ञात को आरोपित किया गया है। थानाध्यक्ष के अनुसार पुलिस घटना की प्राथमिकी दर्ज करने के साथ ही अनुसंधान में जुट गई है।

रेसिडेन्सिल जीवन ज्योति इंग्लिश अकादमी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता। नवादा

न्यू (एरिया, नटराज सिनेमा के दक्षिण शाखा कार्यालय में विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा के पावन अवसर पर रेसिडेनियल जीवन ज्योति इंलिश एकेडमी न्यू एरिया, नवादा में भव्य एवं प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुगारंभ विद्यालय निर्देशक श्री चंद्रशेखर कुमार उर्फ नौसे जी" के द्वारा विधि-विधान से माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ । इस अवसर पर विद्यालय परिसर भक्ति उल्लास और अनु शासन के वातावरण से सराबोर रहा।

सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर नवादा के रेजिडेंशियल जीवन ज्योति इंग्लिश एकेडमी के प्रांगण में संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

विद्यार्थियों ने सरस्वती बंदना, समूह गीत एवं लोक नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के निर्देशक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि सरस्वती पूजा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक और अपने संस्कृति को बनाए रखने का प्रेरक संदेश है। साथ ही आने वाली 25 जनवरी 2026 को विद्यालय परिसर में किलान प्रदर्शनी एवं बात मेला का आयोजन किया जाएगा, इसकी जानकारी समस्त अभिभावको, छात्रों एवं नगर वासियों को दिया । अन्त में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का रामापन हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों के सांस्कृतिक और रचनात्मक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिध्द हुआ।मौके पर विद्यालय के सभी बच्चे मौजूद थे।

रजौली में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा, भक्तिमय हुआ वातावरण

निज संवाददाता। रजौली

पंडाल में पूजा करते छात्रगण व श्रद्धालुगण

विद्या और सुरों की देवी मां सरस्वती की आराधना का पर्व रजौली प्रखंड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत धूमधाम और श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर समूचा क्षेत्र 'मां शारदे' के जयकारों से गुंजायमान रहा। सुबह से ही विभिन्न पूजा पंडालों, शिक्षण संस्थानों और निजी आवासों में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता की प्रतिमाएं स्थापित की गईं, जहां छात्र-छात्राओं और श्रद्धालुओं ने पीले वस्त्र धारण कर मां वीणापाणि के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की और सुखद भविष्य की कामना की।रजौली के मुख्य बाजार, पुरानी बस स्टैंड, संगत के समीप तथा प्रखंड क्षेत्र के अमावां, हरदिया सहित विभिन्न गांव मोहल्लों में स्थापित भव्य पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। कहीं मां की प्रतिमा को हंस पर सवार दिखाया गया, तो कहीं कलात्मक सजावट के जरिए पंडालों को विशेष स्वरूप प्रदान किया गया। शैक्षणिक संस्थानों में माहौल विशेष रूप से उत्सवपूर्ण रहा, जहां विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से मां की वंदना की और कलम-पुस्तकों का पूजन किया। शाम होते ही पंडाल दूधिया रोशनी से नहा उठे और आरती के समय शंख व घंटों की ध्वनि ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।इस दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय प्रशासन भी मुस्तैद दिखा, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन में कोई असुविधा न हो। देर शाम तक प्रसाद वितरण का सिलसिला चलता रहा और कई स्थानों पर भक्ति जागरण व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। भक्ति, संगीत और परंपरा के इस अनूठे संगम ने रजौली के जनजीवन को पूरी तरह उत्सव के रंग में सराबोर कर दिया।

आगजनी में हजारों रुपये मूल्य की बिचाली जलकर हुआ राख

निज संवाददाता। कौआकोल

कौआकोल थाना क्षेत्र के पाली गांव में शुक्रवार को एक किसान के खलिहान में अचानक आग लग जाने से उसमें रखे हजारों रूपये मूल्य के बिचाली जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाली ग्रामीण व किसान महेश यादव खलिहान में रखे गए बिचाली जलकर राख हो गया। जिससे हजारों रुपये मूल्य का नुकसान हुआ। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आग पर किसी तरह काबू पाया गया।

वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक

निज संवाददाता। वारिसलीगंज

वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के सौर (दौलतपुर)गांव में चोरों का आतंक से ग्राम वासी में भय व्याप्त है।एक ही रात तीन घरों से करीब 20लाख की सम्पति चोरी कर लिया।जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के सौर गांव निवासी प्रमोद कुमार पिता स्व हरिनंदन प्रसाद उर्फ़ फुगल महतो के यहाँ से करीब बारह लाख के जेबरात एवं दो लाख के करीब नकद राशि को चोरों ने रात्रि में छत पर चढ़कर घटना को अंजाम दिया। प्रमोद कुमार ने बताया की दो दिन पूर्व ही गिरवी रखे जेबरात को छुड़ाकर घर लाया था। रात्रि में घर के कमरे में सोये हुए थे। सुबह में घर का दरवाजा खुला और दूसरे कमरे में सामान बिखरा हुआ था। 112पर कॉल करने के उपरांत पुलिस आयी तथा सुबह में स्थानीय पुलिस भी आयी। वहीं दूसरे तरफ ग्रामीण कारू राम के यहाँ भी चोरों ने सफाया कर दिया।दोनों भाई के कमरे से चोरों ने काफ़ी सामान लूट लें गए।बताया जाता है की आगामी 19 फ़रवरी को घर में शादी को लेकर जेवरात बनाये थे जिसे चोरों ने चुरा लिया तथा शादी की तैयारी को लेकर रखे गए नकद राशि भी लें गए। कारू राम के यहाँ भी करीब छः लाख रुपये का सामान चोरों ने चुराया है। एक ही रात तीन घरों में चोरी की घटना से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। पुलिस मामले की जाँच के लिये घटनास्थल की जाँच किया है। चोरी का उदभेदन पुलिस के लिये चुनौती भी बन गयी है

थाना क्षेत्र के सिमरी डीह में बंद घर से एक सप्ताह पूर्व चोरों ने चोरी कर लिया था। जिसका खुलासा अभी तक नही हो पाया है चोरी की बढ़ती घटनाओं से क्षेत्र वासी में भय का माहौल है ।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय में वसंत पंचमी एवं पराक्रम दिवस भव्यता से सम्पन्न

♦ वसंत पंचमी तथा पराक्रम दिवस अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया

निज संवाददाता। रजौली

विद्यालय परिसर में शिक्षकगण व बच्चे

रजौली प्रखंड के हरदिया पंचायत स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रभक्ति, शौर्य और विद्या के अनुपम संगम के रूप में वसंत पंचमी तथा पराक्रम दिवस अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान, विवेक और कला की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के विधिवत धूप-दीप एवं पुष्प अर्पण के साथ हुआ, जिससे सम्पूर्ण परिसर श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा से आलोकित हो उठा।

तत्पश्चात राष्ट्रनायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस मनाया गया। इस दौरान नेताजी स्वतंत्रता संग्राम के वह प्रखर सूर्य, जिनके ओजस्वी व्यक्तित्व, अदम्य साहस और "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा" जैसे क्रांतिकारी उद्घोष ने सोई हुई राष्ट्रचेतना को जगा दिया,उनका स्मरण करते हुए वातावरण देशभक्ति के जयघोषों से गूंज उठा। आज़ाद हिंद फ़ौज के संस्थापक नेताजी ने अनुशासन, त्याग और बलिदान के बल पर भारत की स्वतंत्रता की लौ को प्रज्वलित रखा, जो आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती है। इस अवसर पर मध्य विद्यालय के शिक्षक राजीव कुमार ने नेताजी के जीवन, उनके संघर्षपूर्ण नेतृत्व और स्वतंत्रता संग्राम में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रेरक वक्तव्य दिया। छात्रावास के वार्डन सौरव यादव ने भी नेताजी के क्रांतिकारी विचारों और राष्ट्र के प्रति उनके अपराजेय संकल्प का जोशीला परिचय देते हुए छात्रों में जोश और देशभक्ति का संचार किया, जिसे छात्रों ने नारों के साथ आत्मसात किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपार उत्साह के साथ भाग लिया। निबंध लेखन, प्रोजेक्ट प्रस्तुति, पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं में छात्रों ने सृजनात्मकता और राष्ट्रभक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों के बीच कॉपी, पेन एवं आवश्यक स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया गया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ। इस गरिमामय आयोजन में शिक्षक अमरेश प्रजापति, राजकुमा साव, विवेक मौर्य तथा रात्रि प्रहरी रविन्द्र कुमार की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

मुजफ्फरपुर में बुजुर्ग की मौत, डॉक्टर फरार

बेटा बोला- गलत इंजेक्शन लगाने के कारण बिगड़ी तबीयत

♦ आरोपी डॉक्टर अपनी दुकान बंद कर मौके से फरार

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के पारू थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग की मौत हो गई है। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर की ओर से लगाए गए इंजेक्शन के बाद 68 साल के बुजुर्ग की जान गई गई है। आरोप है कि गलत इंजेक्शन के कारण बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ी और कुछ ही देर में उनकी जान चली गई। घटना के बाद आरोपी डॉक्टर अपनी दुकान बंद कर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान तपेश्वर साह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, तपेश्वर साह के पैर में मामूली घाव था, जिसके इलाज के लिए वे गांव के चौक पर स्थित एक स्थानीय ग्रामीण चिकित्सक के पास गए थे। मृतक के बेटे दीपक कुमार ने बताया कि डॉक्टर ने घाव देखकर तुरंत आराम का दावा किया और एक इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगने के कुछ ही मिनटों बाद तपेश्वर साह की हालत बिगड़ने लगी और उन्हें तेज बेचैनी महसूस हुई। परिजनों का आरोप है कि बुजुर्ग की गंभीर स्थिति देखकर कथित झोलाछाप डॉक्टर अपनी क्लिनिक छोड़कर भाग गया। आनन-फानन में तपेश्वर साह को पारू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बुजुर्ग की मौत की खबर फैलते ही ग्रामीणों और परिजनों ने डॉक्टर की दुकान पर हंगामा किया। सूचना मिलने पर पारू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (SKMCH) भेज दिया है। पारू थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक के बेटा ने लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की गहन छानबीन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों का पता चल सकेगा। फरार डॉक्टर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।"

महिलाओं को ठगी से बचाव की ट्रेनिंग, साइबर क्राइम सेल ने बताए फर्जी कॉल-मैसेज के तरीके

डिजिटल सुरक्षा पर दिया जोर

हाजीपुर। वैशाली जिले के लालगंज आकांक्षी प्रखंड में साइबर अपराधों से बचाव के लिए एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। साइबर क्राइम सेल, वैशाली ने माइक्रोसेव कंसल्टिंग (नीति आयोग का विकास भागीदार) के सहयोग से 100 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों को साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए। यह एक दिवसीय कार्यक्रम लालगंज स्थित जीवन ज्योति फेडरेशन परिसर में आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य महिला समुदाय को डिजिटल सुरक्षा, वित्तीय सतर्कता और साइबर ठगी से बचाव के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे इस जानकारी को अपने समूहों में फैलाकर एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाने में योगदान दे सकें।

बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी: इस अवसर पर साइबर क्राइम सेल, वैशाली के इंस्पेक्टर मनोज कुमार सिंह, इंस्पेक्टर रघुनंदन राम और एसआई पंकज कुमार अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन डीवायएसपी (साइबर क्राइम) वैशाली के मार्गदर्शन में किया गया। पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभागियों को साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी।

फिशिंग जैसी घटनाओं से बचने के तरीके समझाए: अधिकारियों ने फर्जी कॉल और मैसेज, फर्जी वेबसाइट, डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर होने वाली ठगी, एपीके/स्क्रीन शेयरिंग ऐप के माध्यम से चोरी, एईपीएस फ्रॉड, ऑनलाइन शॉपिंग ठगी और फिशिंग जैसी घटनाओं से बचने के तरीके समझाए। उन्होंने 'क्या करें और क्या न करें' पर व्यावहारिक सलाह भी दी। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को अपने बायोमैट्रिक डेटा को सुरक्षित रखने और अनाधिकृत आधार केंद्रों से पैसे निकालने या आधार कार्ड में सुधार कराने से बचने की सलाह दी। इस जागरूकता अभियान को ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर आकांक्षी प्रखंडों में महिलाओं की डिजिटल साक्षरता, वित्तीय सुरक्षा और साइबर जागरूकता को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। इससे महिलाएं न केवल स्वयं सतर्क होंगी, बल्कि अपने परिवार और समुदाय को भी सुरक्षित रखने में सहायक होंगी।

पटना में 17 वर्षीय छात्रा को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया, इलाज के दौरान मौत

मनचले की धमकी बनी हकीकत, छह दिन तक जिंदगी और मौत से जूझती रही मुस्कान

निज संवाददाता। पटना

मुस्कान 10वीं की छात्रा थी। 6 दिन चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया।

राजधानी पटना में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गोपालपुर थाना क्षेत्र के बेरिया गांव में 17 वर्षीय छात्रा मुस्कान कुमारी को एक युवक ने पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। 17 जनवरी को हुई इस वारदात के बाद गंभीर रूप से झुलसी छात्रा की शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना न सिर्फ महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि मनचलों की धमकियां किस तरह जानलेवा बन रही हैं।

मुस्कान 10वीं कक्षा की छात्रा थी और बेरिया गांव में नानी के घर रहकर पढ़ाई कर रही थी। घटना वाले दिन वह नानी के घर से अपने किराए के मकान लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में गांव का ही 22 वर्षीय युवक आदित्य कुमार सामने आ गया। परिजनों के अनुसार, आरोपी युवक लंबे समय से मुस्कान को रास्ते में रोककर जबरन बातचीत करने का दबाव बना रहा था। वह उसे दोस्ती करने और बात करने के लिए परेशान करता था।

17 जनवरी को जब मुस्कान ने बातचीत से साफ इनकार कर दिया, तो आरोपी ने उसे धमकाया। पहले फोटो वायरल करने की बात कही, फिर कहा— "तुम्हें पेट्रोल डालकर जला दूंगा। बहस के दौरान आरोपी ने मौके पर ही पेट्रोल निकाला और मुस्कान के शरीर पर उड़ेल दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी ने माचिस जलाकर मुस्कान पर फेंक दी। आग लगते ही मुस्कान चीखती हुई करीब 100 फीट तक सड़क पर दौड़ती रही। शरीर लगभग पूरी तरह जल चुका था। कुछ दूरी पर वह गिर पड़ी और बेहोश हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया। बाद में उसे पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां छह दिन तक इलाज चला। मुस्कान के पिता दिलीप कुमार ने बताया कि उनकी बेटी रोज उसी रास्ते से आती-जाती थी। आरोपी युवक बार-बार उसका पीछा करता था।

उन्होंने कहा घटना के दिन आदित्य ने मेरी बेटी को घेर लिया। जब उसने मना किया तो फोटो वायरल करने और पेट्रोल डालकर जलाने की धमकी दी। बेटी ने हिम्मत दिखाते हुए कहा कि अगर ताकत है तो जला दो, और उसी के बाद उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया। इलाज के दौरान पुलिस ने मुस्कान का बयान दर्ज किया था। उसने बताया कि आरोपी ने पहले माचिस जलाकर डराने की कोशिश की और फिर दूसरी माचिस की तीली सीधे उसके शरीर पर फेंक दी। मुस्कान ने स्पष्ट रूप से पुलिस को बताया कि उसी युवक ने पेट्रोल डालकर उसे आग के हवाले किया। घटना के बाद से आरोपी युवक फरार है। पुलिस ने उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। गोपालपुर थाना पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा

शिक्षण संस्थानों में गूंजा विद्या व वाणी की आराधना का स्वर

निज संवाददाता। मसौढ़ी

पटना जिले के मसौढ़ी अनुमंडल क्षेत्र में शुक्रवार को विद्या, बुद्धि और कला की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की पूजा पूरे भक्तिभाव और उत्साह के साथ मनाई गई। वसंत पंचमी के अवसर पर क्षेत्र का वातावरण पीले रंग, भक्ति गीतों और मंत्रोच्चार से सराबोर रहा। आर्केडियन फॉक्स वैली स्कूल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विद्यालय परिसरों और पूजा पंडालों में छात्र-छात्राओं ने विधिविधान से मां सरस्वती की आराधना की। सुबह से ही बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यालयों में प्रतिमाओं की आकर्षक सजावट की गई, जहां विद्यार्थियों ने पुष्प, अक्षत और प्रसाद अर्पित कर ज्ञान, विवेक और सफलता की कामना की।

सरस्वती पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानव जीवन में भाषा, ज्ञान, संगीत और बौद्धिक चेतना के महत्व को रेखांकित करने वाला पर्व है। मान्यता है कि मां सरस्वती की कृपा से व्यक्ति में बोलने की शुद्धता, लिखने की क्षमता और सीखने की शक्ति का विकास होता है। इसी कारण छात्र, शिक्षक, कलाकार और विद्वान विशेष रूप से इस दिन पूजा-अर्चना करते हैं। वसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती को केले, बेर, सेब, नारियल सहित विभिन्न मौसमी फलों का भोग लगाया गया। नारियल को एकाग्रता और मानसिक स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से बना पंचामृत भी अर्पित किया गया, जिसे विद्या और वाणी में मधुरता का प्रतीक माना जाता है।

मुख्यमंत्री के आगमन से एनएच-27 पर यातायात बंद

निज संवाददाता। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर-दरभंगा राष्ट्रीय राजमार्ग-27 (NH-27) पर शुक्रवार को बड़े वाहनों की आवाजाही लगभग तीन घंटे तक पूरी तरह ठप रही। यह व्यवस्था मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अहियापुर में 'समृद्धि यात्रा' के तहत आगमन के कारण सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के मद्देनजर की गई थी। यातायात गायघाट प्रखंड के ठीकापाही से अहियापुर बखरी चौक तक प्रभावित रहा।

फोरलेन पर सामान्य वाहनों का परिचालन पर रोक: मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान NH-27 के फोरलेन पर सामान्य वाहनों का परिचालन दोनों लेन में रोक दिया गया था। हालांकि, आपातकालीन वाहनों को मैठी टोल प्लाजा के पास हनुमान कट से पिलखी की ओर डायवर्ट किया गया।

भारी संख्या में पुलिस बल तैनात: सुरक्षा व्यवस्था के तहत NH के सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। लंबे समय तक जाम में फंसे रहने के कारण कई ट्रक चालकों को राजमार्ग किनारे ही खाना बनाते हुए देखा गया, जिससे उनकी परेशानी स्पष्ट थी।

ट्रक गुजरात माल लेकर जा रहे थे: मध्य प्रदेश के एक ट्रक चालक बंशी लाल ने बताया कि वे सिलीगुड़ी से गुजरात माल लेकर जा रहे थे, लेकिन उनकी गाड़ी को रोक दिया गया।

कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय के सशक्त प्रतीक थे: प्रेम कुमार

सामाजिक न्यायिक मोर्चा और नाई महासभा ने मनाई जननायक की जयंती

निज संवाददाता। पटना

सामाजिक न्यायिक मोर्चा और नाई महासभा की ओर से जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने जननायक कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सामाजिक योगदान को याद किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रेम कुमार ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर गरीबों, दलितों, पिछड़ों और सवर्ण समाज के वंचित वर्गों की बुलंद आवाज थे। उन्होंने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान का जरिया बनाया। कर्पूरी ठाकुर ने उस वर्ग को आगे बढ़ाने का काम किया, जो लंबे समय तक मुख्यधारा से वंचित रहा।

उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर का योगदान केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका जीवन और संघर्ष पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। सामाजिक न्याय, समान अवसर और समावेशी विकास की उनकी सोच आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर्पूरी ठाकुर के सपनों को साकार करने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की जिस परिकल्पना की नींव कर्पूरी ठाकुर ने रखी थी, उसे वर्तमान सरकार नीतियों और योजनाओं के माध्यम से आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना ही सच्चे अर्थों में कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में प्रेम कुमार ने आगामी बिहार विधानसभा सत्र की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधानसभा सत्र 2 फरवरी से 27 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। सत्र की तैयारी को लेकर लगातार बैठकें की जा रही हैं और विधायक प्रश्न भी डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान राज्यपाल का अभिभाषण होगा, बजट पर विस्तृत चर्चा की जाएगी, गैर-सरकारी संकल्प प्रस्तुत किए जाएंगे और सरकार की ओर से विभिन्न विधेयक सदन में लाए जाएंगे। इस सत्र के माध्यम से राज्य के विकास को और गति देने का प्रयास किया जाएगा।

विपक्ष के संभावित हंगामे को लेकर पूछे गए सवाल पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई गई है और उनसे सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग मांगा गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है। यहां टकराव नहीं, बल्कि सकारात्मक और सार्थक चर्चा होनी चाहिए, ताकि बिहार के विकास से जुड़े मुद्दों पर जनहित में निर्णय लिए जा सकें।

नीतीश का लालू पर हमला, बोले- उसने कुछ नहीं किया

निज संवाददाता। मुजफ्फरपुर

CM नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा 7वें दिन मुजफ्फरपुर पहुंची। यहां सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा, पहले जो व्यवस्था थी सबको पता है। लोग शाम होने के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। क्या हालत थे सभी को पता है। पढ़ाई-लिखाई नहीं थी। बहुत कम पढ़े लिखे लोग रहते थे। वो अपने गड़बड़ी करा तो हटा। इसके बाद अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया।उन लोगों ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया।

हमारी सरकार को आज देख लीजिए 2005 से अब तक क्या हुआ है क्या नहीं सभी को पता है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 850 करोड़ की बाजार समिति में योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसके बाद CM अलग-अलग विभागों के स्टॉल्स का निरीक्षण करने निकले। इस दौरान डिप्टी CM सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री से कहा, आइए एक तस्वीर लेते हैं। CM रुके और सब्जियों से बनी रंगोली के साथ तस्वीर खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा, ये कितनी सुंदर रंगोली है। इसके बाद वे आगे बढ़ गए।

दोनों डिप्टी CM ने क्या कहा: अपने संबोधन में विजय सिन्हा ने कहा, बिहार को जंगलराज से मुक्ति के साथ-साथ विकसित बिहार बनाया है। विकसित बिहार और भय मुक्त बिहार का जो सपना है उस पर NDA सरकार लगातार काम कर रही है। बिहार में अब समृद्धि की शुरुआत हुई है। स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क इंटरनेट गांव-गांव पंचायत स्तर तक सारी सुविधाओं का लाभ जनता को दिया

जा रहा है। जंगलराज से मुक्ति मिली है। बिहार की जनता को केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार पर पूर्ण विश्वास और भरोसा है।

सम्राट चौधरी ने कहा, मुजफ्फरपुर आने के लिए पहले लोगों को पटना से करीब 5 घंटे लगते थे। जब से हमारे सीएम नीतीश कुमार बने हैं, तब से अब तक जो काम हुआ है, खासकर सड़कों को अब लोग डेढ़ से दो घंटे में फर्राटे भरते हुए पटना से मुजफ्फरपुर आ जाते हैं। आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इसी वर्ष 2026 में मुजफ्फरपुर का पताही एयरपोर्ट का सारा काम शुरू होगा। केंद्र सरकार और राज्य सरकार समंजस स्थापित कर कार्य सुचारू कराएगी।

सरस्वती पूजा पर निजी स्कूलों में दिखी रौनक, सरकारी विद्यालयों में छाई उदासीनता

मसौढ़ी में विद्या की देवी की आराधना, शिक्षा व्यवस्था के दो चेहरे आए सामने

निज संवाददाता। मसौढ़ी

तहसील क्षेत्र में शुक्रवार को विद्या, बुद्धि और कला की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की पूजा श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ की गई। वसंत पंचमी के अवसर पर पूरे इलाके में उल्लास का माहौल रहा, लेकिन इस पर्व के आयोजन में निजी और सरकारी विद्यालयों के बीच साफ अंतर देखने को मिला। जहां निजी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में सरस्वती पूजा पूरे उत्साह और भव्यता के साथ मनाई गई, वहीं सरकारी विद्यालयों में उदासीनता और औपचारिकता हावी रही। सरस्वती पूजा को लेकर निजी स्कूलों में विशेष उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। छोटे-छोटे बच्चे नए कपड़े पहनकर स्कूल पहुंचे और पूरे उत्साह के साथ पूजा-अर्चना में शामिल हुए। छात्र-छात्राओं की टोलियां परिसर में घूम-घूमकर प्रसाद ग्रहण करती नजर आईं। विद्यालयों में आकर्षक पंडाल, सुसज्जित प्रतिमाएं और सांस्कृतिक गतिविधियों ने आयोजन को यादगार बना दिया।

दाउदपुर मुहल्ले में पीएलएस कॉलेज के समीप स्थित भारती पब्लिक स्कूल, मणिचक मोड़ स्थित जूनियर इंटरनेशनल स्कूल सहित प्रखंड क्षेत्र के लगभग सभी छोटे-बड़े निजी शिक्षण संस्थानों में सरस्वती पूजा समारोहपूर्वक आयोजित की गई। भारती पब्लिक स्कूल में सरस्वती पूजा के अवसर पर छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। नृत्य, संगीत और समूह प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधन की ओर से बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। इस मौके पर भारती पब्लिक स्कूल के संचालक चंदन भारती और जूनियर इंटरनेशनल स्कूल के संचालक दीपक कुमार उपस्थित रहे। अभिभावकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों पर तालियां बजाकर उनका मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में अभिभावकों की मौजूदगी रही, जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ गई।

एसआईआर के नाम पर मताधिकार पर हमला, लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश: भाकपा-माले

निज संवाददाता। पटना

देशभर में चल रहे SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) अभियान के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। विपक्षी दल लगातार इस प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बता रहे हैं। इसी कड़ी में भाकपा-माले ने SIR को संविधान और लोकतंत्र के मूल ढांचे पर सीधा प्रहार करार दिया है। पार्टी ने घोषणा की है कि 25 जनवरी 2026 को, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, देशभर में 'संविधान संकल्प–मताधिकार रक्षा दिवस' मनाया जाएगा। इस दिन जिला मुख्यालयों पर विरोध कार्यक्रम आयोजित कर मताधिकार की रक्षा का संकल्प लिया जाएगा। भाकपा-माले के राज्य सचिव कुणाल ने कहा कि SIR के नाम पर मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जा रहे हैं। यह प्रक्रिया न तो पारदर्शी है और न ही जवाबदेह। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा अभियान केंद्र और राज्य सरकारों के संरक्षण में चलाया जा रहा है, जिसका असली उद्देश्य गरीबों, वंचित तबकों, अल्पसंख्यकों और प्रवासी मजदूरों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर करना है। कुणाल के मुताबिक, जब लोकतंत्र पर इस तरह का हमला हो रहा है, ऐसे समय में चुनाव आयोग द्वारा 25 जनवरी को 'मतदाता अधिकार दिवस' मनाने का आह्वान करना जले पर नमक छिड़कने जैसा

है। भाकपा-माले ने साफ किया है कि चुनाव आयोग द्वारा आयोजित 'मतदाता अधिकार दिवस' कार्यक्रम में पार्टी शामिल नहीं होगी। पार्टी की केंद्रीय कमेटी ने इसे "लोकतंत्र-विरोधी औपचारिकता" बताते हुए बहिष्कार का फैसला लिया है। पार्टी का कहना है कि जब एक तरफ मतदाता सूची से नाम काटे जा रहे हैं और दूसरी तरफ मतदाता अधिकारों का उत्सव मनाया जा रहा है, तो यह दोहरा चरित्र लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। माले ने ऐलान किया है कि 25 जनवरी को देशभर के जिला मुख्यालयों में विरोध प्रदर्शन, सभाएं और जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए संविधान, लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के सवाल को केंद्र में रखा जाएगा। पार्टी ने कहा कि यह दिन सिर्फ विरोध का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए जन-संकल्प का दिन होगा। भाकपा-माले ने दो टूक कहा है कि मताधिकार कोई सरकारी कृपा या औपचारिक उत्सव का विषय नहीं है, बल्कि यह संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिकों का मूल अधिकार है। पार्टी का आरोप है कि SIR के जरिए मतदाता सूची से नाम हटाकर लोकतंत्र को कमजोर करने की सुनियोजित कोशिश की जा रही है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। भाकपा-माले ने चुनाव आयोग से मांग की है कि मतदाता सूची से नाम हटाने की मौजूदा प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाई जाए। साथ ही एक ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जो पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह और भरोसेमंद हो, ताकि किसी भी नागरिक को उसके संवैधानिक अधिकार से वंचित न किया जा सके।

पूर्व रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.: 177, 180-एमएलडीटी-25-26, दिनांक 22.01.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा टाउन कार्यालय भवन, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102, पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, निविदा सं.: 177-एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम तथा उसका स्थान:** सहायक अभियंता/बीआरएल/मालदा के अधिकार क्षेत्र के अधीन न्यू फरक्का-आजिमगंज अनुभाग में सुजनीपाड़ा-अहिरन हॉल्ट स्टेशनों के बीच किमी. 220.91 पर (बेण्डेल जंक्शन से) पुल सं. 340ए डाउन (स्पन 2x125 मी + 1x145 मी) के इंस्पेक्शन लैडर के प्रावधान तथा लूज एचएसएफजी बोल्टों के बदलाव कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 3,21,92,046; **क्रमांक 2, निविदा सं.: 180-एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम तथा उसका स्थान:** वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/पूर्व रेलवे/मालदा के अधीन सहायक अभियंता/भागलपुर के अधिकार क्षेत्र में भागलपुर शंटिंग नेक में गुमटी सं. 1 पर ट्रेसपासिंग लोकेशन में सीमित ऊंचाई के सबवे तथा गुमटी सं. 2 पर डॉयवर्सन रोड के प्रावधान कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 11,55,02,438.11; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 13.02.2026 को अपराह्न 3.30 बजे (दोनों निविदाओं के लिए); **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट्ट: www.ireps.gov.in**/डीआरएम कार्यालय/मालदा टाउन।

(MLD-300/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में दो महिला एवं एक किशोर जख्मी

बिक्रमगंज (रोहतास)। थाना क्षेत्र के धनगाई में स्वर्गीय कलेश्वरी सिंह के घर के समीप शुक्रवार को बिक्रमगंज - दीनारा मुख्य सड़क पर सड़क दुर्घटना में दो महिला एवं एक किशोर जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों ने जख्मियों को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बिक्रमगंज में भर्ती कराया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बसंत पंचमी के उपलक्ष पर तीनों बिक्रमगंज प्रखंड क्षेत्र के अतिप्राचीन शिव मंदिर कस्तर महादेव से पूजा कर अपने गांव मैधरा वाइक से लौट रहे थे। घटना स्थल पर सड़क संकीर्ण होने के कारण विपरीत दिशा से आ रही आटो से टकरा गए।इस घटना में मैधरा निवासी राजेश कुमार गुप्ता का 16 वर्षीय पुत्र वीरू कुमार, श्री भगवान सिंह की 48 वर्षीय पत्नी सुषमा देवी एवं दुर्गेश कुमार की 25 वर्षीय पत्नी ममता देवी जख्मी हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भर्ती कराया गया। बताते चलें कि सड़क चौड़ीकरण किया गया परंतु नाला वाले स्थान पर नाले के पूर्ववत चौड़ाई के अंतर्गत ही सड़क बनाकर संवेदक द्वारा छोड़ दिया गया। यह स्थिति इस सड़क पर धनगाई काली मंदिर, धनगाई टोला एवं धनगाई गांव के पश्चिमी किनारे पर बरकरार है। इस समस्या से जाम की समस्या भी उत्पन्न होता रहता है।

बरना पंचायत सरपंच अनैतिक कर्म एवं मारपीट मामले में गिरफ्तार

राजपुर। बरना पंचायत के सरपंच पकड़ी गांव निवासी राजेंद्र रजवार को गुरुवार को स्थानीय पुलिस ने एक लड़की के साथ अनैतिक कर्म करने एवं मारपीट किए जाने के मामले में गिरफ्तार कर लिया. थानाध्यक्ष उमुस सलमा ने बताया कि पकड़ी गांव निवासी लिलावती देवी ने सरपंच के विरुद्ध एक लडकी के साथ अनैतिक कार्य करने एवं मारपीट किये जाने का आरोप लगा प्राथमिकी दर्ज कराया गया है. आवेदिका ने बताया है कि वे अपने पति के साथ मजदुरी करने बाहर गई थी.तभी शराब के नशे में धूत सरपंच उनके घर में घुसकर उनके तीस वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म किया. विरोधी करने पर बेटी के साथ मारपीट किया.बेटी द्वारा हो हल्ला मचाये जाने पर आस पड़ोस के लोग काफी संख्या में घटनास्थल पर आ गये. अपने पति के साथ वो भी पहुंच गई.जिसके बाद सरपंच ने नशे में हम पति पत्नी को भी मारपीट कर घायल कर दिया. उन्होंने कहा कि मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी करते हुए सरपंच को गिरफ्तार कर लिया गया.

पुलिस ने दो शराब धंधेबाज को किया गिरफ्तार

राजपुर। स्थानीय पुलिस ने बलिगांव गांव में गुप्त सूचना पर छापेमारी कर दो शराब धंधेबाजों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. थानाध्यक्ष उमुस सलमा ने बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस ने पूनम देवी,पति ओमप्रकाश भूइंया एवं करमु राम का बेटा बिदेश भूइंया को पांच पांच लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया. वहीं अकोढिगोला गांव निवासी जयनारायण यादव का बेटा कामेश्वर यादव को शराब के नशे में हंगामा करने की सूचना पर चितबिसांव गांव से गिरफ्तार किया गया.सभी को मेडिकल जांच उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

नहर में फंसा मिला दिव्यांग युवक का शव, आधार कार्ड से हुई पहचान

करगहर (रोहतास)। बड़हरी थाना क्षेत्र के बड़हरी राजवाहा में शुक्रवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब स्थानीय बाजार के पास नहर किनारे झाड़ियों में एक युवक का शव फंसा हुआ मिला। शव देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की सूचना पर बड़हरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाया। पुलिस ने जब मृतक की तलाशी ली तो उसकी जेब से आधार कार्ड बरामद हुआ, जिससे उसकी पहचान सुनील कुमार पासवान (उम्र लगभग 35 वर्ष), पिता जगदीश पासवान, निवासी समहुता कौवाडीह, थाना करगहर, जिला रोहतास के रूप में हुई। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि मृतक एक हाथ और एक पैर से दिव्यांग था और किसी रिश्तेदारी में गया हुआ था। लौटने के दौरान संभवतः शौच या किसी अन्य कारण से वह संतुलन खो बैठा और नहर में गिर गया, जिससे उसकी डूबकर मौत हो गई। थाना पहुंचे मृतक के पिता जगदीश पासवान ने बताया कि उनका परिवार बीपीएल श्रेणी में आता है और उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष रेल दुर्घटना में उनके बड़े पुत्र की भी मौत हो चुकी है, जिसके बाद से परिवार लगातार दुख झेल रहा है। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

डालमियानगर में हनुमान चालीसा ज्ञान यज्ञ संस्थान की हुई वार्षिक बैठक

23 मार्च से शुरू होगा हनुमान चालीसा यज्ञ संस्थान का उद्घाटन

डेहरी। रोहतास। रतु बिगहा स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार को 72 वां हनुमान चालीसा ज्ञान यज्ञ संस्थान की वार्षिक बैठक मानसिंह के अध्यक्षता में की गई। मौके पर उपस्थित महासचिव केशवर सिंह, नरेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष बृजमोहन सिंह,रामनाथ सिंह के उपस्थिति में की गई। बैठक में आय- ब्यय की जानकारी प्राप्त की गई। वहीं सर्वसम्मति से नया साउंड सिस्टम खरीदने, नया पत्रिका का विमोचन करने के साथ संस्थान में नए सदस्यों को जोड़ने पर बल दी गई। महासचिव ने कहा कि 23 मार्च को हनुमान चालीसा ज्ञान यज्ञ संस्थान का उद्घाटन एवं स्मारिका का विमोचन जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी नारायणाचार्य महाराज घरवासडीह के द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना एवं प्रवचन के साथ किया जाएगा। वहीं पर कथा का समापन 1 मई को होगा तथा 2 मई को पुणे होती हवन प्रसाद वितरण एवं सामूहिक भंडारा के साथ किया जाएगा। मौके पर प्रो.रणधीर सिंन्हा, बबलू श्रीवास्तव, कुंदन यादव, विकास कुमार, बबलू मद्धेशिया,शैलेंद्र प्रसाद,अशोक वर्मा,विनोद कसेरा,लव कुश सिंह, अनिल श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित थे। बताया कि हनुमान चालीसा ज्ञान यज्ञ समारोह में प्रवचन के लिए दूसरे राज्यों के संत महात्माओं एवं विद्वान व्यासों को आमंत्रित किया गया है।

ऑपरेशन सतर्क के तहत लावारिस विदेशी शराब की बरामदगी

निज संवाददाता। सासाराम /रोहतास

अधिकारियों के निर्देशानुसार ट्रेनों में अपराध नियंत्रण, अपराधी गतिविधि की निगरानी एवं अपराधियों की धरपकड़ हेतु निरीक्षक प्रभारी सासाराम के नेतृत्व में भभुआ रोड स्टेशन से प्रधान आरक्षी अभिषेक कुमार यादव तथा आरक्षी हरेराम यादव दोनों रेलवे सुरक्षा बल आउट पोस्ट भभुआ रोड को साथ लेकर गाड़ी संख्या 13010 (दून एक्सप्रेस) में चेकिंग व अपराधिक निगरानी करते हुए भभुआ रोड से सासाराम स्टेशन आने के क्रम में कुदरा स्टेशन के बाद कोच संख्या S2 में समय करीब 19:27 बजे पहुंचे तो बाथरूम के पास 02 अदद पिट्ठु बैग तथा 03 अदद झोला लावारिस रखें हुए दिखाई दिये, जिनके बारे में आसापास यात्रियों से पूछताछ करने किसी भी यात्री ने अपना होना नहीं बताया। बाद उक्त बैगों को लावारिस पाकर मौके पर ही सावधानी पूर्वक खोलकर चेक करने पर सभी बैगों में अंग्रेजी शराब पाया गया। बाद सभी बैगों को उक्त गाड़ी के अगले ठहराव सासाराम स्टेशन पर ऑन ड्यूटी अधिकारी साथ स्टॉफ के सहयोग से उतारा गया। बाद प्लेटफार्म पर ही सभी बैगों को समक्ष गवाहन विधिवत खोलकर चेक करने पर क्रमशः 12 पीस Green Label The Rich blend whiskey सभी की धारिता-750ML, जिसका बैच नं0-0890, दिनांक दिसंबर2025, मूल्य RS-460/- रूपया, 25 पीस Royal stag superior whisky सभी की धारिता-750ML, जिसका बैच नं0-1732, दिनांक 08.12.25, मूल्य RS-680/- रूपया, 03 पीस Royal stag superior whisky सभी की धारिता-375 ML, जिसका बैच नं0-1751, दिनांक 10.12.25, मूल्य RS-350/- रूपया, 01 पीस 8 PM Special Blend of scotch & Indian Grain whisky, सभी की धारिता-375 ML, जिसका बैच नं0-0526, दिनांक 27.11.25, मूल्य RS-240/- रूपया, 06 पीस Bacardi Limon Super Classic सभी की धारिता-750ML, जिसका बैच नं0-0009, दिनांक 17.05.25, मूल्य RS-830/- रूपया, 58 पीस ब्लू लाइम देशी मसाला, प्रत्येक की धारिता-200 ML, जिसका बैच नं0-856, दिनांक 16.01.26, प्रत्येक का मूल्य RS-75/- रूपया। जो सभी उत्तर प्रदेश राज्य में बिक्री हेतु अंकित पाया गया। कुल 45.35 लीटर, विदेशी व देशी शराब, जिसका कुल अनुमानित मूल्य 33140/- रूपया है बरामद किया गया।बाद विडियोग्राफी करते हुऐ विधिवत समय 20:25 बजे से तलाशी एवं जप्ती ज्ञाप तैयार किया गया। बाद जप्त शराब के साथ मय कागजात उत्पाद थाना सासाराम को अग्रिम कार्रवाई करने हेतु को सुपुर्द किया गया। जहां उत्पाद थाना सासाराम के द्वारा मुकदमा पंजीकृत करने की प्रक्रिया जारी है।

महोत्सवों के उद्देश्य को धरातल पर उतारने के लिए पांच सुत्रीय मांग पत्र सौंपा गया

निज संवाददाता। सासाराम

रोहतास जिले के बुद्धिजीवियों का एक शिष्टमंडल गुरुवार को रोहतास के जिलाधिकारी उदिता सिंह से मिलकर सरकारी स्तर पर आयोजित की जाने वाले महोत्सवों के उद्देश्य को धरातल पर उतारने के लिए पांच सुत्रीय मांग पत्र सौंपा। जिसमें कहा गया है कि सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, प्रचार प्रसार तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हीं सरकारी स्तर पर जिले में गुप्ताधाम महोत्सव, शेरशाह सूरी महोत्सव आदि का आयोजन किया जाता है, लेकिन कई वर्षों से सरकारी राजस्व ख़र्च होने के बावजूद ऐसे आयोजन का जो परिणाम सामने आना चाहिए था वैसा अभी तक नहीं हुआ। मांग में महोत्सव में जिला के शिक्षाविद् साहित्यकार पत्रकार व जन-प्रतिनिधियों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने, सम्बन्धित महोत्सव के लिए लेजर शो कराने और स्मारिका प्रकाशित करने, जिला के प्रमुख ऐतिहासिक सांस्कृतिक और धार्मिक तथा प्राकृतिक सौंदर्य स्थलों को पर्यटन विभाग के बेवसाइट पर डालने तथा मंच पर स्थानीय कलाकारों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग शामिल है। शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधि मंडल में शेरशाह सूरी ट्रस्ट के जीएम अंसारी, अवधूत भगवान राम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विनोद सिंह उज्जैन, पायलट बाबा आश्रम के रमेश कुमार पप्पू, महावीर क्विज़ एन्ड टेस्ट सेंटर के सचिव शैलेश कुमार, सरोज कुमार पंकज, सादिक हुसैन, नबीज अख्तर आदि शामिल थे।

काशी घाट सूर्य मंदिर में मूर्ति स्थापना व यज्ञ को लेकर बैठक

निज संवाददाता। बिक्रमगंज (रोहतास)

नगर के काशी घाट स्थित सूर्य मंदिर में प्रस्तावित मूर्ति स्थापना एवं यज्ञ आयोजन को लेकर शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजन से संबंधित प्रारूप तैयार किया गया, जिसमें कार्यक्रम की संभावित तिथि, अनुमानित खर्च तथा किन ऋषि-मुनियों एवं साधु-महात्माओं के सान्निध्य में यज्ञ संपन्न कराया जाएगा, इस पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।बैठक में काशी घाट के अध्यक्ष धीरज गिरी, विक्कू गुप्ता, नगर के पूर्व चेयरमैन रबनवाज राजू, पूर्व चेयरमैन गुप्तेश्वर गुप्ता, चेयरमैन प्रत्याशी घनश्याम सिंह, संजय वर्मा, रामजी वैश्य, मंटू सिंह सिकारियां, वार्ड पार्षद अनवर फारूकी, बसंत पटेल, वार्ड पार्षद राजा पटेल, टोनी सरदार, महेंद्र गुप्ता, अमृत रंजन, आस्कमिनी मंदिर पूजा समिति के अध्यक्ष गया जी, मुखिया राम विनय पटेल, मदन प्रसाद वैश्य, अधिवक्ता मदन सिंह, अधिवक्ता निशांत सिंह, मनोज कुमार सिंह, निरंजन ठाकुर, धीरज जी साड़ी वाले सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आयोजन से जुड़े शेष बिंदुओं एवं अंतिम रूपरेखा पर दूसरी बैठक में विस्तार से निर्णय लिया जाएगा। सभी सदस्यों ने सूर्य मंदिर के धार्मिक एवं सांस्कृतिक गौरव को और सुदृढ़ करने के लिए सामूहिक सहयोग से आयोजन को भव्य बनाने का संकल्प दोहराया।

रणजीत गंज में भव्य सरस्वती पूजा समारोह, पुरस्कार वितरण एवं माँ सरस्वती लाइब्रेरी का प्रथम वार्षिकोत्सव संपन्न

निज संवाददाता। तिलौथू (रोहतास)

रणजीत गंज में छात्र नवयुवक एकता संघ के तत्वावधान में आयोजित श्री श्री सरस्वती पूजा समारोह इस वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस पावन अवसर पर न केवल माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई, बल्कि प्रतियोगिता परीक्षा के सफल प्रतिभागियों का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम, माँ सरस्वती लाइब्रेरी का प्रथम वार्षिकोत्सव, तथा लाइब्रेरी ट्रस्ट एवं प्रतीक चिह्न का शुभारंभ भी बड़े ही गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अंकिता जैन, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, तिलौथू के कर-कमलों द्वारा किया गया। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में अजय सिंह कुशवाहा, पूर्व जदयू जिला अध्यक्ष तथा चन्द्रशेखर सिंह, उप मुख्य पार्षद, नगर परिषद सासाराम की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंच पर उपस्थित अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वही अपने संबोधन में मुख्य अतिथि अंकिता जैन ने कहा कि "ज्ञान, अनुशासन और सतत परिश्रम ही विद्यार्थियों को जीवन में सफलता के शिखर तक ले जाता है। माँ सरस्वती लाइब्रेरी जैसी पहल ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए वरदान सिद्ध होगी। उन्होंने छात्र नवयुवक एकता संघ के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर विद्यार्थियों के चेहरे पर आत्मविश्वास और प्रसन्नता स्पष्ट झलक रही थी। अतिथियों ने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन, लक्ष्य के प्रति समर्पण और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। वही इस अवसर पर माँ सरस्वती लाइब्रेरी के प्रथम वार्षिकोत्सव का भी आयोजन किया गया, जिसमें लाइब्रेरी की उपलब्धियों, भविष्य की योजनाओं तथा शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही लाइब्रेरी के ट्रस्ट एवं प्रतीक चिह्न का विधिवत शुभारंभ कर इसे एक सशक्त शैक्षणिक संस्था के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम के आयोजक एवं छात्र नवयुवक एकता संघ के संचालक रुद्र कुमार जी ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में कहा— हमारा उद्देश्य केवल पूजा आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्र के प्रत्येक छात्र को अध्ययन का बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। माँ सरस्वती लाइब्रेरी के माध्यम से हम शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि युवाओं का यह सामूहिक प्रयास आने वाले समय में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों, आयोजकों एवं उपस्थित जनसमूह ने माँ सरस्वती से क्षेत्र की शैक्षणिक उन्नति, विद्यार्थियों की सफलता और समाज में ज्ञान के प्रसार की कामना की। संपूर्ण आयोजन श्रद्धा, अनुशासन और उत्साह से परिपूर्ण रहा, जिसने रणजीत गंज को शिक्षा और संस्कृति के केंद्र के रूप में एक नई पहचान दी।

आस्था : महाविद्यालय में मां सरस्वती पूजन के साथ श्रीमद्भागवत कथा संपन्न

निज संवाददाता। बिक्रमगंज (रोहतास)

मां पूजन के प्रसाद भंडारे में भक्तों की उमड़ी भीड़

शुक्रवार को नगर परिषद, बिक्रमगंज के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय, धारूपुर प्रांगण में स्थापित मां सरस्वती मंदिर में बसंत पंचमी पूजन के अवसर पर 24 घंटे का श्रीमद्भागवत कथा वेद मंत्रों उच्चारण के साथ भक्तिमय माहौल में संपन्न हुई। अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा वाचक मनमोहन तिवारी,विष्णु शंकर दुबे,अखिलेश पाठक,दिनेश पाठक, शशिकांत मिश्रा, कुमार विवेक,पवन उपाध्याय, सुनील कुमार मिश्रा, आचार्य हरिशरण तिवारी, रामकुमार मिश्रा सहित अन्य ब्राह्मणों के सानिध्य में मां सरस्वती मंदिर परिसर के महाविद्यालय भक्तिमय जयकारे से गुंजमय हो उठा था। दो दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा पूजन के अंतिम दिन भव्य आरती और हवन पूजन में महाविद्यालय के सभी कर्मियों ने भी श्रद्धा भाव के साथ भाग लिया। उक्त मौके पर लगातार 11वें साल भी महाविद्यालय परिसर में महावीरी ध्वजारोहण के साथ पूजन किया गया। मौके पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सीनेट सदस्य वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,आरा के डॉ. मनीष रंजन ने महाविद्यालय में मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर सभी लोगों के लिए सुख समृद्धि शांति के लिए मां के समक्ष शरणागत होकर मनोकामना की। दूसरी तरफ पूजा संपन्न के बाद महाविद्यालय में प्रसाद वितरण भंडारे का आयोजन किया गया। जहां उपस्थित सैकड़ों भक्तों ने मां के जयघोष के साथ प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही डॉ. मनीष ने बताया कि वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर जो रोहतास जिले का एकमात्र महाविद्यालय है,जहां भव्य मां सरस्वती मंदिर स्थापित है। जिसको लेकर लगातार 11वें साल भी श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया। जो मां सरस्वती मंदिर को लोग धार्मिक स्थल के रूप देखते हुए दूर दराज से भक्तों की टोली आस्था लिए दर्शन को आते हैं।

उक्त पूजन अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, प्रो. वीर बहादुर सिंह, उमा सिंह, बलवंत सिंह, प्रियतम उर्फ विवेक कुमार, अभय कुमार सिंह, अजीत सिंह, हरेंद्र सिंह हरियाली, चंदन सिंह, विनय, विकास, गोलू, गुडु सहित समस्त महाविद्यालय कर्मी उपस्थित थे।

मनियारी में 52 गांव रामचरित मानस महायज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

मनियारी गांव में आयोजित 52 गांव रामचरित मानस महायज्ञ को लेकर शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा की शुरुआत करगहर स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर से हुई, जहां बक्सर से लाए गए गंगाजल के साथ सैकड़ों श्रद्धालु जुटे। महा यज्ञ स्थल मनियारी से जुड़े विभिन्न गांवों के श्रद्धालु हाथी, घोड़ा, ऊंट एवं विभिन्न वाहनों के साथ शिव मंदिर परिसर पहुंचे। विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात कलश यात्रा प्रारंभ की गई। महिला-पुरुष श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ पैदल यात्रा करते हुए मनियारी महायज्ञ स्थल के लिए रवाना हुए।

श्रद्धालुओं ने बताया कि 52 गांव रामचरित मानस महायज्ञ का यह द्वितीय चरण का 12वां वार्षिकोत्सव है। इस महायज्ञ की परंपरा लगभग 112 वर्ष पूर्व जलालपुर गांव से प्रारंभ हुई थी, जो निरंतर प्रतिवर्ष क्षेत्र के किसी न किसी गांव में आयोजित की जाती रही है। दस दिनों तक चलने वाले इस महायज्ञ में काशी, वृंदावन, मथुरा और ऋषिकेश से आए विद्वान प्रवचनकर्ता रामकथा का रसपान कराएंगे। वहीं रात्रि में मथुरा से आमंत्रित कलाकारों द्वारा रासलीला का मंचन किया जाएगा। महा यज्ञ परिसर में श्रद्धालुओं के ठहरने, शौचालय, भोजन एवं प्रसाद की समुचित व्यवस्था की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गांव के स्वयंसेवकों (वॉलिंटियर्स) की टीम गठित की गई है, जो 24 घंटे निगरानी में तैनात रहेगी।

जेडआरयुसीसी सदस्य मनीष सिन्हा ने रेल महाप्रबंधक को दिया प्रस्ताव

निज संवाददाता। डेहरी। रोहतास

बैठक पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में हुई थी। जिसमें मनीष सिंह ने कुछ प्रमुख प्रस्ताव रेल महा प्रबंधक को सौंपा है। जिसमें कहा है कि गया से मुंबई एवं अहमदाबाद हेतु अमृत भारत एक्सप्रेस के तर्ज पर नई ट्रेन सेवा प्रारंभ की जाए। क्योंकि इन रूटों पर वर्तमान ट्रेनों में प्रतीक्षासूची अत्यधिक है, जिससे यात्री यातायात की माँग पूरी नहीं हो पा रही है।डेहरी–गढ़वा रोड सेक्शन की पैसेंजर ट्रेनों में जनरल कोच घटाकर 7–8 कर दिए गए हैं, जिससे अत्यधिक भीड़ हो रही है। इन्हें न्यूनतम 12–14 कोच के साथ संचालित किया जाए। 18611/12 एक्सप्रेस को 20 कोच संरचना के साथ चलाया जाए, ताकि यात्री मांग के अनुरूप जनरल कोचों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। डेहरी ऑन सोन स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव प्रदान किया जाए क्योंकि यह स्टेशन उच्च यात्री घनत्व व राजस्व योगदान वाला है। डीडीयू मंडल की सभी पैसेंजर ट्रेनों में आई आर सी एम एवं कोचिंग मेंटिनेस मैन्युअल के अनुसार नियमित गहन सफाई कराई जाए। डेहरी ऑन सोन के पाली रेल पुल की मरम्मत एवं विस्तार कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए तथा इसे स्टेशन रोड से जोड़ते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 19 तक विस्तारित किया जाए। ताकि यह एक शहरी बाईपास पुल कॉरिडोर बन सके। इससे रेलवे स्टेशन तक आपातकालीन एवं औद्योगिक पहुँच सुनिश्चित होगी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय–गया सेक्शन पर दोपहर 12से 2 बजे के बीच एक पैसेंजर ट्रेन चलाई जाए, क्योंकि इस समय खिड़की में कोई लोकल सेवा उपलब्ध नहीं है।12937/38 हावड़ा–गांधीधाम गरबा एक्सप्रेस का ठहराव डेहरी ऑन सोन स्टेशन पर दिया जाए।

सासाराम जंक्शन पर राजधानी एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित किया जाए, क्योंकि यह एक ऐतिहासिक एवं पर्यटन वाणिज्यिक केंद्र है। 12324/23 गाजीपुर–कोलकाता शताब्दी एक्सप्रेस का ठहराव डेहरी ऑन सोन एवं सासाराम जंक्शन पर किया जाए। टाटानगर–पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव डेहरी ऑन सोन पर प्रदान किया जाए। जिससे रोहतास, औरंगाबाद, भभुआ एवं आसपास के जिलों को प्रीमियम रेल कनेक्टिविटी मिले।सासाराम–आरा रेल खंड में स्थित सभी फ्लड-प्रोन आर यू बी को आर ओ बी में बदला जाए, तथा शेष समपार फाटकों को हटाकर आर ओ बी बनाया जाए। पटना–भभुआ इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव हसनबाजार हाल्ट पर दिया जाए, जिससे डेहरी स्टेशन का अत्यधिक यात्री भार कम हो। जनरल रेलवे यात्री सलाहकार समिति सदस्य मनीष कुमार सिन्हा ने कहा कि उनके सभी प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करते हुए महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया है। आने वाले दिनों में इसका असर भी दिखेगा।

नेता जी सुभाषचंद्र बोस की जयंती धूमधाम से मनाई गई

निज संवाददाता। सासाराम / रोहतास

नेताजी सुभाष चंद्र बोस फाउंडेशन के तत्वाधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 129 वीं में जयंती समारोह वी पी मंडल परिसर , सासाराम में धूमधाम से मनाया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जयंती समारोह के अध्यक्षता फाउंडेशन के संरक्षक श्री सत्यनारायण स्वामी जी ने किया।उद्घाटनकर्ता विभूति शिक्षाविद सुग्रीव प्रसाद सिंह के द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया तथा उपस्थित सभी लोगों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। समारोह में फाउंडेशन के महासचिव बबन विद्रोही ,गौतम ऋषि, राहुल कुमार और सूरज कुमार ने आगत अतिथियों का फूल माला लगाकर स्वागत अभिनन्दन किया। अपने उद्घाटन भाषण में सुग्रीव प्रसाद सिंह ने बताया कि सैकड़ो वर्षों से आजादी के लड़ाई के इतिहास में पहला व्यक्ति थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस जिन्होंने कहा था कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। जयंती समारोह में विकास कुमार, सुनील कुमार, कामता सिंह, रमेश कुमार रमन (ए पी पी),मनोज कुमार, सिकंदर यादव, सुनील कुमार ,अरुण कुमार ,महेंद्र कुमार ,रुपेश कुमार, संजय यादव , तरुण कुमार, जयप्रकाश सिंह, विनय कुमार राय पूर्व पैक्स अध्यक्ष, अब्दुल कुद्दूस,शिवकुमार सिंह अधिवक्ता ,ललित ठाकुर, जनार्दन प्रसाद अधिवक्ता ,डॉ गिरेंद्रसिंह सिकरवार ,श्याम सुंदर पासवान शिक्षक, जयशंकर यादव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सरस्वती पूजा में नियमों की अनदेखी, गुरुआ में पुलिस ने 6 डीजे जब्त किए

गया। सरस्वती पूजा के दौरान प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने पर गुरुआ प्रखंड में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पूजा के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से कुल छह डीजे जब्त कर थाना परिसर में सुरक्षित रखवाए हैं। थाना प्रभारी मनेश कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ पूजा पंडालों और जुलूसों में प्रतिबंध के बावजूद डीजे का उपयोग किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और नियमों का उल्लंघन कर रहे डीजे उपकरणों को जब्त कर लिया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से पर्व-त्योहार के दौरान ध्वनि प्रदूषण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनका पालन अनिवार्य है। इसके बावजूद कुछ लोग नियमों की अनदेखी कर रहे थे, जिस कारण यह कार्रवाई जरूरी हो गई। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरस्वती पूजा शांति और श्रद्धा का पर्व है और इसमें किसी भी तरह की अव्यवस्था या कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी लगातार निगरानी रखी जा रही है और नियम तोड़ने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम लोगों और पूजा समितियों से अपील की है कि वे प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

उर्स के मद्देनज़र चिचाकी स्टेशन पर तीन जोड़ी मेल–एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

धनबाद। रेलवे प्रशासन ने उर्स के अवसर पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धनबाद मंडल के चिचाकी स्टेशन पर तीन जोड़ी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को अस्थायी ठहराव की सुविधा प्रदान की है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस गोमो–कोडरमा रेलखंड पर स्थित चिचाकी स्टेशन पर यह व्यवस्था 24 जनवरी 2026 से 7 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी। रेलवे के अनुसार, सभी चयनित ट्रेनों का चिचाकी स्टेशन पर दो-दो मिनट का ठहराव होगा, जिससे उर्स में शामिल होने वाले यात्रियों को आने-जाने में सहूलियत मिलेगी।

पूर्णिया कोर्ट-हटिया एक्सप्रेस को मिला स्टॉपेज: अस्थायी ठहराव प्राप्त करने वाली ट्रेनों में गाड़ी संख्या 18625 पूर्णिया कोर्ट–हटिया एक्सप्रेस शामिल है। यह ट्रेन चिचाकी स्टेशन पर 15:14 बजे पहुंचेगी और 15:16 बजे आगे के लिए रवाना होगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 18626 हटिया–पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस 10:16 बजे पहुंचकर 10:18 बजे प्रस्थान करेगी।

कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस का भी ठहराव: इसी क्रम में गाड़ी संख्या 13151 कोलकाता–जम्मूतवी एक्सप्रेस 18:04 बजे चिचाकी स्टेशन पहुंचेगी और 18:06 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। वहीं गाड़ी संख्या 13152 जम्मूतवी–कोलकाता एक्सप्रेस 08:44 बजे पहुंचकर 08:46 बजे रवाना होगी।

गंगा सतलुज एक्सप्रेस को भी राहत: इसके अलावा गाड़ी संख्या 13307 धनबाद–फिरोजपुर गंगा सतलुज एक्सप्रेस को भी अस्थायी ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन 22:52 बजे चिचाकी स्टेशन पहुंचेगी और 22:54 बजे आगे बढ़ेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 13308 फिरोजपुर–धनबाद गंगा सतलुज एक्सप्रेस 03:07 बजे पहुंचकर 03:09 बजे प्रस्थान करेगी। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था केवल निर्धारित अवधि के लिए की गई है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि यात्रियों की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

नालंदा में 5 साल के मासूम के साथ अप्राकृतिक यौनाचार

नालंदा। नालंदा जिले के सरमेरा थाना क्षेत्र में 5 साल के मासूम के साथ अप्राकृतिक यौनाचार का मामला सामने आया है। बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। आरोपी फिलहाल फरार है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पीड़ित बच्चे की मां ने बताया कि गुरुवार की शाम बेटा घर के पास ही खेल रहा था। इस दौरान गांव में रहने वाला युवक प्रहलाद ढाढ़ी(20) बिस्किट और चॉकलेट का प्रलोभन देकर खेत की ओर ले गया। जहां उसने वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद मौके से फरार हो गया। कुछ देर बाद मैं शौच के लिए खेत की ओर जा रही थी। इस बीच बच्चे के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। जिसके बाद उसके पास पहुंचे। रोते-बिलखती हुई उसने पूरी घटना बताई। तुरंत उसे सरमेरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां से प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टर ने बिहार शरीफ सदर हॉस्पिटल रेफर कर दिया।

आरोपी गांव से फरार: ग्रामीणों के मुताबिक आरोपी प्रहलाद ढाढ़ी गांव में ही रहता है। एक बच्चे का पिता है। खेती-बाड़ी का काम करता है। वारदात के बाद से ही कहीं नजर नहीं आ रहा है। गांव छोड़कर भाग गया है। वहीं, इस संबंध में सरमेरा थानाध्यक्ष साकेंद्र कुमार बिंद ने बताया कि पीड़ित बच्चे और उसकी मां के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बोधगया में निगमा मंदिर का उद्घाटन

राज्यपाल ने बुद्ध के शांति संदेश को बताया मानवता की राह

निज संवाददाता। बोधगयाजी

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शुक्रवार को विश्वप्रसिद्ध बोधगया में स्थित निगमा मंदिर का विधिवत उद्घाटन किया। मंदिर परिसर में पहुंचने पर धर्मगुरुओं ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच उनका पारंपरिक स्वागत किया। इस अवसर पर आध्यात्मिक वातावरण और श्रद्धा का विशेष दृश्य देखने को मिला।

उद्घाटन समारोह के बाद राज्यपाल ने संक्षिप्त संबोधन में बौद्ध दर्शन के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म शांति, करुणा और सह-अस्तित्व का संदेश देता है, जिसकी आज के समय में पूरी दुनिया को आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान दीपा ठाकुर ने संस्कृत भाषा में हृदय सूत्र का पाठ कर वातावरण को और भी आध्यात्मिक बना दिया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने भारत की समृद्ध बौद्ध विरासत पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत की इस विरासत को वैश्विक मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत किया गया है। प्रधानमंत्री के कथन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया को कभी युद्ध की राह नहीं दिखाई, बल्कि बुद्ध का मार्ग दिया है।

राज्यपाल ने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश ज्ञान, विवेक और करुणा का प्रतीक है। बुद्ध का दर्शन मानव को तृष्णा, दुख, अज्ञान, स्वार्थ, लालच और शत्रुता से मुक्ति की दिशा दिखाता है। यह मार्ग मानवता को प्रज्ञा, करुणा और शांतिपूर्ण जीवन की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने कहा कि बोधगया केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए शांति और सद्भाव का केंद्र है, जहां से मानवता के कल्याण का संदेश निरंतर प्रसारित होता रहा है।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा

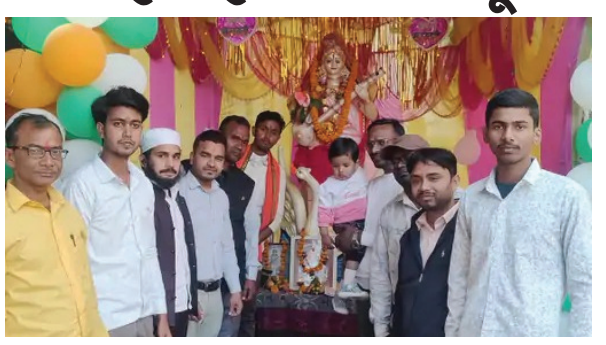

निज संवाददाता। बेलागंज, गयाजी

बेलागंज प्रखंड मुख्यालय के भवानी शंकर गली स्थित विद्या क्लासेस परिसर में विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। सरस्वती पूजा के अवसर पर कोचिंग संस्थान को आकर्षक रूप से सजाया गया था, जहां सुबह से ही छात्र-छात्राओं की भीड़ देखी गई। पूजा कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विधि-विधान से मां सरस्वती की आराधना की और विद्या, बुद्धि व सफलता की कामना की। पूजा के उपरांत सभी के बीच प्रसाद का वितरण किया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। इस मौके पर शिक्षक टीपू कुमार ने बताया कि विद्या क्लासेस में सातवीं से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों को हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में अनुभवी शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि संस्थान के विद्यार्थियों ने मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में कई बार प्रखंड स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने छात्रों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया और अनुशासन व निरंतर मेहनत के साथ लक्ष्य प्राप्ति की प्रेरणा दी। पूजा आयोजन में शिक्षक प्रमोद कुमार, नवीन कुमार, दीपक कुमार, सूरज कुमार, सनी कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बाराचट्टी में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

निज संवाददाता। बाराचट्टी, गयाजी

गया जिले के बाराचट्टी प्रखंड अंतर्गत भलूआचाटी गांव में शुक्रवार को महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने नेताजी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन देशभक्ति, त्याग, साहस और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

उन्होंने युवाओं से नेताजी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान "दिल्ली चलो" और "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा" जैसे गगनभेदी नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। समाजसेवी ब्रजेश कुमार वर्मा ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का संघर्ष आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी नेताजी ने देश की आज़ादी के सवाल पर कभी समझौता नहीं किया। उनका अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रप्रेम आज की पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, युवा और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने और देश सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।

बेलागंज में 'विकसित भारत 2047' चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

निज संवाददाता। बेलागंज, गयाजी

बेलागंज स्थित श्री अग्रवाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में महान स्वतंत्रता सेनानी पं. यदुनंदन शर्मा की जयंती के अवसर पर आयोजित 'विकसित भारत @ 2047' विषयक चित्र प्रदर्शनी सह जन-जागरूकता कार्यक्रम का समापन हो गया। इस आयोजन का संचालन केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रादेशिक कार्यालय पटना के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय गया द्वारा किया गया।

समापन समारोह में बेलागंज विधायक मनोरमा देवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी जब गांव, महिलाएं, युवा वर्ग और छात्र राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति की असली नींव ग्रामीण भारत से जुड़ी हुई है।

विधायक ने शिक्षा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समरसता को समग्र विकास की मजबूत धुरी बताते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में जागरूकता और सहभागिता बढ़ाना समय की जरूरत है। साथ ही उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी पं. यदुनंदन शर्मा के आजादी के आंदोलन में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए नई पीढ़ी से उनके आदर्शों को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए। गीत-नाटक विभाग के कलाकारों ने हिंदी और भोजपुरी भाषा में देशभक्ति तथा विकास आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। आयोजन में एक हजार से अधिक लोगों की सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने 'विकसित भारत @ 2047' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और उसे साकार करने का सामूहिक संकल्प लिया।

किशनगंज में अंतर-राज्यीय जाली लॉटरी गिरोह का भंडाफोड़, मास्टरमाइंड समेत पांच गिरफ्तार

निज संवाददाता। किशनगंज

शहर में लंबे समय से सक्रिय एक अंतर-राज्यीय जाली लॉटरी गिरोह के खिलाफ किशनगंज पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। कसेरा पट्टी रोड स्थित वार्ड संख्या-05 में सघन छापेमारी कर पुलिस ने गिरोह के सरगना मोहम्मद नसीम सहित पांच लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस दौरान करीब 16 लाख रुपये मूल्य की जाली लॉटरी टिकटें भी बरामद की गई हैं।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह संगठित गिरोह बिहार और पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में फर्जी लॉटरी टिकट छपवाकर उन्हें किशनगंज और आसपास के इलाकों में खपाता था। उन्होंने कहा कि यह नेटवर्क काफी बड़े पैमाने पर काम कर रहा था और इससे जुड़े कई अन्य लोगों की पहचान कर ली गई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 2 लाख 61 हजार 500 जाली लॉटरी कूपन जब्त किए, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत 16 लाख 7 हजार 500 रुपये बताई गई है। इसके अलावा लॉटरी बिक्री से जुड़ी 23 हजार 894 रुपये की नकदी, चार मोबाइल फोन और 38 डायरियां भी बरामद की गई हैं। इन डायरियों में अवैध लेन-देन और ग्राहकों से जुड़े अहम विवरण दर्ज पाए गए हैं, जो गिरोह के पूरे नेटवर्क की ओर इशारा करते हैं।

गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद नसीम, मोहम्मद शाकीर आलम उर्फ मुजेबुर रहमान, अली खान, सूरज कुमार गौड़ उर्फ छोटू और कृष्णा महतो उर्फ सन्नी कुमार शामिल हैं। सभी आरोपी सरल थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बिहार में लॉटरी अधिनियम 1993 के तहत लॉटरी की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है, इसके बावजूद सीमावर्ती जिलों में जाली टिकटों की तस्करी लगातार सामने आती रही है। उन्होंने साफ कहा कि अवैध लॉटरी, जुआ और संगठित अपराध से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और इस तरह के अपराधों के खिलाफ पुलिस का अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

सोनपुर में इंटर डिपार्टमेंटल एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू, रेलवे कर्मचारी दिखाएंगे खेल प्रतिभा

निज संवाददाता। सोनपुर

सोनपुर मंडल क्रीड़ा संघ की ओर से इंटर डिपार्टमेंटल एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन 22 जनवरी से रेलवे स्टेडियम, सोनपुर में किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 25 जनवरी तक चलेगी, जिसमें प्रतिदिन सुबह 9 बजे से विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाएं आयोजित होंगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ गुब्बारा उड़ाकर और मशाल जलाकर किया गया।

इस खेल आयोजन में पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल के अलग-अलग विभागों से जुड़े पुरुष और महिला रेलवे कर्मचारी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों में खेल भावना को बढ़ावा देना, छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाना और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। साथ ही, इस आयोजन के माध्यम से टीम भावना, आपसी सहयोग और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को भी मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रतियोगिता के तहत ट्रैक और फील्ड दोनों तरह की एथलेटिक्स स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। पुरुष और महिला वर्ग के लिए 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर और 800 मीटर दौड़ के अलावा डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, शॉटपुट, हाई जंप और लॉन्ग जंप जैसी स्पर्धाएं रखी गई हैं। इसके साथ ही 4×100 मीटर और 4×400 मीटर रिले दौड़ भी प्रतियोगिता का आकर्षण रहेंगी।

मंडल क्रीड़ा संघ ने बताया कि सभी स्पर्धाएं तय कार्यक्रम के अनुसार अलग-अलग दिनों में कराई जाएंगी, ताकि प्रतिभागियों को निष्पक्ष और समान अवसर मिल सके। पहले दिन ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं के साथ प्रतियोगिता की विधिवत शुरुआत की गई। इच्छुक रेलवे कर्मचारी रेलवे स्टेडियम, सोनपुर पहुंचकर समय से पहले अपना पंजीकरण भी करा रहे हैं।

मंडल क्रीड़ा संघ, सोनपुर का कहना है कि इस तरह के खेल आयोजनों से कर्मचारियों में नई ऊर्जा का संचार होता है और कार्यक्षमता में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। खेलों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना सोनपुर मंडल की प्राथमिकताओं में शामिल है। यह प्रतियोगिता न केवल प्रतिभाओं को मंच देगी, बल्कि आपसी सौहार्द और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी और मजबूत करेगी।

विश्वकर्मा पूजा में 2 भाइयों की मौत का मामला

रालोसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने मृतक के परिजनों से की मुलाकात, कहा- धैर्य बनाए रखें

निज संवाददाता। नालंदा

विश्वकर्मा पूजा के दौरान मूर्ति विसर्जन में दो युवाओं की मौत हुई थी। शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने के लिए राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा आज नालंदा के तेल्हाड़ा पहुंचे। गांव में मृतकों के परिजनों से मिलकर उन्होंने गहरी संवेदना व्यक्त की और इस कठिन घड़ी में धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया।

पुष्पांजलि अर्पित कर की प्रार्थना: तेल्हाड़ा पंचायत की मुखिया प्रतिमा देवी के दो बेटों राकेश कुमार और अंकित कुमार के तैलीय चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कुशवाहा ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। भावुक माहौल में उन्होंने मृतकों की माता मुखिया प्रतिमा देवी, पिता विद्युत कुमार और चाचा सुजित कुमार से मुलाकात की और परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उपेंद्र कुशवाहा ने परिजनों से बातचीत करते हुए कहा कि यह क्षति अपूरणीय है, लेकिन इस दुःख की घड़ी में परिवार को साहस और धैर्य के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी और उनका पूरा संगठन शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है।

दामोदर नदी में डूबने से हुई थी मौत: घटना विश्वकर्मा पूजा पर घटी थी, जब मूर्ति विसर्जन के दौरान झारखंड के बोकारो के फुसरो स्थित दामोदर नदी में राकेश कुमार और अंकित कुमार डूब गए थे। दोनों भाइयों की असामयिक मौत से न केवल परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी में जल स्तर अधिक होने और तेज धारा के कारण यह हादसा हुआ था।

पार्टी नेताओं ने दिया भरोसा: रालोसपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु पटेल, प्रदेश महासचिव भरत प्रसाद सिंह, जिलाध्यक्ष सोनू कुशवाहा, प्रखंड अध्यक्ष कुमार राज मनोरंजन, जिला उपाध्यक्ष सुबोध कुमार, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. रामचंद्र प्रसाद समेत दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे। सभी नेताओं ने एक स्वर में परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि पार्टी हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यदि परिवार को किसी भी प्रकार की सहायता की जरूरत होगी तो पार्टी संगठन तत्परता से आगे आएगा।

भारत-कोरिया संबंधों को मिलेगी नई धार, नालंदा विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता। नालंदा

प्राचीन नालंदा की भूमि पर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय शिक्षा और बौद्ध संस्कृति का संगम होने जा रहा है। आज दक्षिण कोरिया के प्रतिष्ठित डोंगकुक यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल का आगमन होगा, जो भारत-कोरिया शैक्षणिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

परंपरा और आधुनिकता का संगम: कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ होगा। इसके बाद नालंदा विश्वविद्यालय के छात्र बहुभाषी बुद्धवचन का पाठ करेंगे, जो न केवल नालंदा की वैश्विक अकादमिक विरासत का प्रतीक है, बल्कि बौद्ध दर्शन के माध्यम से एशिया के विभिन्न देशों को जोड़ने वाली सांस्कृतिक धारा को भी रेखांकित करता है। नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करेंगे। इस अवसर पर वंदनीय डोंक्वान और प्रोफेसर जे वूंग युन का विशेष संबोधन होगा, जिसमें दोनों विश्वविद्यालयों के साझा अकादमिक मूल्यों और भविष्य की सहयोग योजनाओं पर गहन चर्चा की जाएगी।

बौद्ध कला की अनूठी प्रदर्शनी: इस आयोजन की एक विशेष आकर्षण कोरियाई भिक्षु डोविंग की ओर से निर्मित थांगका चित्रकला और बौद्ध कलाकृतियों की प्रदर्शनी होगी। भिक्षु डोविंग इस अवसर पर मौजूद रहेंगे। अपनी कलाकृतियों के माध्यम से भारत

और कोरिया के बीच सांस्कृतिक सेतु का निर्माण करेंगे। यह प्रदर्शनी बौद्ध दर्शन की कलात्मक अभिव्यक्ति का एक दुर्लभ उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

व्यापक अकादमिक विमर्श: कार्यक्रम के दौरान दो समानांतर सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इन सत्रों में संस्थागत सहयोग के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी, जिसमें संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं, छात्र विनिमय कार्यक्रम, संकाय आदान-प्रदान और शैक्षणिक प्रस्तुतियां शामिल हैं। यह विमर्श दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग की नींव को और मजबूत करेगा।

पूर्व स्थापित साझेदारी का विस्तार: विशेष उल्लेखनीय है कि नालंदा विश्वविद्यालय और डोंगकुक यूनिवर्सिटी के बीच पहले से ही एक औपचारिक समझौता ज्ञापन विद्यमान है। यह भ्रमण उसी साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सुनियोजित कदम है।

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य: प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय, जो कभी एशिया का सबसे बड़ा शिक्षा केंद्र था, उसने चीन, कोरिया, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया के विद्वानों को आकर्षित किया था। आज का नालंदा विश्वविद्यालय उसी गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहा है। डोंगकुक विश्वविद्यालय के साथ यह सहयोग प्राचीन शैक्षणिक संबंधों को आधुनिक संदर्भ में नए सिरे से स्थापित करने का एक सार्थक प्रयास है।

संक्षिप्त समाचार

आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर श्रद्धांजलि

अररिया। महान क्रांतिकारी एवं आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती शुक्रवार को सहारा इंडिया समूह के द्वारा अररिया सिविल कोर्ट के पास सुभाष चौक पर स्थापित प्रतिमा स्थल पर समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन अररिया नगर परिषद की ओर से मुख्य पार्षद विजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई।जिसमें डीएम विनोद कुमार दूहन,एसपी जितेन्द्र कुमार,एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह,उप मुख्य पार्षद गौतम कुमार साह समेत अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ नगर परिषद के पार्षदों और शहर के प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद के मुख्य पार्षद विजय कुमार मिश्रा ने किया, जबकि संचालन सामाजिक कार्यकर्ता नरसिंह नयन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित डीएम,एसपी समेत अन्य ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तित्व और कृतित्व की चर्चा की और भारत का सच्चा सपूत करार देते हुए उनके जीवन से सिख लेने को प्रेरित किया।

शहरी और ग्रामीण इलाकों में सरस्वती पूजनोत्सव की रही धूम

अररिया। विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा की शहरी और ग्रामीण इलाकों में धूम रही। सुबह से ही विभिन्न पूजा समिति के साथ शैक्षणिक संस्थानों और घरों में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई। सबसे ज्यादा उत्साह स्कूली बच्चों और युवाओं में देखा गया।सुबह से ही स्कूली बच्चे और युवा स्नान कर नए परिधानों में मां सरस्वती की आराधना में जुट गए। खुद से पूजा पंडाल का निर्माण कर अपने कल्पनाशीलता के आधार पर युवाओं ने साज सज्जा कर मां शारदे की प्रतिमा को स्थापित किया और श्रद्धा भाव के साथ पूजा आराधना की। शहर के हरेक गली मुहल्ले से लेकर ग्रामीण इलाकों में मां सरस्वती की आराधना और स्तुति से वातावरण गुंजायमान रहा।युवाओं और बच्चों ने रातभर जागकर पूजा पंडाल को अंतिम रूप देने के साथ ही उनके साज सज्जा में लगे रहे। शिल्पकारों के पास से रातभर पूजा समिति और शैक्षणिक संस्थानों के सदस्यों का प्रतिमा ले जाने का सिलसिला जारी रहा। मां शारदे और वीणावादिनी के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। बसंत पंचमी के मौके पर कई पूजा समिति की ओर से भजन और संस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विविध प्रकार के बच्चों के बीच प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।जिसमें बच्चों और छात्र छात्राओं ने बढ़ चढकर भाग लिया।

लायंस डायलिसिस सेंटर को मिला पांचवां डायलिसिस मशीन

अररिया। फारबिसगंज लायंस नेत्रालय परिसर स्थित लायंस डायलिसिस सेंटर में डायलिसिस के लिए पांचवां मशीन का शुभारंभ गुरुवार देर शाम किया गया।यह मशीन बिहार स्वास्थ्य सेवा के सेवानिवृत निदेशक एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के फारबिसगंज शाखा के अध्यक्ष लायन डॉ एम पी गुप्ता की ओर से प्रदान किया गया। मौके पर सेवानिवृत सिविल सर्जन लायन डॉ हरिकिशोर सिंह ने भी लायंस डायलिसिस सेंटर को अपनी ओर से छठा डायलिसिस सेंटर भेंट करने की घोषणा की,जिसका स्वागत मौजूद लायंस क्लब के सदस्यों ने किया। मौके पर लायंस क्लब के प्रमुख डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि ढाई साल के दौरान लिंक्स डायलिसिस सेंटर में 55 सौ से ज्यादा डायलिसिस किया गया है।प्रत्येक माह आयुष्मान भारत के तहत के तहत 400 डायलिसिस सेंटर में किया जाता है। उन्होंने बताया कि फारबिसगंज लायंस क्लब लगातार आगे बढ़ रहा है।अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में लायंस चिल्ड्रन पार्क के साथ लायंस नेत्रालय,लायंस डायलिसिस सेंटर और लायंस ब्लड बैंक के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा में तल्लीन है।नेत्र जांच को लेकर कई स्थानों पर कैंप कार्यालय स्थापित है तो ग्रामीण इलाकों में कैंप लगाकर सेवा प्रदान करने का काम कर रहा है।

सरस्वती पूजा को लेकर अनुमंडल प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

अररिया। विद्या की देवी मां सरस्वती पूजनोत्सव को लेकर फारबिसगंज अनुमंडल प्रशासन की ओर से गुरुवार देर शाम शहर में फ्लैग मार्च किया गया।फारबिसगंज थाना परिसर से निकला फ्लैग मार्च शहर के पटेल चौक,स्टेशन चौक सदर रोड होते हुए पोस्ट ऑफिस चौक तक गई। फ्लैग मार्च की अगुवाई फारबिसगंज अनुमंडल पदाधिकारी रंजीत कुमार रंजन,एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा और थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह कर रहे थे।फ्लैग मार्च में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और पुलिस बल मौजूद थे। मौके पर एसडीएम रंजीत कुमार रंजन ने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से सांप्रदायिक सौहार्द्र के साथ पूजा संपन्न कराने को लेकर अनुमंडल प्रशासन कटिबद्ध है।विधि व्यवस्था संधारण को लेकर फ्लैग मार्च किया गया है।उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान डीजे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है।उपद्रवी तत्वों पर खास नजर रखी जाएगी।साथ ही शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे से पूजा समारोह का मॉनिटरिंग की जाएगी। एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने पूजा पंडालों के साथ शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है।जो यातायात व्यवस्था के साथ ही शहर की गतिविधियों को कंट्रोल रूम को जानकारी देगी।अनुमंडल स्तर पर फारबिसगंज में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है,जहां चौबीसों घंटे मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके अलावा किसी भी आपातकाल स्थिति से निबटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम का गठन किया गया है,जो किसी भी सूचना पर मौका ए वारदात पर पहुंचने का काम करेगा।

पूर्व विधायक के भाई का ट्रैक्टर चोरी

मुंगेर। मुंगेर के तारापुर में पूर्व जदयू विधायक राजीव कुमार सिंह के भाई संजय सिंह का ट्रैक्टर चोरी हो गया। यह घटना बुधवार की मध्य रात्रि को परसा स्थित उनके आवास के सामने सड़क किनारे से हुई। चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके फुटेज सामने आए हैं। संजय सिंह, जो पूर्व जिला पार्षद और वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि भी हैं, का स्वराज कंपनी का ट्रैक्टर अज्ञात चोरों ने चुरा लिया। तारापुर क्षेत्र में वाहन चोरों की सक्रियता लगातार बढ़ रही है, जिससे अब राजनीतिक परिवारों को भी निशाना बनाया जा रहा है।

निजी प्रयासों से ट्रैक्टर की खोजबीन कर रहाः संजय सिंह के अनुसार, बुधवार देर रात दो अज्ञात व्यक्ति उनके घर के सामने खड़े ट्रैक्टर को पश्चिम दिशा की ओर ले जाते हुए सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिए। फुटेज के आधार पर वे अपने स्तर पर ट्रैक्टर की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में तारापुर थाना में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। परिवार पहले अपने संपर्कों और निजी प्रयासों से ट्रैक्टर की खोजबीन कर रहा है। इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब प्रभावशाली राजनीतिक परिवार भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लोगों ने क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस से रात्रि गश्ती बढ़ाने और विधि-व्यवस्था को और सख्त करने की मांग की है।

दीक्षा संस्कार जैन परंपरा में त्याग-संयम और तपस्या का प्रतीक

मुंगेर। मुंगेर नगर भवन परिसर में चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव का शुक्रवार को चौथा दिन था। इस अवसर पर 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में जैन धर्मगुरु आचार्य प्रमुख सागर महाराज एवं उनके शिष्यों द्वारा दीक्षा संस्कार संपन्न कराया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। यह दीक्षा संस्कार जैन परंपरा में त्याग, संयम और तपस्या का प्रतीक माना जाता है। सुबह से ही नगर भवन परिसर में जैन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी, जिससे पूरा वातावरण भक्ति, मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों से गूंजता रहा।

बसंत पंचमी पर बेगूसराय के शिवालयों में उमड़ी भीड़

निज संवाददाता। बेगूसराय

बसंत पंचमी के मौके पर शुक्रवार को बेगूसराय शहर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। मां सरस्वती की पूजा के साथ-साथ आज महादेव के जलाभिषेक का भी विशेष महत्व देखा गया। जिले के प्रसिद्ध सांख धाम समेत तमाम शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ जुटी हुई रही। लोग पूजा-अर्चना में तल्लीन दिखे। बेगूसराय के सांख धाम में अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिली। मान्यता है कि बसंत पंचमी के दिन महादेव का गुलाल और गंगाजल से अभिषेक करने पर विशेष फल की प्राप्ति होती है। इसको लेकर श्रद्धालुओं ने गंगा जल लाकर बाबा भोलेनाथ पर अर्पित किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर कमेटी और स्थानीय पुलिस प्रशासन मुस्तैद दिखी। श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से गर्भगृह में प्रवेश दिया गया।

मंदिरों में श्रद्धालुओं, स्कूलों में छात्रों की जुटी भीड़ः एक तरफ जहां शिवालयों में घंटे-घड़ियाल गूंजे, वहीं दूसरी ओर शिक्षण संस्थानों और पूजा पंडालों में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई। बेगूसराय में एक हजार से अधिक जगहों पर प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना किया गया। विभिन्न जगहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है, जगह-जगह पर भव्य पंडाल बनाए गए हैं। इधर, बसंत पंचमी पर्व के अवसर पर जिले में विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। जिले के सभी संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्रों में दंडाधिकारियों एवं पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है, जिससे पर्व का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

धूमधाम से मनाई जा रही है सरस्वती पूजा

निज संवाददाता। भागलपुर

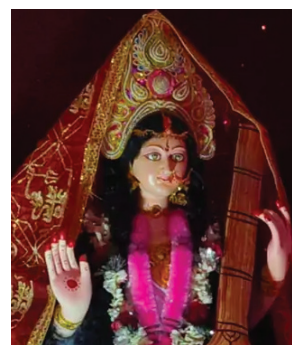

भागलपुर शहर में TNB कॉलेज गर्ल्स हॉस्टल में विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाई जा रही है। ग्रेजुएशन, पीजी और केमिस्ट्री विभाग की सैकड़ों छात्राएं समारोह में शामिल रहीं। पूजा परिसर पूरी तरह भक्तिमय माहौल में नजर आया। जहां जयघोष, मंत्रोच्चार और मां सरस्वती की वंदना गूंजती रही। हॉस्टल परिसर में मां सरस्वती प्रतिमा की स्थापना की गई है। पूजा-अर्चना वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुई, जिसे पलटू पंडित ने विधिवत रूप से कराया। पंडित ने बताया कि यह परंपरा वर्ष 2014 से लगातार चली आ रही है। हर साल भव्य आयोजन किया जाता है। पूजा के दौरान छात्राओं ने मां सरस्वती से ज्ञान, विवेक और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पूरा माहौल भक्तिमय हो गया हैः हॉस्टल को फूलों, लाइटिंग और रंग-बिरंगी सजावट से सजाया गया था, जिससे पूरा परिसर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रंग में रंग गया। छात्राओं ने सामूहिक रूप से भक्ति गीत और सरस्वती वंदना भी प्रस्तुत की। रोशनी, काजल कुमारी, नेहा कुमारी, रेशम कुमारी और दिव्या कुमारी समेत अन्य छात्राएं पूजा-अर्चना में मौजूद रहीं। नेहा ने बताया कि सरस्वती पूजा न सिर्फ धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह आपसी एकता और सांस्कृतिक जुड़ाव का भी प्रतीक है।

जिले भर में सरस्वती पूजा की धूमः जिले के अलग-अलग इलाकों में भी सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाई जा रही है। कॉलेज, स्कूल, छात्रावासों और मोहल्लों में आकर्षक पंडाल बनाए गए हैं। कहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है, तो कहीं छात्र-छात्राएं मां सरस्वती की आराधना में लीन दिखाई दे रहे हैं। प्रशासन की ओर से भी शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

ट्रक को ओवरटेक करते समय ऑटो ने मारी टक्कर

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में आज ट्रक को ओवरटेक करते समय ऑटो की चपेट में आने से बाइक सवार पिता-बेटे घायल हो गए। घटना, जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जखबाबा स्थान के पास की है। दोनों पिता-बेटे बांका के राजौन से जगदीशपुर के रास्ते भागलपुर आ रहे थे। तभी जख बाबा स्थान के पास एक ट्रक जा रही थी। ट्रक को ओवरटेक करते समय ट्रॉली वाले टेंपो ने बाइक में टक्कर मार दी, जिसके बाद पिता-बेटे दोनों सड़क पर गिर गए। दोनों का दाहिना पैर टूट गया। राहगीरों ने घटना की जानकारी डायल-112 पुलिस की टीम को दी। सूचना के बाद डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। हादसे के बाद ऑटो ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

पिता-बेटे का दाहिना पैर टूटाः घायलों की पहचान राजौन के मालती निवासी बिंदेश्वरी शर्मा और उनके बेटे पंचू शर्मा के तौर पर हुई है। पंचायत के मुखिया प्रवीण सिंह ने बताया कि भूषण यादव ने घटना की जानकारी उन्हें दी। पंचायत के दो व्यक्ति सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। पांच मिनट के अंदर वे घटनास्थल पर पहुंचे और निजी गाड़ी से दोनों को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। जब वे घटनास्थल से निकल रहे थे, तभी डायल 112 की टीम पहुंची थी। दोनों पिता-बेटे का दाहिना पैर टूट गया है। घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है।

श्री लक्ष्मी नारायण मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी के चौथे वार्षिकोत्सव पर निकाली गई निशान शोभायात्रा

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज के श्री लक्ष्मी नारायण मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी का चौथा वार्षिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया।मौके पर ठाकुरबाड़ी परिसर से भव्य निशान शोभायात्रा निकाली गई,जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं व पुरूषों ने भाग लिया।गाजे-बाजे के संग ठाकुरबाड़ी परिसर से निकली निशान शोभायात्रा, स्टेशन चौक,सदर रोड़, पोस्ट ऑफिस चौक, गोढियारी रोड़, एसके रोड़, छुआपट्टी,धर्मशाला चौक होते हुए पुनः मंदिर परिसर में आकर समाप्त हुई। मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में महिलाओं ने एकजुटता के साथ बाबा श्री श्याम प्रभु,श्री राणी सती दादी,श्री सालासर हनुमान जी का निशान लेकर नगर भ्रमण किया। इस मौके पर मंदिर के पुजारी पंड़ित अभिषेक दुबे,पंड़ित अनिल पांडेय, पंचानंद पांडेय के द्वारा मंदिर में स्थापित समस्त देवी देवताओं की प्रतिमाओं की पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर पूरे मंदिर परिसर को भव्य तरीके से सजाया गया। अखंड ज्योत व दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इधर शोभायात्रा में शामिल भक्तों के द्वारा जहां एक तरफ बाबा श्याम का जयकारा लगता रहा,तो दूसरी और राणी सती दादी और सालासर बालाजी के भजनों पर भक्त नगर भ्रमण के दौरान झूमते नाचते गाते रहे। शोभायात्रा में शामिल भक्तों के जयकारों से पूरा शहर गुंजायमान हो गया। इस संबंध में मंदिर के व्यवस्थापक पवन शर्मा,पवन अग्रवाल और जय कुमार अग्रवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि ठाकुरबाड़ी के जीणोद्धार उपरांत श्री श्याम बाबा,राणी सती दादी ,सालासर बालाजी, माता दुर्गा ,गणेश जी महाराज सहित अन्य देवी देवताओं की गई प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा का चौथा वार्षिकोत्सव मनाया जा रहा है। जिसको लेकर मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों का जनसैलाब उमड़ रहा है। दिनभर धार्मिक अनुष्ठान जारी है। संध्याबेला में आमंत्रित भजन गायकों द्वारा भक्तों पर भजनों की अमृतवर्षा की जायेगी। महोत्सव के मौके पर बाबा श्याम को सवामणी का महाप्रसाद भी चढ़ाया गया। निशान शोभायात्रा में मंदिर के व्यवस्थापक पवन शर्मा,पवन अग्रवाल,नप की मुख्य पार्षद वीणा देवी,पार्षद बुलबुल यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण मौजूद रहे।

मुंबई के अभिनेता तैयार कर रहे बाल रंगमंच की टीम

निज संवाददाता। बेगूसराय

अभिनेता और निर्देशक गगन श्रीवास्तव इन दिनों बेगूसराय में बाल रंगमंच आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी के बाल-युवा कलाकारों को नाट्य प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। देश-विदेश में दो दशकों से अधिक के रंगमंच अनुभव के साथ उनका यह प्रयास स्थानीय प्रतिभाओं को सशक्त मंच और नई दिशा देने की ओर एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। गगन श्रीवास्तव का जन्म और प्रारंभिक रचनात्मक काम भोपाल में हुआ। वर्तमान में वे मुंबई में कार्यरत हैं। उन्होंने गोल्डस्मिथ्स यूनिवर्सिटी, लंदन; राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली और मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल से विधिवत रंगमंच प्रशिक्षण हासिल किया है। पिछले 20 साल में उन्होंने भारत और विदेश के कई वरिष्ठ और प्रतिष्ठित रंगमंच निर्देशकों के साथ काम किया है।

विजिटिंग फैकल्टी के रूप में भी दी सेवाः जिनमें पद्म भूषण स्व. केएन पनिक्कर, पद्मश्री नीलम मानसिंह चौधरी, फिरोज अब्बास ख़ान, अन्ना फर्स (लंदन) और मारियो बायजिनी (इटली) जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। गगन श्रिवास्तव एमपी स्कूल ऑफ़ ड्रामा और टैगोर यूनिवर्सिटी, भोपाल में अभिनय के विजिटिंग फैकल्टी के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें जर्जी ग्रोटोव्स्की, माइकल चेख़व और सैन्फ़र्ड माइस्नर की अभिनय पद्धतियों के साथ-साथ कलारीपयट्टू, योग और बुतोह जैसी शरीर-आधारित साधनाओं का गहन अनुभव है। 2018 से ये ट्रायल एंड एरर नामक अभिनेता प्रशिक्षण कार्यशाला का संचालन कर रहे हैं। जिसके माध्यम से कलाकारों में शारीरिक जागरूकता, संवेदनशीलता और मंच पर पूर्ण उपस्थिति विकसित की जाती है। अब तक देशभर में 1000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित कर चुके हैं, जिनमें से कई आज रंगमंच एवं सिनेमा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। बाल कलाकारों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए गगन श्रीवास्तव बताते हैं कि बच्चों के साथ काम करना उनके लिए मासूमियत के साथ फिर से जुड़ने जैसा रहा।

बच्चों में अद्भुत लगन-स्वाभाविकताः बच्चों में अद्भुत लगन, स्वाभाविकता, कच्चापन और ईमानदारी होती है। उनके भीतर कहानियों और कल्पनाओं का एक समृद्ध संसार मौजूद होता है, जिसे सही वातावरण और विश्वास मिलने पर वे स्वयं अभिव्यक्त कर देते हैं। इस प्रशिक्षण प्रक्रिया में नाटक केवल एक मंचीय प्रस्तुति नहीं, बल्कि बच्चों के अनुभवों, भावनाओं और कल्पनाओं का विस्तार बन गया। रिहर्सल के दौरान कलाकारों की ऊर्जा और सच्चाई ने मंच को जीवंत कर दिया और यह स्पष्ट हुआ कि जब बच्चों को खुला माहौल और भरोसा मिलता है। इसमें वे अपनी छिपी हुई असाधारण क्षमताओं को स्वयं उजागर कर देते हैं। बेगूसराय में बाल रंगमंच आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी के माध्यम से चल रहा यह नाट्य प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले के सांस्कृतिक परिदृश्य को नई ऊर्जा और पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गगन कहते हैं कि बाल रंगमंच के साथ सात साल पहले भी काम किया था, तो यही आर्टिस्ट थे और कुछ और भी लोग थे। गगन ने आगे बताया है कि फिगर आउट कर रहा हूं कि रूरल बॉडी और अर्बन बॉडी में क्या फर्क है। यहां के हिसाब से अपनी ट्रेनिंग को थोड़ा-थोड़ा चेंज भी कर रहा हूं। मैंने जो करवाया है ये बहुत जल्दी अडॉप्ट कर रहे हैं। समझ तो इन लोगों में बहुत है, जैसे-जैसे ट्रैवल करते जाएंगे, अलग-अलग तरह के नाटक, अलग-अलग तरह के निर्देशकों के साथ जब ये काम करेंगे तो इनका पोटेंशियल आगे बढ़ेगा। क्योंकि एक्सपोजर के ऊपर ही सारी चीजें डिपेंड करती हैं।

स्ट्रीट वेंडरों को बांटे क्रेडिट कार्ड

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर नगर परिषद सुल्तानगंज के सभागार में आज प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत ऋण और क्रेडिट कार्ड वितरण समारोह सह जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर सभापति राज कुमार गुड्डू ने की। स्ट्रीट वेंडरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत पात्र लाभुकों के बीच ऋण राशि का वितरण किया गया और क्रेडिट कार्ड दिया गया। कार्यक्रम में वाटर हेड संस्था के सहयोग से जल गुणवत्ता परीक्षण कार्यशाला सह संवाद कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ, जिसमें स्वच्छ और सुरक्षित जल के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। मंच पर यूको बैंक की मैनेजर निकिता कुमारी, वार्ड पार्षद संजय चौधरी, नवीन कुमार बन्नी, राधा देवी उपस्थित थे।

सभी लोगों से योजना का फायदा लेने की अपीलः नगर सभापति राज कुमार गुड्डू ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे दुकानदारों और फुटपाथ विक्रेताओं के लिए बेहद उपयोगी योजना है। योजना के माध्यम से लाभुक आत्मनिर्भर बन रहे हैं और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा पा रहे हैं। उन्होंने सभी पात्र लोगों से योजना का फायदा लेने की अपील की। यूको बैंक की मैनेजर निकिता कुमारी ने योजना के तहत मिलने वाले ऋण, क्रेडिट कार्ड और डिजिटल लेनदेन के फायदे के बारे में जानकारी दी। जल संवाद कार्यक्रम के दौरान वाटर हेड की ओर से जल की गुणवत्ता जांच, शुद्धिकरण और सुरक्षित जल उपयोग पर तकनीकी जानकारी दी गई।

किशोरी ने युवक को गिरफ्तार कराया

निज संवाददाता। बांका

बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र में एक किशोरी की शिकायत पर एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। युवक पर किशोरी से जबरन सिंदूर भरने, शादी से इनकार करने और दहेज मांगने का आरोप है। रजौन पुलिस ने शुक्रवार को यह कार्रवाई की। युवक ने इस आरोप को सरासर गलत बताया। जानकारी के अनुसार, रजौन थाना क्षेत्र की एक 17 वर्षीय किशोरी और बांका शास्त्री चौक निवासी 26 वर्षीय राजकुमार की शादी 22 सितंबर 2025 को तय हुई थी। किशोरी के मुताबिक, शादी तय होने के दौरान 1 लाख 40 हजार रुपए दहेज के रूप में दिए गए थे।

परिजनों ने 5 लाख कैश मांग कर दीः हालांकि किशोरी के अनुसार,शादी तय होने के एक सप्ताह बाद ही युवक और उसके परिजनों ने 5 लाख रुपये नकद,सोने की अंगूठी और चेन की मांग शुरू कर दी। यह शर्त रखी गई कि मांग पूरी होने पर ही शादी होगी।किशोरी ने आरोप लगाया है कि इस दौरान युवक लगातार मोबाइल फोन पर उसके संपर्क में रहा और उसे अकेले भागलपुर मिलने के लिए बुलाता रहा।

जबरन भागलपुर चलने का दबाव बनायाः करीब 20 दिन बाद युवक ने ऑनलाइन माध्यम से ली गई राशि वापस कर दी और शादी से इनकार कर दिया।इसके बाद 21 जनवरी 2026 को युवक ने किशोरी को खैरा मोड़ पर मिलने के लिए बुलाया। वहां उसने कथित तौर पर किशोरी की मांग में सिंदूर भर दिया और कहा कि जब 5 लाख रुपए और सोने की चेन मिल जाएगी, तभी वह उसे अपने साथ रखेगा। युवक पर जबरन भागलपुर चलने का दबाव बनाने का भी आरोप है। घटना के दौरान जब युवक वहां से जाने लगा, तो किशोरी ने उसकी बाइक पकड़ ली,जिससे मौके पर हंगामा हो गया। आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।ग्रामीणों ने दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया।

याद किए गए नेताजी सुभाष चंद्र बोस

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में श्रद्धा और उल्लास के साथ स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर शहर के हृदय स्थल सुभाष चौक पर कार्यक्रम आयोजित किया। नेताजी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। एसपी मनीष, बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक और रिफाइनरी प्रमुख सत्य प्रकाश, डीडीसी आकाश चौधरी, उप मेयर अनीता राय, पूर्व मेयर आलोक अग्रवाल, दिलीप कुमार सिन्हा और मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष मो. अहसन ने पुष्पांजलि अर्पित किया।

युवा वर्ग के लिए प्रेरणा स्त्रोतः मौके पर मौजूद अधिकारियों ने नेताजी के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत हैं। नेताजी ने न केवल देश के अंदर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की आजादी के लिए समर्थन जुटाया। जो उनके अदम्य साहस और कूटनीतिक कौशल का प्रमाण है। नेताजी का अनुशासन और राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण बेमिसाल था। नई पीढ़ी को अपने नायकों के बलिदान से अवगत कराना है। आज भी युवा वर्ग में विचारों की कमी नहीं है, लेकिन इस विचार जगत में क्रांति के लिए एक ऐसे आदर्श को सामने रखना होगा, जो बिजली की तरह हमारी शक्ति, आदर्श और कार्ययोजना को मूर्तरूप दे सकें। इस अवसर पर जिला भर में विभिन्न संघ-संस्थाओं ने भी अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए। जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धापूर्वक याद किया गया है। लोगों ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मना रहे हैं। प्रण कर रहे हैं कि उनके विचारों-संस्कारों को आत्मसात कर समाज और अपने राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

ईरान में बढ़ता संकट, भारत की चिंता बढ़ी

ईरान संकट गहरा गया है। अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने के बीच उसने व्यावसायिक विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं। मंगलवार को ट्रंप ने ईरान को धमकी दी की अगर हमारा कहा नहीं माना तो नामोनिशान मिटा देंगे। भारत के लिए यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अमेरिका के साथ ईरान की कटुता को देखते हुए साफ है कि वहां के हालात बदतर होते गए हैं।ऐसे में नई दिल्ली ने अपना राजनयिक दृष्टिकोण सतर्क और व्यावहारिक रखा। भारत ने ईरान के राजनीतिक नेतृत्व के साथ संपर्क बनाए रखा, ताकि रणनीतिक सहयोग को अल्पकालिक उथल-पुथल से बचाया जा सके। अब जबकि हालात बेकाबू हो रहे हैं, वहां फंसे दस हजार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।विदेश मंत्रालय का कहना है कि उनके अधिकारी विभिन्न इलाकों में जाकर भारतीयों से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें निकालकर स्वदेश लाने पर काम हो रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वहां से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी पूरी है और शुक्रवार को पहला जत्था भारत पहुंच जाएगा। ईरान में सत्ता प्रतिष्ठान जनता और सूचना दोनों पर नियंत्रण खोने से चिंतित है। न सिर्फ नागरिकों का सवाल है, वहां के पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंता हर तरह से बढ़ा दी है। भारत की सबसे बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना है, जिसमें उसने करोड़ों डालर का निवेश किया है। यह परियोजना पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार का काम करती है। ईरान में लंबे समय से जारी अस्थिरता इस परियोजना की समयबद्धता और रणनीतिक महत्त्व को खतरे में डालती है, विशेष रूप से चाबहार-जाहेदान रेलवे लाइन को।अशांत माहौल चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर भी दे सकता है, जिससे भारत की क्षेत्रीय और समुद्री स्थिति पर सवाल खड़े हो सकते हैं। क्षेत्रीय समीकरण के अलावा भारत के ऊर्जा हित भी दांव पर हैं, क्योंकि ईरान में राजनीतिक उथल-पुथल क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों को बाधित कर सकती है।

लाचार व्यवस्था या संवेदनहीन प्रशासन

हादसे किसी चूक का नतीजा हो सकते हैं, लेकिन यह संभव है कि इसकी पृष्ठभूमि में ऐसी व्यवस्थागत लापरवाहियां हों, जिनकी आमतौर पर अनदेखी कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 150 में शनिवार तड़के घने कोहरे के कारण एक कार पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गई। इस हादसे में सत्ताईस वर्षीय युवक की जान चली गई।इसे रोजाना होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की तरह देखा जा सकता है, लेकिन हादसे के बाद युवक की मौत से पहले जैसी स्थिति सामने आई, उससे साफ है कि आपात स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया देने के लिए गठित तंत्र किस दुर्दशा और लापरवाही का शिकार है। इससे ज्यादा अफसोसनाक और क्या हो सकता है कि पानी से भरे गड्ढे में अपनी कार के साथ फंसा एक युवक करीब डेढ़ घंटे तक मोबाइल की रोशनी के साथ जान बचा लेने की गुहार लगाता रहा और मौके पर मौजूद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल तथा दमकल विभाग का दल वहीं खड़ा अपनी लाचारगी का रोना रोता रहे। खबरों के मुताबिक, बचाव दल के पास तैराक और पर्याप्त वैकल्पिक संसाधन नहीं थे। जाहिर है, युवक की मौत की मुख्य वजह हादसे के बजाय संबंधित महकमों की घोर लापरवाही, बचाव दल की अक्षमता और अपर्याप्त संसाधन थी। यह कल्पना भी तकलीफदेह है कि किसी आपदा या आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के साथ ज्यादा से ज्यादा इंसानी जान को बचाने के लिए गठित दलों की मौजूदगी के बावजूद एक युवक की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के बाद ऐसे आरोप भी सामने आए कि कुछ दिन पहले वहां एक ट्रक भी हादसे का शिकार हुआ था। वहां इसी तरह की दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई थी और स्थानीय लोगों ने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग भी की थी। मगर किसी भी जिम्मेदार अधिकारी और विभाग को इसकी जरूरत महसूस नहीं हुई कि वहां मजबूत घेरा और जोखिम के मद्देनजर संकेतक लगवा दिया जाए।अब सरकार ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को हटाने और घटना की जांच के लिए एक विशेष टीम गठित करने का आदेश दिया है।

ऐसे समय में बंगाल की जनता के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग होना अनिवार्य है। यह राज्य केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि उसकी अस्मिता उसकी बौद्धिक परंपरा, भावनात्मक संवेदनशीलता, धार्मिक सहअस्तित्व, आध्यात्मिक खोज और समृद्ध साहित्यिक विरासत से निर्मित है-रवींद्रनाथ से विवेकानंद तक की धरोहर इसे दिशा देती रही है। दंगों, हिंसा और भय के साए में इस अस्मिता पर जो दाग लगे हैं, उन्हें मिटाने का मार्ग शांतिपूर्ण, जागरूक और निर्भीक लोकतांत्रिक सहभागिता से ही निकलेगा।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

(ललित गर्ग)

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक 'खेला होगा' के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी। एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए। भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है। महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बंगाल की जनता के हाथ में है। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रूवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न, विपक्षी आवाज़ों का दमन और चुनावी हिंसा की घटनाएँ राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करती हैं। इसके साथ ही, राज्य में सामाजिक ताने-बाने को लेकर बढ़ती आशंकाएँ भी कम चिंताजनक नहीं हैं। अनेक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक संबंधों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं; विशेषकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना ने जनमन को आहत किया है। इन घटनाओं और धारणाओं ने जनता के भरोसे को कमजोर किया है और शासन के प्रति निराशा को बढ़ाया है।

डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक ब्लैकमेलिंग का वैश्विक फलाफल

(कमलेश पांडे)

देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियां नाटो पर दबाव बढ़ा रही हैं, खासकर ग्रीनलैंड विवाद और रक्षा खर्च मांग के माध्यम से। इसके वैश्विक दुष्प्रभाव या असर को समझते हुए ही अमेरिका ने पश्चिमी गोलार्द्ध में खुद को मजबूत करने के लिए बेनेजुएला सम्प्रभुता तहस नहस कांड कांड जैसा दुस्साहस दिखाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीतिक रणनीति, विशेष रूप से टैरिफ़ और क्षेत्रीय दावों के माध्यम से, उनके मित्र देश रह रह कर परेशान हो उठते हैं। जबकि अमेरिका के शत्रु देश उनको आंख दिखाकर अपनी मनवाने से भी नहीं चूकते, खासकर चीन, रूस और ईरान जैसे दबंग देश। इससे जहां वैश्विक कूटनीति चौराहे पर खड़ी प्रतीत होती है, वहीं उनकी ढुलमुल नीति व्यापार को गहराई से प्रभावित कर रही है। यही वजह है कि यूरोपीय देश, जापान, भारत आदि अंदर से बेचैन हैं। सच कहूं तो राष्ट्रपति ट्रंप का यह अव्यवहारिक व मतलबपरस्त रुख आर्कटिक सुरक्षा, नाटो एकता और बहुपक्षीय व्यापार नियमों को खुली चुनौती दे रहा है। सबसे पहले इसी कसौटी पर यूरोप व नाटो देशों से जुड़े ग्रीनलैंड विवाद को समझते हैं, जहां ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की मांग क्या रख दी, उनके इस अटपटी सोच से उनके मित्र भी बौखलाहट दिखाने लगे। जिससे परेशान अमेरिका ने सहयोगी से विरोधी बन रहे आठ यूरोपीय देशों (डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी आदि) पर 10 प्रतिशत टैरिफ़ लगाने की धमकी दी है, जो जून 2026 तक 25प्रतिशत हो सकता है। यही वजह है कि यूरोपीय नेता जैसे स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन और नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री डेविड वैन वील ने सहयोग की बजाय संवाद पर जोर देते हुए इसे स्पष्ट 'ब्लैकमेल' करार दिया। वहीं, नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने ट्रंप से बातचीत की पुष्टि की, लेकिन आर्कटिक क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई। जहां तक चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध की बात को इस ब्लैकमेलिंग वाली कसौटी पर कसें तो प्रतीत होता है कि साल 2025 में ट्रंप द्वारा चीन पर 104व्व टैरिफ़ लगाने को चीन (बीजिंग) ने खुलकर 'ब्लैकमेलिंग' बताया और अंत तक लड़ने का वादा किया। चीनी पीएम ली कियांग ने इसे संरक्षणवाद का उदाहरण माना, और प्रतिक्रिया स्वरूप यूरोपीय संघ के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही। इससे वैश्विक शेयर बाजारों में मंदी की आशंका बढ़ी, क्योंकि अमेरिका ने 70+ देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ़ लागू किए। वहीं ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति का वैश्विक प्रभाव भी साफ दिख रहा है, क्योंकि उनकी इस रणनीति से नाटो जैसे गठबंधनों में दरार डाल पड़ने लगी है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता के संकेत भी मिलने लगे हैं, क्योंकि 1 फरवरी 2026 की डेडलाइन नजदीक है। यूरोप ने आपात बैठक बुलाई, जबकि भारत जैसे देश भी 26प्रतिशत से 50 प्रतिशत टैरिफ़ का सामना कर रहे हैं। इससे इनकी बेचैनी समझी जा सकती है। कुल मिलाकर, ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति सिर्फ अमेरिका-प्रथम नीति को प्राथमिकता देती है, लेकिन इससे बहुपक्षीय संस्थाओं के कमजोर होते चले जाने की आशंका भी निराधार नहीं है। देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियां नाटो पर दबाव बढ़ा रही हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5983

	3	6	9					
2				8				5
			1		6	8		
	2	7	4		1		9	
	1						4	
	4		2		8	7	3	
		2	8		5			
1				3				6
					9	2	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5982

7	6	2	3	1	9	4	8	5
9	4	3	5	8	6	7	1	2
5	8	1	7	2	4	6	9	3
6	3	4	9	7	5	1	2	8
1	9	7	8	3	2	5	6	4
2	5	8	4	6	1	3	7	9
3	2	5	1	9	7	8	4	6
8	1	9	6	4	3	2	5	7
4	7	6	2	5	8	9	3	1

वर्ग पहेली 5983

1	2	■	■	3		4	5	
6		7	■		■	8		
	■	9			■	10		
11	12		■	■	13	■		
■	14		15			16	■	
17		■		■	18		19	
	■	20			■	21		
	■	22		■	23			

संकेत: बाएं से दाएं
1. 30 मई 1987 को इसे भारत के राज्य का दर्जा मिला यह भारत का 26 वां राज्य बना (2)
3. 30 मई 1981 को हमारे देश के इस पडोसी राष्ट्र के राष्ट्रपति की उनके 8 सहयोगियों के साथ हत्या की गई (4)
6. विवाह के समय वधू का वर की अंगीकार करना (3)
8. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
9. कलंदर, बाजीगर (3)
10. दारचीनी जाति के पत्ते के मसाले जो तरकारी आदि में इस्तेमाल होते है (2)
11. मुस्लिमों की ईश प्रार्थना जो पांच वक्त की होती है (3)
14. निर्देशक महबूब खान की और नरगिस की यादगार भूमिका वाली फिल्म जिसमें सुनील दत्त, राजेंद्र कुमार भी थे (6)
17. षोषशी, किशोरी (2)
18. दक्षिणी अमेरिका का एक देश जिसकी राजधानी जॉर्ज टाउन है (3)
20. जल की बूंद, फुहार (3)
21. हिंदी व्याकरण में अन्य पुरूष (2)
22. नारी का अपभ्रंश (3)

ऊपर से नीचे
1. श्री वृंदावन का एक पर्वत के बारे में ऐसी प्रसिद्धि है कि एक बार बहुत अधिक वर्षा होने पर अपने भक्तों के रक्षार्थ श्रीकृष्ण ने इसे कनिष्ठिका उंगली पर उठाया था (4)
2. सप्ताह का दिन, प्रहार करने की क्रिया (2)
3. इस वाद्य का आविष्कार मतंग ने किया था (3)
4. ग्राम, गांव, ग्राम क्षेत्र (3)
7. किसी का नाम किसी बात आदि के लिए निश्चित कर लिया गया हो (4)
12. मुकदमा, माजरा, समस्या, घटना (3)
13. अविचल, जो हिल न सके (3)
15. समुद्र, रत्नखान (4)
16. खानाबदोश, पर्यटन प्रिय, घुमंतु (4)
17. भारत के प्रथम मुगल सम्राट (3)
19. वृथा, बेमतलब, व्यर्थ में (3)
20. सिलना, टांके लगाना, वक्षस्थल (2)

वर्ग पहेली 5982 का हल

ने	पा	न	ग	र	■	प	ना
क	ल	म	ल	■	भा	र	त
नी	■	क	त	र	■	वा	■
य	म	■	फ	त	ह	ना	मा
त	न	ख्वा	ह	■	व	■	या
■	मो	■	मी	जा	न	■	■
सा	ह	स	■	पा	■	शा	म
म	न	ही	म	न	■	ना	म

आज का राशिफल

मेष
आज महत्वाकांक्षी प्रकृति वाले जातकों के लिए दिन शुभ फलदायक रहेगा। यात्रा सामान्य लाभप्रद रहेगी। दोपहर बाद उच्च अधिकारी से वाद विवाद होने से कानूनी पक्ष नया मोड़ ले सकता है। सायंकाल के समय योजना पूर्ति से लाभ होगा। अतिथि आगमन से खर्च बढ़ने की संभावना नजर आ रही है। रात्रि के समय किसी मंगलमय समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं।

वृष
आज कार्यक्षेत्र में दिन थोड़ा परेशान करने वाला रह सकता है। ऐसे में अधिकारी से या व्यवसाय क्षेत्र में व्यापारी से अनबन हो सकती है। अपने कार्य कौशल से आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। घर गृहस्थी के उपयोग की कोई प्रिय वस्तु खरीदी जाएगी। शुभ व्यय भी होगा। दाम्पत्य जीवन में सरसता बनाए रखें, समाज में सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन
आज का दिन परिजन बिछोह से मन को दुखित करेगा। राजनीतिक गतिविधियों में भी रुकावट रहेगी। अपराह्न के बाद नवनिर्माण की रूपरेखा बनेगी। अच्छे और नेक काम करने से पुण्य मिलेगा और आपको मनचाही सफलता प्राप्त होगी।

कर्क
आज का दिन संपत्ति के देने वाले हैं। ऐसे में समाज में आपकी राज्य-मान-प्रतिष्ठा में निश्चित रूप से वृद्धि होगी। उत्तरदायित्व बढ़ने से कुछ असहज स्थिति उत्पन्न हो सकती है, घबराये नहीं। सायंकाल से लेकर रात्रि तक पुराने मित्रों के मिलन से मन प्रसन्न रहेगा, मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

सिंह
आज मंगल पारिवारिक अशांति तथा आस-पास के वातावरण को विपरीत बना सकता है। किन्तु आप अपने धैर्य और मृदु व्यवहार से वातावरण को हल्का करने में कामयाब होंगे। अपने प्रिय व्यक्ति की मदद करने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रात्रि का समय मनोविनोद में बीतेगा।

कन्या
आज सांसारिक सुख भोगों की वृद्धि कर रहा है। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। राज्य मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। सतर्क रहें।

तुला
आज का दिन भाग्योदय कारक है। ऐसे में जीवन साथी एवं व्यापार में साझेदारों का सहयोग मिलेगा। सत्कार्यों में रुचि बनी रहेगी। नौकरी पेशा वर्ग को उन्नति मिल सकती है। मन को शांति मिलेगी। अत्यधिक श्रम से थकान हो सकती है, सावधान रहें।

वृश्चिक
आज का दिन मिश्रित फलकारक रहेगा। समाज में स्वच्छ छवि का निर्माण होगा। चल रहे सम्यक कार्यों में सजगता बरतें। इस दौरान आपको पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। एकादश घर में मिथुन राशि का बृहस्पति उच्च फलकारक है। ऐसे में अवरोध-विरोध के बाद भी संकल्पित कार्य सिद्ध होंगे।

मकर
आज किसी नई डील से अचानक धन का लाभ होगा। घर में पत्नी या किसी संतान की अचानक तबीयत खराब होने से टेंशन हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करते समय या गाड़ी चलाते समय इसे अपने ऊपर हावी न होने दें। जोखिम के कामों से दूर रहें। सायंकाल से लेकर रात्रि तक किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। सतर्क रहें।

कुंभ
आज किसी महान सफलता का हर्ष होगा। बड़ी मात्रा में रुपया हाथ में आने से संतोष होगा। दिन के उत्तरार्ध में पिछले चार दिनों से पत्नी से चला आ रहा मन-मुटाव भी समाप्त हो जाएगा। कहासुनी को बातचीत से सुलझा लें। दोस्ती में किसी स्पेशल स्कीम का हिस्सा न बनें, जोखिम के कामों से दूर रहें। रात्रि का समय सैर सपाटे में व्यतीत करें। सायंकाल से रात्रि का समय भी मेल-मिलाप में बीतेगा।

धनु
आज लोगों का आधा दिन परोपकार करने में बीतेगा। दूसरों की सहायता करने से जो आत्म संतुष्टि आपको प्राप्त होती है। उसकी तुलना अन्य किसी सांसारिक सुख से नहीं हो सकती। ऑफिस में आपके अधिकारों में वृद्धि होने के कारण साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है। सायंकाल का समय देव दर्शन में व्यतीत होगा।

मीन
आज संतान पक्ष से संतुष्टि व हर्ष दायक है। खास तौर पर युवाओं के लिए दिन अच्छा रहेगा। जिन यंगस्टर्स ने अभी अपने कैरियर की शुरूआत की है, उन्हें आज अपने ऑफिस में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सायंकाल से रात्रि का समय भी मेल-मिलाप में बीतेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

ब्रिटेन की मंत्री सीमा मल्होत्रा से मिले सीएम हेमंत सोरेन, एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट पर मांगी मदद

रांची, एजेंसी। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन गुरुवार को आधिकारिक दौरे पर यूनाइटेड किंगडम (यूके) पहुंचे. वहां पर उन्होंने यूके गवर्नमेंट की पार्लियामेंटरी अंडर सेक्रेटरी फॉर इक्वलिटी एंड इंडो-पैसेफिक की मंत्री सीमा मल्होत्रा से मुलाकात की. इस मीटिंग में एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट, रिस्पॉन्सिबल माइनिंग, क्लाइमेट चेंजिंग, कल्चर और हेरिटेज कन्जर्वेशन जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई. दोनों पक्षों ने झारखंड और यूके के बीच लॉन्ग टर्म और प्रैक्टिल को-ऑपरेशन को मजबूत करने पर सहमति जताई.

मीटिंग में ओवरसीज स्टडी, डायरेक्शन, इंटर्नशिप, लीडरशिप डेवलपमेंट और पब्लिक सर्विस एक्सपीरियंस से जुड़े प्रोग्राम को आपस में जोड़ने के लिए एक क्लीयर एक्शन प्लान बनाने पर सहमति बनी. सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड के युवाओं को ग्लोबल लेवल के अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्रॉयरिटी है. यूके सरकार ने झारखंड की मरांग गोमके जयपाल मुंडा फॉरेन स्कॉलरशिप स्कीम और चेवनिंग मरांग गोमके जयपाल मुंडा फॉरेन स्कॉलरशिप स्कीम की सराहना की. इन्हें भारत-यूके को-ऑपरेशन का पावरफुल एक्जांपल बताया गया. बताया गया कि पिछले चार सालों में इन स्कीम्स से 100 से अधिक स्टूडेंट्स को फॉरेन में हायर एजुकेशन का बेनिफिट मिल चुका है.

मीटिंग में यूके के मेन यूनिवर्सिटीज, स्किल और एलिजिबिलिटी इंस्टीट्यूशंस के साथ इंस्टीट्यूशनल को-

ऑपरेशन की पॉसिबिलिटीज पर चर्चा की गई. माइनिंग टेक्नोलॉजी, क्लाइमेट स्टडीज और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के सेक्टर में ज्वाइंट एजुकेशनल प्रोग्राम, टीचर्स के आदान-प्रदान और ट्रेनी रूट डेवलप करने पर जोर दिया गया. सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि अगर झारखंड के टेक्निकल इंस्टीट्यशंस और यूके के यूनिवर्सिटीज मिलकर काम करें, तो स्टेट के स्टूडेंट्स को वर्ल्ड लेवल ट्रेनिंग और रिसर्च का मौका मिलेगा, जिससे स्टेट की ह्यूमन रिसोर्स कैपिसिटी होगी.

इकोनॉमि और क्लाइमेट को-ऑपरेशन के बारे में सीएम हेमंत सोरेन ने रिस्पॉन्सिबल माइनिंग के सेक्टर में यूके की एक्सपर्टीज के साथ क्लोज को-ऑपरेशन का प्रपोजल रखा. इसमें एन्वायरमेंटल, सोशल और एडमिनिस्ट्रेटिव स्टैंडर्ड सिस्टम, माइनिंग की पहचान और मॉनिटरिंग, माइन्स सिक्योरिटी, क्लीन प्रोसेसिंग और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी परफॉर्मेंस शामिल हैं. मीटिंग में रिस्पॉन्सिबिल क्रिटिकल मिनरल्स पर एक झारखंड-यूके वर्किंग ट्रैक स्थापित करने पर भी चर्चा की गई. इसका मकसद स्टैंडर्ड को मजबूत करना, रिसर्च और डेवलपमेंट, इनोवेशन और सप्लाई चेन को-ऑपरेशन को मजबूत करना होगा. यह पहल झारखंड को फ्यूचर की ग्रीन इकोनॉमी के लिए तैयार करने की डायरेक्शन में अहम कदम मानी जा रही है.

मीटिंग में यूके की क्लाइमेट और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस के साथ मिलकर झारखंड के कोल सेक्टर के डायवर्सिफिकेशन, क्लाइमेट एडॉप्टेशन, लेबर्स और लोकल कम्यूनिटी के समर्थन के लिए ट्रांजिशन फाइनेंस स्ट्रक्चर डेवलप करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई. सीएम ने झारखंड को जस्ट ट्रांजिशन प्रोग्राम के लिए एक पायलट स्टेट के रूप में स्थापित करने का प्रपोजल रखा.

सीएम हेमंत सोरेन ने कल्चर, स्पोर्ट्स और हेरिटेज प्रीजर्वेशन को लोगों के बीच सीधे संपर्क और संबंध मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बताया. उन्होंने भारत-यूके हेरिटेज प्रीजर्वेशन एग्रीमेंट के तहत झारखंड के मेगालिथ और मोनोलिथ प्लेस के प्रीजर्वेशन में यूके से को-ऑपरेशन से रिक्वेस्ट किया. इन हिस्टोरिकल प्लेसेज को यूनेस्को से मान्यता दिलाने की दिशा में भी को-ऑपरेशन की डिमांड की गई. सीएम सोरेन ने कहा कि झारखंड की ओल्ड हेरिटेज न केवल स्टेट, बल्कि पूरी ह्यूमैन सिविलाइजेशन की धरोहर है.

संक्षिप्त समाचार

रांची की पूर्व मेयर रमा खलखो लड़ेंगी मेयर का चुनाव! प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को आवेदन देकर मांगी चुनाव लड़ने की इजाजत

रांची, एजेंसी। झारखंड में जल्द ही नगर निकाय चुनाव होने वाला है. यह चुनाव दलीय आधार पर नहीं होने वाला. बावजूद इसके राजनीतिक दल इस कोशिश में जुटे हैं कि चुनाव में उनके समर्थकों को ही जीत मिले. इस बीच रांची की पूर्व मेयर रमा खलखो ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को विधिवत आवेदन देकर रांची मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने की अनुमति मांगी है. इस दौरान कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर और प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी भी उपस्थित रहे. पूर्व मेयर रमा खलखो ने कहा कि रांची की जनता ने उनके मेयर का कार्यकाल देखा है, इसलिए जनता की चाहत है कि एक बार फिर वह मेयर बनें. रमा खलखो, रांची नगर निगम की पूर्व मेयर रह चुकी हैं. वर्ष 2008 में चुनाव जीतकर वह मेयर बनीं थीं. वर्तमान में महिला कांग्रेस की वह प्रदेश अध्यक्ष हैं. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को आवेदन देने के बाद रमा खलखो ने कहा कि रांची की जनता का दबाव है कि वह मेयर पद का चुनाव लड़ें. इसकी वजह भी है, जब वह रांची की मेयर थीं तब रांचीवसियों ने शहर का विकास देखा है. मेरे कार्यकाल के बाद के 10 वर्षों में रांची शहर का विकास रुक गया, अब रांची की जनता एक बार फिर रांची शहर का विकास चाहती है.

8 ट्रेनें टाटानगर स्टेशन के बजाय आदित्यपुर से चलेंगी

जमशेदपुर, एजेंसी। रेलवे प्रशासन ने यात्री सुविधा और संचालन को और अधिक सुगम बनाने के लिए टाटानगर से चलने वाली आठ प्रमुख ट्रेनों का टर्मिनल आदित्यपुर स्टेशन पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत 20816 विशाखापट्टनम-टाटाएक्सप्रेस अब विशाखापट्टनम-आदित्यपुर के रूप में 29 मार्च से चलेगी। ट्रेन का टाटा पर समय 6.40 बजे से घटाकर आदित्यपुर पर 6.35 बजे कर दिया गया है। वहीं, 20815 टाटा-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस 30 मार्च से आदित्यपुर से चलेगी, जिसका समय 7.25 बजे से बढ़ाकर 7.30 बजे किया गया है। इसके अलावा टाटानगर-धनबाद एक्सप्रेस (13301) 5 फरवरी से आदित्यपुर से दोपहर 12.05 बजे खुलेगी। धनबाद-टाटानगर एक्सप्रेस (13302) दोपहर 3.35 बजे आदित्यपुर पहुंचेगी। आसनसोल-टाटानगर(13512) 12.50 बजे आदित्यपुर पहुंचेगी।

टाटानगर-आसनसोल एक्सप्रेस(13511) दोपहर 1.25 बजेआदित्यपुर से खुलेगी। दोनों ट्रेनें 6 फरवरी से आदित्यपुर सेसंचालित होंगी। वहीं, हटिया-टाटानगर (68036) रात 11.35 बजे आदित्यपुर पहुंचेगी।टाटानगर-हटिया ट्रेन (68035)सुबह 6.35 बजे आदित्यपुर से खुलेगी।

गिरिडीह-डुमरी मार्ग पर दादी-पोता की मौत:तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से हादसा, परिवार में पसरा मातम

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह-डुमरी मुख्य मार्ग पर गुरुवार शाम को एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दादी और पोता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह हादसा पीरटांड़ थाना क्षेत्र के पांडेडीह गांव के पास हुआ, जब एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर पीरटांड़ थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, गिरिडीह भेज दिया।

मृतकों की पहचान पीरटांड़ थाना क्षेत्र के चम्पानगर निवासी 30 वर्षीय अनिल मुर्मू और उनकी 60 वर्षीय दादी माझली देवी के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों दूधीमाटी में रिश्तेदार के यहां से बाइक पर घर लौट रहे थे, तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

जमुआ-गिरिडीह मार्ग पर हादसा:बुढ़वा तालाब में पलटा ट्रक, चालक-खलासी फरार; कोई हताहत नहीं

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ। जमुआ-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर बुढ़वा तालाब के पास एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर तालाब में पलट गया। यह घटना सुबह करीब 5 बजे हुई। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह टहलने निकले लोगों ने बुढ़वा तालाब में एक ट्रक को पलटा हुआ देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर जमुआ थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही जमुआ थाना की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

चालक और खलासी की पहचान करने का प्रयास जारी: हादसे के बाद ट्रक का चालक और खलासी मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, ट्रक में लदी सामग्री, उसके आने और जाने का स्थान अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ट्रक के नंबर और अन्य सुरागों के आधार पर चालक और खलासी की पहचान करने का प्रयास कर रही है। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि ट्रक की रफ्तार तेज होने के कारण चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रक तालाब में जा पलटा। दुर्घटना के बाद ट्रक अभी भी तालाब में फंसा हुआ है, जिसे बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के इलाकों से लोगों की भीड़ बुढ़वा तालाब के पास जमा हो गई। पुलिस ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा।

मंत्रियों के कार्यकलापों से नाखुश हैं पांच कांग्रेसी विधायक, दिल्ली में के. राजू व वेणुगोपाल से मिले

रांची, एजेंसी। कांग्रेस के पांच विधायक एक साथ बुधवार को दिल्ली पहुंचे और पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की। इन विधायकों की अपनी पीड़ा और मांग है। विधायक राजेश कच्छप, भूषण बाड़ा, नमन विक्सल कोंगारी, सोनाराम सिंकू और सुरेश बैठा ने पहले इंदिरा भवन में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू से मुलाकात की। इसके बाद वे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांगठनिक मामलों के प्रभारी केसी वेणुगोपाल से मिले।

इन विधायकों ने राज्य में सरकार गठन के एक साल बाद भी बोर्ड-निगम के गठन नहीं होने का मुद्दा उठाया और इसके गठन कराने की मांग की। विधायकों की नाराजगी कांग्रेस कोटे के मंत्रियों को लेकर भी थी। पांचों विधायक गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करेंगे। मालूम हो कि कांग्रेस कोटे के मंत्रियों में डॉ। इरफान अंसारी,शिल्पी नेहा तिर्की, दीपिका पांडेय सिंह व राधाकृष्ण किशोर हैं। कांग्रेस विधायक दल के उपनेता व विधायक राजेश कच्छप ने बताया कि हमलोग नेता या मंत्री के पुत्र होकर विधायक नहीं बने हैं।

संगठन का दर्द बेहतर तरीके से समझते हैं।

विधायक दल का उपनेता होने की वजह से अगर कोई उनके पास पीड़ा लेकर आएंगे तो वे हमेशा विधायकों के साथ ही खड़े मिलेंगे। हमलोगों की प्राथमिकता संगठन है। विधायक मंत्रियों के कार्यकलाप से खुश नहीं हैं। इसकी समीक्षा होनी चाहिए और संभव हो तो फेरबदल होना चाहिए। विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने कहा कि यह विधायकों की नार्मल विजिट है।

संगठन समेत अन्य मुद्दों पर शीर्ष नेताओं से बात हुई है। पेसा नियमावली के बाद कई तरह की बातें हो रही हैं। इसलिए इस पर भी अपनी बातें रखी गई हैं। विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के समक्ष ज्यादातार बाते संगठन से जुड़ी हुई थी। संगठन को लेकर विधायकों की भी अपनी चिंताएं हैं, उससे आला नेताओं को अवगत कराया गया है। मंत्रियों के मुद्दे पर भी बातचीत हुई है।

हेमंत सोरेन को बताया ग्लोबल आदिवासी नेता, मधु कोड़ा ने उठाए सवाल

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दावोस यात्रा के बाद अब लंदन यात्रा और ऑक्सफोर्ड में व्याख्यान के लिए मिले आमंत्रण से झामुमो काफी उत्साहित है। पार्टी उन्हें ग्लोबल आदिवासी नेता के रूप में प्रचारित कर रही है। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता मधु कोड़ा इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अपने राज्य में आदिवासियों को सुरक्षा नहीं दे सकता, वह आदिवासियों का सबसे बड़ा नेता कैसे हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य मधु कोड़ा ने कहा कि वे नहीं मानते कि हेमंत सोरेन देश के आदिवासियों के एकमात्र बड़े नेता हैं। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले छह वर्षों से हेमंत सोरेन सत्ता में हैं, लेकिन राज्य में आदिवासी सुरक्षित नहीं हैं। सबसे अधिक हत्याएं आदिवासियों की हो रही हैं और उनकी जमीन भी हेमंत राज में सबसे ज्यादा लूटी जा रही है।

मधु कोड़ा ने कहा, 'जिस आदिवासी नेता के शासन में आदिवासी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो वह कैसे देश-विदेश का बड़ा नेता हो सकता है।' उन्होंने पेसा कानून की नियमावली बनाकर आदिवासियों से छल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे नेता को आदिवासियों का एकमात्र बड़ा, राष्ट्रीय और ग्लोबल नेता बताना हास्यास्पद है।

मुख्यमंत्री और झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन को एक स्थापित जनजातीय नेता बताते हुए झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि वे नहीं मानते कि मधु कोड़ा और चंपाई सोरेन जैसे नेता आदिवासी समुदाय के बड़े नेताओं में से एक हैं। मनोज पांडेय ने कहा, 'जनता किसी भी व्यक्ति को अपना नेता या अगुआ मानती और बनाती है।' उन्होंने आगे कहा कि जहां तक आदिवासियों के नेता की बात है, अब उनकी चर्चा राष्ट्रीय फलक पर नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय फलक पर हो रही है। ऑक्सफोर्ड से व्याख्यान का न्योता मिलना यह साबित करता है कि हेमंत सोरेन का राजनीतिक कद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है।

झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि अपनी विशाल सोच और समाज के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना से ही कोई नेता बड़ा कद वाला बनता है। चंपाई सोरेन ने जो भी मुकाम हासिल किया, वह झामुमो और शिबू सोरेन-हेमंत सोरेन की वजह से हासिल हुआ। आज वे भाजपा में जाकर मात्र एक विधायक हैं। मंच से भाजपा के वरिष्ठ नेता ही इशारों-इशारों में मधु कोड़ा, चंपाई सोरेन और बाबूलाल मरांडी को 'आया राम-गया राम' कहकर तंज कसने से नहीं चूकते।

झारखंड में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज व लैब को केंद्र की मंजूरी

रांची, एजेंसी। केंद्र सरकार ने झारखंड में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान की। इसके साथ ही राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों तथा रांची सदर अस्पताल में जापानी तकनीक आधारित अत्याधुनिक हाईटेक लैब स्थापित किया जाएगा। राज्य के मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस एवं पीजी सीटों में सीटों की वृद्धि की जाएगी। साथ ही राज्य के सभी जिलों में हेल्थ कॉटेज बनाया जाएगा।

इसके निर्माण के लिए केंद्र व राज्य के बीच 60:40 के अनुपात में वित्तीय सहयोग पर सहमति बनी। नई दिल्ली में गुरुवार को झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव के साथ बैठक में इन सारे प्रस्तावों को रखा। लगभग एक घंटे तक चली इस बैठक में झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं जनहितकारी बनाने को लेकर इन प्रस्तावों पर चर्चा हुई। केंद्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि सभी आवश्यक कागजी प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी कर केंद्र सरकार को भेजी जाएंगी।

मंत्री सुदिव्य ने युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ने पर दिया जोर

रांची, एजेंसी। लंदन प्रवास के दौरान झारखंड सरकार ने शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की। गुरुवार को आयोजित झारखंड-यूके उच्चस्तरीय राउंड टेबल संवाद में राज्य के युवाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने की रणनीति पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। बैठक की अध्यक्षता पर्यटन, युवा कार्य एवं उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार और अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल ने की। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि यह संवाद शिक्षा को रोजगार से और कौशल को अवसर से जोड़ने की सरकारी सोच को मजबूती देता है।

टाटानगर के बजाए आदित्यपुर से चलेंगी ये 4 ट्रेनें, चक्रधरपुर मंडल ने जारी किया आदेश

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटानगर रेलवे स्टेशन से चलने वाली चार जोड़ी ट्रेनें 29 जनवरी से आदित्यपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होंगी। रेलवे बोर्ड से स्वीकृति मिलने के बाद चक्रधरपुर मंडल ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। टाटानगर रेलवे स्टेशन पर लगातार भीड़ बढ़ती जा रही है। इसके अलावा यहां स्टेशन री-डेवलपमेंट का भी काम शुरू होना है। ऐसे में चक्रधरपुर मंडल मुख्यालय की ओर से रेलवे बोर्ड को एक प्रस्ताव भेजा गया था जिसमें आठ जोड़ी ट्रेनों को आदित्यपुर से चलने की अनुमति दी गई थी।

प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद अब 29 जनवरी से चक्रधरपुर मंडल इस दिशा में पहल कर रही है। इसमें आदित्यपुर से ट्रेनें शुरू होंगी और डाउन ट्रेन इसी स्टेशन पर आकर समाप्त हो जाएंगी।

रेल प्रशासन द्वारा की जा रही इस पहल से वैसे यात्री जो बर्माइंस, करनडीह, सरजामदा, बागबेड़ा सहित अन्य क्षेत्रों से इन ट्रेनों में सफर करते हैं उनकी परेशानी बढ़ जाएगी। उन्हें टाटानगर के बजाए आदित्यपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए आना होगा जिससे न सिर्फ उनका एक घंटे का समय बर्बाद होगा बल्कि आटो व टैक्सी किराया भी अधिक देना होगा।

तंत्र के गण: देशसेवा के लिए युवाओं को वर्दी तक पहुंचा रहे झारखंड के ये 'गुमनाम' जमीनी नायक

रांची, एजेंसी। झारखंड के अलग-अलग जिलों में कुछ ऐसे गुमनाम नायक हैं, जो बिना किसी सरकारी सुविधा, प्रचार या स्वार्थ के युवाओं को देशसेवा की राह पर आगे बढ़ा रहे हैं।

कहीं खेल का मैदान प्रशिक्षण केंद्र बन गया है, तो कहीं गांव की पाठशाला देशभक्ति की प्रयोगशाला। सीमित संसाधनों, निजी संघर्षों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद ये लोग युवाओं को सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लिए तैयार कर रहे हैं। कोडरमा के टेकलाल दास, लोहरदगा के मोगीश और लातेहार के दयामन भगत ऐसे ही जमीनी नायक हैं, जिनका सपना है कि कोई भी प्रतिभाशाली युवा संसाधनों के अभाव में पीछे न रह जाए।

कोडरमा। कोडरमा जिले के झुमरीतिलैया निवासी टेकलाल दास बीते करीब सात वर्षों से युवाओं को देशसेवा के लिए तैयार करने में जुटे हैं। झुमरीतिलैया के सीएच हाई स्कूल का मैदान उनके लिए सिर्फ खेल का मैदान नहीं, बल्कि देशसेवा की प्रयोगशाला है। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद वे प्रतिदिन 100 से अधिक युवाओं को दौड़, व्यायाम और कठोर शारीरिक प्रशिक्षण देते हैं।

बिना किसी शुल्क और स्वार्थ के टेकलाल दास अग्निवीर, भारतीय सेना, सीआईएसएफ, बीएसएफ, सीआरपीएफ समेत विभिन्न राज्यों की पुलिस और

अर्धसैनिक बलों की तैयारी कराते हैं। उनका फोकस सिर्फ शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि वे युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना भी विकसित करते हैं।

झारखंड होमगार्ड के जवान के रूप में सेवा दे रहे टेकलाल दास ड्यूटी के बाद भी मैदान में पहुंचते हैं। अब तक वे करीब 550 युवाओं को प्रशिक्षित कर चुके हैं, जिनमें से 200 से अधिक का चयन दारोगा, पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आर्मी, एयर फोर्स और नेवी में हो चुका है। कभी कम ऊंचाई के कारण स्वयं चयन से वंचित रहे टेकलाल दास आज अपने अनुभव से सैकड़ों युवाओं का भविष्य संवार रहे हैं।

कैरो (लोहरदगा)। लोहरदगा जिले के कैरो प्रखंड में मोगीश पिछले चार वर्षों से युवाओं और युवतियों को डिफेंस सेवाओं की तैयारी करा रहे हैं। प्रतिदिन 70 से 80 बालक-बालिकाओं को वे निश्शुल्क शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण देते हैं। दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, पुशअप, सिटअप जैसे अभ्यास के साथ अनुशासन, समय प्रबंधन और टीम भावना पर विशेष जोर दिया जाता है।

ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए महंगी कोचिंग एक सपना होती है। ऐसे में मोगीश इन युवाओं के लिए संबल बने हैं। उनका मानना है कि देशसेवा का जज्बा रखने वाला कोई भी युवा संसाधनों के अभाव में पीछे नहीं रहना चाहिए।

उनके प्रशिक्षण से अब तक कई युवा शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल हुए हैं, जबकि दो युवाओं का चयन भारतीय सेना में हो चुका है। प्रशिक्षण लेने वाले युवा बताते हैं कि मोगीश सिर्फ प्रशिक्षक नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं, जो असफलता से डरने के बजाय उससे सीखने की प्रेरणा देते हैं।

रांची और लातेहार जिले की सीमा पर स्थित सुदूर आदिवासी गांव ढोंटी में शिक्षक दयामन भगत बीते दो वर्षों से युवाओं को पुलिस और आर्मी के लिए तैयार कर रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने गांव में शिक्षा और अनुशासन की मजबूत नींव रखी है।

दयामन भगत प्रतिदिन बालक-बालिकाओं को निःशुल्क पढ़ाई कराते हैं।

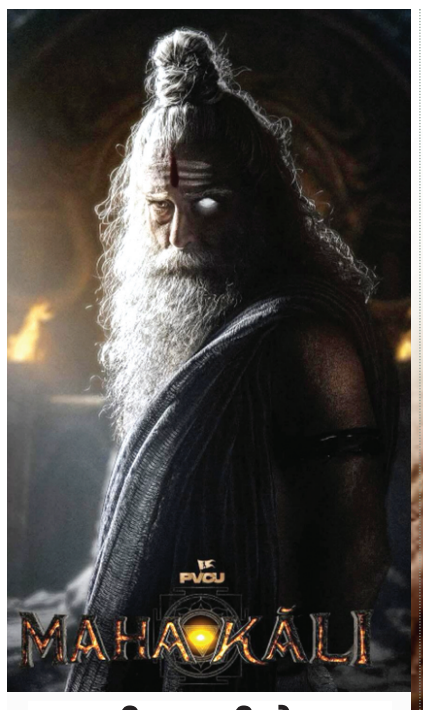

अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली में असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना की धुरंधर फिल्म में रहमान डकैत का किरदार बहुत शानदार रहा। इस रोल के बाद वह फिर से चर्चा में आ गए हैं। अब फैंस धुरंधर पार्ट 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें अक्षय फ्लैशबैक में नजर आ सकते हैं। धुरंधर की सफलता के बाद कई फिल्ममेकर उन्हें अपनी फिल्मों में अक्षय को लेना चाहते हैं। लेकिन अक्षय ने अभी अपनी अगली हिंदी फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। फिलहाल, वह अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस पौराणिक फिल्म में अक्षय असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं और यह प्रशांत वर्मा के सिनेमाई ब्रह्मांड का हिस्सा है। फिल्म में मुख्य भूमिका भूमि शेट्टी निभा रही हैं। अक्षय का शुक्राचार्य वाला पहला लुक पहले ही जारी हो चुका है, जिसमें वे लंबी सफेद दाढ़ी और प्रभावशाली लुक में दिख रहे हैं। यह लुक देखकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। कथित तौर पर महाकाली 2026 में रिलीज हो सकती है।

अक्षय की फिल्में

धुरंधर की आपार सफलता के बाद अक्षय को कई बड़े ऑफर मिल रहे हैं। उन्होंने दृश्यम 3 को छोड़ दिया है, जिसमें वे पहले जांच अधिकारी का रोल निभा चुके हैं। 2025 में अक्षय ने छावा में औरंगजेब का किरदार और धुरंधर में रहमान डकैत के किरदार में खूब वाहवाही बटोरी। फैंस अब अक्षय को बड़े पर्दे पर दोबारा देखने के लिए उत्सुक हैं!

भूमि ने बताया 'द रॉयल्स' के बाद क्यों लिया था एक्टिंग से नौ महीने का ब्रेक

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'दलदल' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच भूमि पेडनेकर ने बताया कि पिछले साल आई 'द रॉयल्स' में उनकी एक्टिंग को लेकर हुई आलोचना ने उन्हें काफी प्रभावित किया। इससे प्रभावित होकर एक्ट्रेस ने नौ महीने का लंबा ब्रेक ले लिया। अब इस ब्रेक के बाद भूमि 'दलदल' से वापसी कर रही हैं। एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने बिना किसी घोषणा के ब्रेक लिया था।

'द रॉयल्स' की आलोचना ने ब्रेक लेने पर किया मजबूर

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे बहुत ट्रोल किया गया। लेकिन इन सबके बीच बहुत सारी क्रिएटिव आलोचना भी हुई। इस सबने मुझे 2025 में अपने जीवन के लिए कुछ बहुत बड़े फैसले लेने के लिए प्रेरित किया। उनमें से एक ब्रेक लेना था। मैंने इसकी घोषणा नहीं की क्योंकि मैं इसे नाटकीय नहीं बनाना चाहती थी। दम लगा के हैशा के बाद से मैं लगातार 10 साल से अभिनय कर रही हूं। उस किरदार के लिए भूमि ने 30 किलो वजन बढ़ाया था और तब से अपने किरदारों के लिए शारीरिक परिवर्तन करना उनका निरंतर प्रयास रहा है। एक्ट्रेस ने कहा कि यह सिर्फ शारीरिक बदलाव के बारे में नहीं है। यह इस बारे में भी है कि आप किसी किरदार की तैयारी करते समय भावनात्मक और मानसिक रूप से किन-किन चीजों से गुजरते हैं।

जून से किसी सेट पर नहीं गई

भूमि ने बताया कि इन आलोचनाओं से मैं भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थी। मैं एक अभिनेत्री के रूप में, एक इंसान के रूप में, भूमि के रूप में अपनी पहचान पूरी तरह खो चुकी थी। इसलिए मुझे पीछे हटना पड़ा। मैंने ब्रेक लिया। जून से मैं किसी सेट पर नहीं गई हूं। कई बार जब कोई कलाकार ऐसा स्वीकार करता है, तो इसे निगेटिव तरीके से देखा जाता है। लेकिन यह मैंने अपनी इच्छा से किया था। यह मेरे लिए सबसे अच्छा फैसला है।

कई फिल्में ठुकराई और अवॉर्ड्स फंक्शन को किया मना

अब नौ महीने बाद मार्च में अपने पहले कोर्टरूम ड्रामा के साथ सेट पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने कहा यह महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा झेली जाने वाली यौन हिंसा के बारे में है। यह एक थिएटर फिल्म है। मैं पिछले दो महीनों से इस पर काम कर रही हूं। मैं फिल्म सेट पर जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। ब्रेक के दौरान मैंने फिल्में छोड़ दीं। मुझे साइनिंग अमाउंट वापस करने पड़े। मुझे कई चेक ठुकराने पड़े, जो कि बहुत बड़ी रकम होती है। बात सिर्फ फिल्में न करने की नहीं थी, बल्कि मैंने पब्लिक अपीयरेंस भी कम कर दी। मुझे कई अवॉर्ड शो और फैशन इवेंट्स को मना करना पड़ा। मैं बस सबसे अलग होना चाहती थी। मैं यह अनुभव करना चाहती थी कि अकेले रहना कैसा लगता है। अगर मैं सब कुछ खो दूं, तो क्या मैं जीवित रह पाऊंगी? मुझे पता है कि मैं जीवित रह पाऊंगी।

खुद से किए सवाल, ब्रेक लेना सही फैसला

अपने ब्रेक के बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि मेरे पास अब कोई वास्तविक अनुभव नहीं बचा था, जिसे मैं अपने अभिनय में इस्तेमाल कर सकूं। मेरा सबसे बड़ा डर हमेशा यही रहा है कि मैं कभी भी औसत दर्जे की अभिनेत्री नहीं बनना चाहती। मुझे लगता है कि मैं उस मुकाम तक पहुंच चुकी थी। मेरे लिए इसे स्वीकार करना और इससे मुंह न मोड़ना महत्वपूर्ण था। क्योंकि मैं जानती हूं कि मैं क्या कर सकती हूं। मैं खोई हुई थी, इसलिए मैंने अपने कुछ पुराने काम देखे। मैं सोच रही थी, क्या मैं सच में अभिनय कर सकती हूं? क्या मुझमें वह क्षमता है? हर अभिनेता के लिए उस दायरे से बाहर निकलना बहुत ज़रूरी है। उस अनुभव ने मुझे झकझोर दिया। मैं बहुत खुश हूं कि लोगों ने द रॉयल्स देखा। इससे कुछ अच्छा नतीजा निकला। लेकिन सबसे अच्छी बात यह हुई कि मैं भूमि से एक इंसान के तौर पर और एक अभिनेत्री के तौर पर फिर से जुड़ पाई।

पुलिस अधिकारी के किरदार में 'दलदल' में आएंगी नजर

फिलहाल अपनी फिल्म से पहले भूमि क्राइम-थ्रिलर शो दलदल में नजर आएंगी। इसमें वो मुंबई की एक पुलिस अधिकारी रीता फरेरा के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने द रॉयल्स की शूटिंग खत्म करने के तुरंत बाद इस सीरीज की शूटिंग शुरू की थी। आदित्य रावल और समारा तिजोरी भी इस शो में हैं। दलदल का निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है और यह 30 जनवरी को प्राइम वीडियो इंडिया पर रिलीज होगा।

प्रियंका चोपड़ा ने बहन मीरा चोपड़ा की डेब्यू प्रोडक्शन फिल्म गांधी टॉक्स की सराहना की

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी बहन मीरा चोपड़ा की डेब्यू प्रोडक्शन फिल्म गांधी टॉक्स के टीज़र को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए खुलकर सराहना की है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर टीज़र शेयर करते हुए इसे 'अमेज़िंग' बताया, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता और भी बढ़ गई है। प्रियंका का यह समर्थन न सिर्फ बहन के प्रति उनके प्यार को दर्शाता है, बल्कि मीरा के कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की ओर बढ़ाए गए साहसी कदम की सराहना भी करता है। किशोर बेलेकर के निर्देशन में बनी गांधी टॉक्स एक मूक (साइलेंट) और ध्यानात्मक फिल्म है, जिसे इसकी अनोखी कहानी कहने की शैली सबसे खास बना देती है। यह फिल्म संवादों के बजाए विज़ुअल्स, अभिनय और भावनाओं के माध्यम से अपनी बात कहती है, जो दर्शकों को एक गहरे और आत्ममंथन भरे अनुभव में ले जाती है। फिल्म से जुड़े होने पर ऑस्कर विजेता संगीतकार ए. आर. रहमान ने भी इसकी अनूठी सोच और विज़न की सराहना की है। रहमान का समर्थन फिल्म की भावनात्मक गहराई और सादगी को और मजबूती देता है तथा इसके रचनात्मक दृष्टिकोण की पुष्टि करता है। मीरा चोपड़ा के प्रोडक्शन हाउस पिंकमून मेटा स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी यह फिल्म, निर्माता के रूप में उनके करियर की एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। इस फिल्म में विजय सेतुपति, अदिति राव हैदरी और अरविंद स्वामी जैसे दमदार कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएँगे।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका है द 50

फराह खान के रियलिटी शो द 50 का प्रीमियर 1 फरवरी को होने जा रहा है, जिसमें अभिनेत्री रिद्धि डोगरा भी नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस शो को वह खुद को चुनौती देने और कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का बड़ा मौका मानती हैं। रिद्धि डोगरा हमेशा मुश्किलों से सीखकर आगे बढ़ने में यकीन रखती हैं। उनके अनुसार, एक एक्टर के तौर पर वह लगातार कुछ न कुछ सीखने में विश्वास रखती हैं और खुद को उन दायरों से बाहर निकालने के तरीके तलाशती हैं, जहां एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। वह कहती हैं, एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा सीखने और खुद को उस दायरे से बाहर निकालने के नए तरीके ढूंढती रहती हूं, जिसमें एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। रिद्धि इस शो को एक खास चैलेंज के रूप में देख रही हैं, जो उन्हें नई जगहों की खोज करने का मौका देगा।

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की 'तू या मैं' का ट्रेलर रिलीज

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की आगामी फिल्म 'तू या मैं' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो इन्फ्लुएंसर्स और एक मगरमच्छ के इर्द-गिर्द घूमती है, जो उनके एक अप्रत्याशित कोलैबरेशन के बीच आ जाता है। ट्रेलर की शुरुआत में एक हाथ खून भरी मांग (1988) की वीसीआर टेप चुनता है। रेखा को मगरमच्छों से भरे पानी में फेंके जाने का पॉपुलर सीन फ्लैट स्क्रीन टीवी पर चलता है।

इसी सीन के बीच में नालासोपारा के गली रैपर मारुति कदम उर्फ आला फ्लोपारा (आदर्श) और एक हाई-क्लास इन्फ्लुएंसर अवनी शाह उर्फ मिस वैनिटी (शनाया) की एंट्री होती है। दोनों मिलते हैं, एक-दूसरे से बातचीत करते हैं और एक कोलैबरेशन के लिए शहर से बाहर जाने का फैसला करते हैं। लेकिन जल्द ही वे खुद को एक सुनसान स्विमिंग पूल में मगरमच्छ से लड़ते हुए पाते हैं। ट्रेलर में कई हैरान कर देने वाले सीन हैं। मारुति और अवनी उस मगरमच्छ से बचने के तरीके खोजने की कोशिश करते हैं।

इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने पर भावुक हुईं रानी मुखर्जी, किए कई खुलासे

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मर्दानी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को दस्तक देगी। इसकी रिलीज से पहले अभिनेत्री ने हाल ही में खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने करियर, फैसलों और सीखों को लेकर खुलकर बात की।

16 साल की उम्र में फिल्म का ऑफर मिला और मैं डर गई थी

30 साल बाद आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे खुद हैरानी होती है कि मेरी जर्नी कितनी अलग रही है। पहली बार जब मुझे फिल्म जुगल हंसराज के अपोजिट आ गले लग जा का ऑफर मिला, तब मेरी उम्र सिर्फ 16 साल थी। उस वक्त मैं दसवीं क्लास में पढ़ती थी और सच कहूं तो मुझे यह सुनकर झटका लगा था। मैंने सलीम अंकल से कहा भी था कि आप ये क्या कह रहे हैं।

उस दौर में फिल्मों में आना कोई सुरक्षित या सम्मानजनक करियर नहीं था

उस समय फिल्म इंडस्ट्री का माहौल आज जैसा बिल्कुल नहीं था। फिल्मों में आना कोई सम्मानजनक करियर नहीं माना जाता था। यह ऐसा पेशा नहीं था, जिसे कोई परिवार खुशी-खुशी अपनाए। आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज हर कोई अभिनेता बनना चाहता है और परिवार भी पूरा साथ देता है, लेकिन तब ऐसा नहीं था।

'मम्मी ने कहा था, मौका मिले तो कभी मना मत करना'

जब मैं बारहवीं में आई, तब मुझे राजा की आएगी बारात का ऑफर मिला। मैंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए स्वीकार की, क्योंकि मेरी मम्मी ने कहा था कि मौका कभी छोड़ना नहीं चाहिए। लेकिन मजेदार बात यह है कि जब मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया, तो मेरी मम्मी खुद निर्माता सलीम अंकल के पास जाकर कह आई थीं कि मेरी बेटी बहुत खराब है, इसे मत लीजिए, इसे कुछ नहीं आता। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

चाह थी कि माता-पिता एक बेहतर जिंदगी दे सकूं

मैं शुरू से ही थोड़ी अलग रही हूं। लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसका असर मुझ पर ज्यादा नहीं पड़ता था। मेरी मम्मी ने साफ कहा था कि अगर कुछ करना है, तो पूरे विश्वास के साथ करो। उस वक्त मेरा सबसे बड़ा फोकस मेरे माता-पिता थे। मैंने उनकी जिंदगी का स्ट्रगल देखा था, इसलिए बस यही चाह थी कि उन्हें एक बेहतर जिंदगी दे सकूं। उसी सोच में मेरे करियर के शुरुआती साल निकल गए।

पैसे भी नहीं होते थे लेकिन सपने बहुत होते थे

पहले हालात ऐसे नहीं थे कि हम किसी अच्छे रेस्तरां में जाकर खाना खा सकें। आज वो आजादी है। कई बार ऐसा भी हुआ कि पैसे होने के बावजूद हम पहले अपने अपनों के लिए लेते हैं, अपने लिए नहीं। लेकिन आज जब पीछे देखती हूं, तो लगता है कि जिंदगी ने धीरे-धीरे मेरी वो सारी छोटी अधूरी इच्छाएं पूरी की हैं।

पहले मेरे माता पिता जो कहते वहीं करती .. लेकिन फिर नहीं

साथिया से करीब आठ महीने पहले तक मेरी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली थीं। उस वक्त सोशल मीडिया नहीं था। लोग चिट्ठियां लिखते थे। मुझे बहुत सारी चिट्ठियां आती थीं। मेरे डैडी कहते थे कि इन्हें पढ़ो और समझो कि लोग क्या कहना चाहते हैं। उन चिट्ठियों में सिर्फ प्यार नहीं होता था, बल्कि ईमानदार राय भी होती थी। तब तक मैं अपने फैसले खुद नहीं ले रही थी। जो मेरे माता-पिता कहते थे, वही करती थी। लेकिन उसी वक्त मैंने तय किया कि अब मुझे खुद सोचकर फैसले लेने होंगे। मैंने मम्मी-पापा से कहा कि कुछ समय तक मैं कोई फिल्म साइन नहीं करना चाहती।

संक्षिप्त समाचार

टाइम से पहले पूरी कर ली दौड़ और फिर चली गई जान

अहमदाबाद, एजेंसी। खाकी वर्दी पहनने का सपना लेकर वह कई सालों से मेहनत करता

था। सुबह-शाम दौड़ की ऐसी प्रैक्टिस भी की थी कि 25 की बजाय 21 मिनट में ही 5 किलोमीटर की रेस पूरी कर ली। लेकिन जिस दिल में सब इंस्पेक्टर बनने की चाह लेकर उसने यह दौड़ लगाई थी उसी ने यहां धोखा दे दिया। गुजरात के भरूच में भर्ती के दौरान कच्छ से आए रविराज सिंह जडेजा ने दम तोड़ दिया। घटना गुरुवार सुबह की है। रविराज पुलिस सब इंस्पेक्टर और लोक रक्षक दल (एलआरडी) रिक्रूटमेंट भर्ती में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। रेस पूरी करने के बाद जडेजा ने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की और उन्हें मौके पर मौजूद मेडिकल टीम ने प्राथमिक चिकित्सा दी। लेकिन स्थिति बिगड़ती गई और रविराज बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत भरूच सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां दिल का दौड़ा पड़ने से उनकी मौत हो गई। 4 मिनट में पूरी की दौड़, दिल में था ब्लॉकेज एक रिपोर्ट के मुताबिक भरूच के एसपी अक्षय राज मकवाना ने बताया, 'उनके पिता ने कहा कि रविराज ने भर्ती के लिए बहुत प्रैक्टिस की थी और दौड़ निर्धारित 25 मिनट की बजाय 21 मिनट में ही पूरी कर ली। पोस्ट मॉर्टम रिपोर्ट से पता चला है कि दिल में ब्लॉकेज था। रवि के पिता महेंद्र सिंह स्टेट रिजर्व पुलिस में असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर हैं और इस समय वड़ोदरा में तैनात हैं। जडेजा शहर में अपने पिता के साथ रहते थे और परीक्षा के लिए भरूच गए थे। बताया गया है कि रवि राज ने इसी मैदान पर पहले भी फिजिकल टेस्ट में दौड़ लगाई थी लेकिन तब असफल रहे थे। भरूच पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू की है।

एअर इंडिया की लापरवाही के कारण रातभर भटका इंदौर का दंपति

इंदौर , एजेंसी। विमान कंपनी एअर इंडिया की लापरवाही और असंवेदनशील रवैये का एक

मामला गुरुवार को सामने आया। केरल भ्रमण के बाद कोच्चि से इंदौर लौट रहे इंदौर निवासी दंपती को एअर इंडिया की लापरवाही ने पूरी रात एयरपोर्ट पर भटकने को मजबूर कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि घंटों की देरी, फ्लाइट छूटने और मानसिक यातना के बावजूद कोई सुविधा नहीं दी गई। दंपती ने पूरी रात एयरपोर्ट की कुर्सियों पर बैठकर गुजारी। इंदौर के खातीवाल टैंक में रहने वाले योगेश वाधवानी अपनी पत्नी खुशबू के साथ केरल भ्रमण पर गए थे। वापसी में कोच्चि से उड़ान एआइ-1873 दोपहर 1.30 बजे दिल्ली के लिए निर्धारित थी। दिल्ली से इंदौर की कनेक्टिंग उड़ान पहले से बुक थी। बुधवार सुबह कोच्चि एयरपोर्ट पहुंचते ही मोबाइल पर फ्लाइट रिशेड्यूल होने का संदेश मिला। योगेश ने बताया कि उड़ान का समय पहले 4.30 बजे किया गया, फिर 5.30 बजे। सुबह से शाम तक दोनों लोग एयरपोर्ट पर बैठे रहे, लेकिन एअर इंडिया ने न भोजन दिया, न लाउंज सुविधा। शाम की उड़ान से रात 8.30 बजे दिल्ली पहुंचे, लेकिन शाम सात बजे इंदौर की कनेक्टिंग उड़ान जा चुकी थी। एयर इंडिया ने वैकल्पिक व्यवस्था के नाम पर दंपती को दिल्ली से रात 12 बजे पुणे की उड़ान में बैठा दिया। रात 2.30 बजे पुणे पहुंचे और पूरी रात एयरपोर्ट पर गुजारने के बाद फिर सुबह आठ बजे की फ्लाइट से इंदौर आए। चंद घंटों के सफर को 24 घंटे का कर दिया। योगेश का कहना है कि पूरी रात परेशान रहे। न होटल की सुविधा दी गई और न मुआवजा और न ही महिला यात्री होने के बावजूद कोई विशेष सहायता।

कर्नाटक में कथित नफरत भरे भाषण पर कार्रवाई

पुलिस ने आरएसएस नेता प्रभाकर भट के खिलाफ एफआईआर की दर्ज

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में कथित नफरत भरे भाषण को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक नेता के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई मंगलुरु क्षेत्र के पुत्तूर टाउन पुलिस थाने में दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, एक निजी कॉलेज में हुए कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण से साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका जताई गई थी, जिसके बाद शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरएसएस नेता प्रभाकर भट के खिलाफ यह मामला स्थानीय निवासी रामचंद्र के की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि 12 जनवरी को दक्षिण कन्नड़ जिले के एक निजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण में ऐसे बयान थे, जो छात्रों और अभिभावकों के बीच साम्प्रदायिक तनाव बढ़ा सकते हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक, यह भाषण हिंसा और नफरत को भड़काने की क्षमता रखता है।

यूट्यूब से फैला मामला: पुलिस ने बताया कि कार्यक्रम के बाद भाषण की सामग्री 'विकासना टीवी' नामक एक यूट्यूब चैनल पर अपलोड की गई। इसके कारण यह वीडियो बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच गया। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर वीडियो के प्रसार से मामले की गंभीरता बढ़ गई, क्योंकि इससे कथित आपत्तिजनक बयान व्यापक दर्शकों तक पहुंचे।

आयोजक भी आरोपी

शिकायत के आधार पर पुलिस ने न केवल भाषण देने वाले नेता, बल्कि कार्यक्रम के आयोजकों और संबंधित यूट्यूब चैनल को भी आरोपी बनाया है। मामला भारतीय न्याय संहिता की उन धाराओं में दर्ज किया गया है, जो विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी फैलाने और सार्वजनिक शांति को नुकसान पहुंचाने से जुड़े अपराधों से संबंधित हैं। पुलिस का कहना है कि कानून के तहत सभी पहलुओं की जांच की जाएगी।

बयान दर्ज होंगे

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कार्यक्रम में मौजूद गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे और सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो की भी जांच की जा रही है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

अय्याशी के लिए बाधा बन रहा था पति, प्रेमी के साथ महिला ने उतारा मौत के घाट

गुंटूर , एजेंसी। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के दुग्गिराला मंडल के चिलुवुरु गांव में एक चौंकाने वाली हत्या का मामला सामने आया है। प्याज व्यापारी लोकम शिवनागराजू की उनकी पत्नी लक्ष्मी माधुरी और उसके प्रेमी गोपी ने मिलकर क्रूर तरीके से हत्या कर दी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि माधुरी ने पति के लिए बिरयानी बनाई और उसमें करीब 20 नींद की गोलियों का पाउडर मिलाकर परोसी।

घटना 18 जनवरी की रात की बताई जा रही है। शिवनागराजू ने बिरयानी खाने के बाद गहरी नींद में चले गए। इसके बाद माधुरी ने गोपी को घर बुलाया। दोनों ने मिलकर सोते हुए शिवनागराजू के चेहरे पर तकिया रखकर दबाया, जबकि गोपी ने उनके सीने पर बैठकर उन्हें दबाया, जिससे दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

हत्या के बाद गोपी वहां से चला गया, लेकिन माधुरी शव के पास ही बैठी रही और पूरी रात मोबाइल पर अश्लील (पोर्न) वीडियो देखती रही। सुबह उसने ग्रामीणों के बीच अफवाह फैलाई कि पति को दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है और शोर मचाकर पड़ोसियों को सूचना दी। शिवनागराजू के पिता और दोस्तों ने शव

पर चोट के निशान और खून के धब्बे देखे, जिससे संदेह हुआ। उन्होंने पुलिस में शिकायत की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दम घुटना और सीने की चोटें पाई गईं, जिससे प्राकृतिक मौत की थ्योरी खारिज हो गई। मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच से पुलिस को पूरी रात पोर्न वीडियो देखने का सबूत मिला। पूछताछ में माधुरी ने जुर्म कबूल कर लिया और गोपी के साथ साजिश रचने तथा हत्या करने की बात स्वीकार की। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसआइआर सुनवाई कैंप पर भीड़ का हमला, किसी तरह से जान बचाकर भागे अधिकारी

रायगंज, एजेंसी। बंगाल में उत्तर दिनाजपुर जिले के इटाहार में गहन मतदाना पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर तनाव और हिंसा की स्थिति पैदा हो गई। गुरुवार को एक व्यक्ति की ओर से आत्महत्या किए जाने के बाद पूरे इलाके के लोग नाराज हो गए। काफी संख्या में लोग जमा हुए और आरोप लगाया कि एसआइआर सुनवाई के डर से उस व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने एक स्कूल में चल रहे एसआइआर सुनवाई केंद्र पर हमला कर दिया।

घटना की शुरुआत सुबह तब हुई, जब इटाहार के मुरालीपुकुर गांव के चंदू सरकार (51) का शव उनके घर के पास एक आम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। स्वजन का आरोप है कि उसकी पत्नी जिन्नातुन खातून के नाम पर एसआइआर सुनवाई का नोटिस मिला, जिसके बाद से ही वह तनाव में था। पत्नी को लेकर सुनवाई कैंप जाने से पहले ही उसने आत्महत्या कर ली।

चंदू की मौत की खबर फैलते ही सुबह करीब साढ़े 11 बजे सैकड़ों की संख्या में उग्र भीड़ लाठी-डंडों से लैस होकर इटाहार हाई स्कूल पहुंची, जहां उस समय एसआइआर की सुनवाई चल रही थी। गुस्साए लोगों ने अधिकारियों पर हमला बोल दिया।

इटाहार क्षेत्र के कुछ अधिकारी किसी तरह भागकर जान बचाने में कामयाब रहे, लेकिन पतिराजपुर क्षेत्र के अधिकारियों को निशाना बनाया गया। इसमें कई अधिकारियों को चोटें आई हैं। टेबल, कुर्सियां, बेंच तोड़ दी गईं।

महत्वपूर्ण दस्तावेज को फाड़कर बिखेर दिया गया। उस समय स्कूल में पढ़ाई चल रही थी, जिससे छात्र और शिक्षक भी भयभीत हो गए। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची। रायगंज के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंतल बंद्योपाध्याय भी मौक पर पहुंचे। कई घंटों तक सुनवाई पूरी तरह बंद रही। बाद में कड़ी सुरक्षा के बीच सुनवाई की प्रक्रिया दोबारा

शुरू की गई। दूसरी ओर, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाते समय इटाहार चौक पर 12 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तृणमूल कांग्रेस के विधायक मुर्शरफ हुसैन और उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया ताकि कोई और अप्रिय स्थिति न बने। रात के अंधेरे में हरिबासर मंदिर की पांच मूर्तियों को तोड़ दिया गया। मंदिर के पास बाग में बिखरी-टूटी मूर्तियां देखकर स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। यह घटना बंगाल में मालदा जिले के हरिश्चंद्रपुर थाना इलाके में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस प्रकार की घटना पहले कभी नहीं हुई। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोगों ने दोषियों की पहचान कर गिरफ्तार करने की मांग की है। मालदा के पुलिस अधीक्षक अभिजीत बंद्योपाध्याय ने कहा कि घटनास्थल पर पुलिस मौजूद है और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

मणिपुर में फिर भड़की जातीय हिंसा: कुकी युवती से विवाह करने वाले मैतेयी युवक की अपहरण के बाद गोली मारकर हत्या

इंफाल , एजेंसी। मणिपुर के चूड़चंदपुर जिले में कुकी उग्रवादियों ने मैतेयी समुदाय के एक युवक का अपहरण कर लिया और गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। इससे अशांत मणिपुर में तनाव और बढ़ गया है। हत्या के विरोध में मैतेयी समुदाय के लोगों ने गुरुवार को काकचिंग जिले में प्रदर्शन किया। उन्होंने सड़कों पर टायर जलाए, वाहनों को रोका और धरना दिया। इंफाल पूर्वी जिले के कुछ हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन हुआ। मृतक की पहचान 38 वर्षीय मयांगलांबम ऋषिकांत सिंह के रूप में हुई है। उसका विवाह कुकी आदिवासी समुदाय की युवती चिंगनु हाओकिप से हुआ था। विवाह के बाद उसने अपना नाम बदलकर गिनमिनथांग कर लिया था। पुलिस ने बताया कि ऋषिकांत सिंह का बुधवार को उसके घर से अपहरण कर लिया गया और गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड के पीछे यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी का हाथ होने का संदेह है। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने ऋषिकांत की हत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मामला एनआइए को सौंप दिया गया है। राज्यपाल ने कहा कि दोषियों को

पकड़ने के लिए बुधवार रात से ही गहन तलाशी अभियान शुरू किया गया है। राज्य और केंद्र सरकार की समन्वित अभियान चला रही है और युद्धस्तर पर कार्रवाई की जा रही है। कानून के अनुसार सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि ऋषिकांत अपनी पत्नी के साथ 19 जनवरी को नेपाल से चूड़चंदपुर लौटा था। कुछ स्थानीय समूहों ने उसे अपनी पत्नी के साथ रहने की अनुमति दी थी। मृतक के पिता मयांगलांबम टांबी सिंह ने पत्रकारों को बताया कि नेपाल से आने के बाद वह चूड़चंदपुर में अपनी पत्नी के घर पर रह रहा था। उसने कभी अपने ठिकाने की जानकारी नहीं दी। बुधवार शाम को तीन हथियारबंद लोगों ने उसका अपहरण कर लिया। अपहरणकर्ता उसकी पत्नी को भी साथ ले गए, लेकिन बाद में उसे चलती गाड़ी से बाहर फेंक दिया। युवक को गोली मारे जाने से पहले हाथ जोड़कर अपनी जान की भीख मांगते हुए देखा जा सकता है। कुकी और मैतेयी समुदाय में जारी है हिंसा मई 2023 में हिंसा भड़कने के बाद से कुकी और मैतेयी समुदाय के लोग एक-दूसरे के इलाकों में जाने से कतराते हैं।

गाजियाबाद में शिव विहार से मंडोला विहार तक मेट्रो चलाने की तैयारी

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने लोनी के शिव विहार से मंडोला विहार तक मेट्रो चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। जीडीए, आवास विकास परिषद, यूपीसीडा, नगर निगम और नगर पालिका लोनी की संयुक्त टीम 12.50 किलोमीटर लंबे इस रूट का भौतिक सर्वे करेगी। इसकी रिपोर्ट के आधार पर डीएमआरसी से डीपीआर बनवाने की योजना है। इस रूट के तैयार होने से लोनी में रहने वाली बड़ी आबादी मेट्रो के जरिये दिल्ली के अधिकांश हिस्सों तक पहुंच सकेंगे। गाजियाबाद में मेट्रो लाइन का विस्तार किया जा रहा है। रेड और ब्लू लाइन के बाद अब लोनी में पिंक लाइन का विस्तार करने की योजना है। इसको लेकर जीडीए सचिव की अध्यक्षता में नगर निगम, आवास एवं विकास परिषद के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। बैठक में लोनी के शिव विहार से मंडोला विहार तक मेट्रो की पिंक लाइन का विस्तार करने पर चर्चा की गई। बैठक में मेट्रो विस्तारीकरण से संबंधित विभिन्न तकनीकी, प्रशासनिक और जनहित से जुड़े पहलुओं पर भी विस्तार से बात की गई, जिसमें मेट्रो विस्तार को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। इसमें तय हुआ है कि जीडीए, आवास विकास परिषद, यूपीसीडा, नगर निगम और नगर पालिका लोनी की संयुक्त कमेटी बनाई जाए। यह टीम शिव विहार से मंडोला विहार तक के प्रस्तावित मेट्रो रूट का फिजिकल सर्वे करें।

घूस देकर एसओ के पद पर पोस्टिंग, 30 से ज्यादा अधिकारियों को नोटिस से मची खलबली

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में तैनाती के नाम पर घूस के खेल का मामला सामने आया है। सचिवालय में 30 से ज्यादा अनुभाग अधिकारियों (एसओ) पर घूस देकर मनचाही पोस्टिंग पाने के आरोप हैं। सचिवालय प्रशासन विभाग ने इन अनुभाग अधिकारियों से आरोपों पर जवाब मांगा है। जवाब आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। नोटिस मिलने के बाद से खलबली मची हुई है। बीते कुछ महीनों से सचिवालय में जुगाड़ और घूस से मलाईदार पोस्टिंग की चर्चा दबी जुबान में सुनी जा रही थी।

आरोप लगते रहे कि सचिवालय की ट्रांसफर पॉलिसी को दरकिनार करके कुछ अधिकारियों को लगातार अहम महकमों में तैनाती दी जा रही थी। ट्रांसफर पॉलिसी के मुताबिक सचिवालय में विभागों को तीन श्रेणियों में बांट दिया गया था और तय किया गया था कि चक्रानुक्रम आधार पर सभी कर्मचारियों को इन श्रेणियों में तैनाती दी जाएगी। हालांकि, तमाम ऐसे मामले आए जब इस ट्रांसफर पॉलिसी के इतर लोगों को लगातार 'ए' श्रेणी के ही विभागों में तैनाती दी गई। अब तैनाती में घूस के लेन-देन के मामले की आधिकारिक पड़ताल शुरू हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक शासन में उच्च स्तर पर अनुभाग

अधिकारियों की पोस्टिंग में घूसखोरी की शिकायत की गई थी। उस शिकायती पत्र के आधार पर मामले की पड़ताल और कार्रवाई के लिए चिट्ठी सचिवालय प्रशासन विभाग को भेजी गई थी। उसी क्रम में अनुभाग अधिकारियों को यह नोटिस जारी हुई है ताकि वे अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब देकर अपना पक्ष स्पष्ट कर सकें। सचिवालय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान ने बताया कि 'कुछ शिकातयें आई थीं। सभी को नोटिस जारी करके उनका पक्ष मांगा गया है।'

जब से आरोपी अनुभाग अधिकारियों को नोटिसें मिलने का क्रम जारी हुआ है, तब से सचिवालय में माहौल काफी गर्म है। तमाम कर्मचारी नेता मांग कर रहे हैं कि इस मामले में विजिलेंस या अन्य सक्षम एजेंसी से जांच करवाई जानी चाहिए न कि केवल लिखित जवाब लेकर मामला रफा-दफा करना चाहिए। सचिवालय के समीक्षा अधिकारी के मुताबिक इस तरह के आरोप काफी गंभीर हैं। अगर ऐसा हो रहा है तो खासा चिंताजनक है क्योंकि इससे जाहिर तौर पर शासन के कामकाज में पारदर्शिता और शुचिता भी प्रभावित हो रही होगी।

नोएडा के शिव नाडर स्कूल को मिली बम की धमकी, वापस भेजे गए सभी बच्चे

नोएड, एजेंसी। गणतंत्र दिवस से पहले नोएडा के शिव नादर स्कूल को बम की धमकी वाला ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया है। स्कूल द्वारा पुलिस को इसकी सूचना देने के साथ ही एहतियातन सभी बच्चों को वापस घर भेज दिया गया है। स्कूल की प्रिंसिपल द्वारा इस संबंध में पैरेंट्स को मैसेज भेजकर सूचना दे दी गई है। शिव नादर स्कूल की प्रिंसिपल अंजू सोनी ने आज सुबह पैरेंट्स को मैसेज भेजकर बताया, हमें आज सुबह बम की धमकी वाला एक ईमेल मिला है और सुरक्षा जांच के लिए एहतियात के तौर पर स्कूल आज 23 जनवरी 2026 को बंद रहेगा। स्कूल बसें वापस भेजी जा रही हैं और माता-पिता से अनुरोध है कि वे अपने बच्चे को तय ड्रॉप ऑफ जगह पर लेने आएं। माता-पिता जगह पर पहुंचने के बारे में रियल टाइम अपडेट के लिए संबंधित बस स्टाफ से संपर्क कर सकते हैं। नोएडा पुलिस की ओर बताया गया है कि कुछ निजी स्कूल में ई-मेल के माध्यम से थ्रेट प्राप्त होने की सूचना पर तत्काल उच्चाधिकारीगण, अलग-अलग थानों के पुलिस बल, बॉम्ब स्क्वाड, फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वाड एवं बीडीडीएस टीम द्वारा मौके पर सघन चेकिंग कराई जा रही है। साथ ही साइबर टीम द्वारा प्राप्त ई-मेल की तकनीकी जांच की जा रही है। स्थिति सामान्य है, मौके पर पूर्णत: शांति व्यवस्था स्थापित है। अफवाह पर ध्यान ना दें। बता दें कि, पिछले महीने 19 दिसंबर को भी शिव नादर स्कूल समेत नोएडा के नौ स्कूलों को संभावित बम की धमकी के मिलने के बाद सुरक्षा उपायों के तहत बंद कर दिया गया था।

हत्या या हादसा? पत्नी के हाथ में पकड़े सब्जी काटने वाले चाकू से पूर्व सैन्यकर्मी की मौत

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के गांव नखडोला में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला नशे में धुत अपने पति को गिरने से बचाने की कोशिश कर रही थी, तभी महिला के हाथ में मौजूद सब्जी काटने वाला चाकू लगने से पति की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मृतक को पत्नी पर गैर-इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। मृतक व्यक्ति भारतीय वायु सेना से रिटायर था। यह घटना 18 जनवरी की है। गांव नखडोला निवासी सुनील को चाकू लगने के बाद घायल हालत में अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, परिवार और रिश्तेदारों को लगा कि सुनील की मौत हार्ट अटैक से हुई है। उसके बाद उसका पोस्टमॉर्टम करवाया गया। 19 जनवरी को उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने पूरी कहानी बदल दी। खेड़की दौला थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मृतक की पत्नी ममता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि हालांकि यह घटना बिना किसी आपराधिक इरादे के घटित हुई प्रतीत होती है, लेकिन लापरवाही और मौत के कारण इस पर गैर-इरादतन हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना बताया जा रहा है। हम महिला को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेंगे, ताकि वारदात में इस्तेमाल हथियार बरामद किया जा सके और मामले की गहराई से जांच हो सके। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया कि सुनील की मृत्यु प्राकृतिक नहीं थी, बल्कि उसके सीने पर किसी तेजधार हथियार से गहरी चोट लगी थी।

छत्तीसगढ़ में बंदर ने नवजात को मां से छीनकर कुएं में गिराया

जांजगीर चांपा , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले के सिवनी नैला गांव में मंगलवार दोपहर एक चौंकाने वाली घटना घटी, जब एक बंदर ने 15 दिन की नवजात बच्ची को मां की गोद से छीन लिया। भाग रहे बंदर की पकड़ से बच्ची छूटी और कुएं में जा गिरी।

बच्ची ने डाइपर पहन रखा था, जिसके कारण वह तत्काल पानी में नहीं डूबी। इस बीच बाल्टी और रस्सी के सहारे ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाल लिया, जिससे उसकी जान बच गई। अरविंद राठौर की पत्नी अपने आंगन में बेटी को दूध पिला रही थीं। तभी एक बंदर आया और बच्ची को छीनकर भाग निकला।

मां के शोर मचाने पर घर के सदस्य और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बंदर का पीछा किया। जब बंदर

पास में लगे पेड़ पर चढ़ा, तो बच्ची उसके हाथ से फिसलकर पास के कुएं में गिर गई। डाइपर पहने होने के कारण बच्ची तुरंत पानी में नहीं डूबी। इस बीच ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बाल्टी और रस्सी की मदद से बच्ची को कुएं से बाहर निकाला। बाहर निकालने पर बच्ची की सांसें नहीं चल रही थीं। इसी बीच, गांव में भागवत सुनने आई एक नर्स ने तुरंत बच्ची को सीपीआर देना शुरू किया। नर्स की सूझबूझ और ग्रामीणों की तत्परता से कुछ ही देर में बच्ची की सांसें लौट आईं। स्वजन बच्ची को तुरंत अस्पताल ले गए। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, बच्ची की हालत अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। घटना के बाद बच्ची के पिता अरविंद राठौर ने कहा कि गांव में बंदर अक्सर दिखाई देते हैं, लेकिन ऐसी खतरनाक घटना पहले कभी नहीं हुई।

रिपोर्ट के अनुसार T20 विश्व कप 2026 से बाहर रहने के

सरकार के फैसले से बांग्लादेशी खिलाड़ियों में असंतोष

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 से बांग्लादेश बाहर हो गया है। बांग्लादेश की सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए विश्व कप के मैचों के लिए अपनी टीम को भारत न भेजने का फैसला गुरुवार को किया। आईसीसी अपने आधिकारिक प्रेस रिलीज में कभी भी बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड के नाम का ऐलान प्रतिभागी देश के रूप में कर सकता है। बांग्लादेश के क्रिकेटरों के बीच अपनी सरकार के फैसले को लेकर निराशा है। बांग्लादेश के क्रिकेटरों का कहना है कि सरकार ने विश्व कप न खेलने का फैसला लेने से पहले उनसे सलाह लेना उचित नहीं समझा। सरकार के निर्णय ने बांग्लादेशी खिलाड़ियों में असंतोष उत्पन्न कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों की नाराजगी फैसले से ज्यादा उसे लेने के तरीके को लेकर है। संवाद की जगह ऊपर से आदेश वाली संस्कृति अपनाई गई। खिलाड़ियों को लगा कि वे चर्चा का हिस्सा नहीं, बल्कि पहले से तय पटकथा के श्रोता

बनकर रह गए हैं। दरअसल, विश्व कप से बाहर होने का फैसला लेने से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों की एक बैठक बुलाई थी। एक क्रिकेटर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'मीटिंग हमारी सहमति के लिए नहीं बुलाई गई थी। हमें सिर्फ यह बताने के लिए बुलाया गया कि क्या होने वाला है। फैसले पहले ही लिए जा चुके थे और हमारी बातों का उस पर कोई असर नहीं पड़ा। पहले खिलाड़ियों से खुलकर राय ली जाती थी, लेकिन इस बार साफ कह दिया गया कि भारत में विश्व कप खेलने का सवाल ही नहीं है। क्रिकेटर के मुताबिक, मामले में बांग्लादेश सरकार का सीधा हस्तक्षेप है। सरकार का कॉल पहले ही आ चुका था। सीधा आदेश था कि टीम नहीं जाएगी। मामला अब क्रिकेटिंग लॉजिक से आगे बढ़कर सुरक्षा और राज्य की नीति के दायरे में चला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मीटिंग के दौरान कप्तान लिटन दास और टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने कहा कि टीम तैयार है और टूर्नामेंट में खेलने को इच्छुक है। इसकी वजह हाल के महीनों में एक मजबूत टी20 यूनिट बनने के लिए हमने कड़ी मेहनत की है और सकारात्मक परिणाम दिए हैं।

एक और वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी की दौड़ में भारत

चैंपियनशिप के लिए लगाई बोली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को हाल ही में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली थी और अब वह एक और वैश्विक टूर्नामेंट में मेजबानी हासिल करने की जुगत में है। भारत 2028 में होने वाले दो बड़े अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए प्रयास कर रहा है जिसके लिए राष्ट्रीय महासंघ ने भुवनेश्वर में विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और अहमदाबाद में विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाई है। भारतीय

एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2024 के अंत में विश्व एथलेटिक्स प्रमुख सेबेस्टियन को के भारत दौरे के दौरान ही अहमदाबाद में 2028 विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगा दी थी। विश्व एथलेटिक्स की टीम ने कलिंगा स्टेडियम का किया निरीक्षण

ताजा घटनाक्रम में एएफआई ने भुवनेश्वर में 2028 विश्व इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी बोली लगाई है। विश्व एथलेटिक्स की दो सदस्यीय टीम ने बुधवार को भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम परिसर में अत्याधुनिक इंडोर सुविधा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष और पूर्व एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमरीवाला के साथ ओडिशा सरकार के अधिकारी भी मौजूद थे। विश्व एथलेटिक्स मार्च में 2028 और 2030 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के मेजबान देशों की घोषणा करेगा। विश्व इंडोर चैंपियनशिप के मेजबान शहर की घोषणा भी इसी महीने होने की संभावना है। मालूम हो कि एएफआई ने 2028 एशियन इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी भुवनेश्वर को लेकर बोली लगाई है। यह इंडोर स्टेडियम मार्च में भारत की पहली राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करने जा रहा है। अहमदाबाद 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और वह 2031 विश्व (सीनियर) एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी बोली लगा रहा है।

जसप्रीत बुमराह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक बनने के अपने सफर के बारे में बताया।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में बुमराह ने लिखा, उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता। उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के खिलाफ जाने का उनका सफर परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है।

बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहां वह टी20 सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक का नाम कमाया है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं। बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं।

मिल्ने चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

एस20 के दौरान चोटिल हुए, काइल जैमीसन न्यूजीलैंड टीम में शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह काइल जैमीसन को न्यूजीलैंड की वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया है। मिल्ने को यह चोट एसए20 लीग में पिछले रविवार मुंबई केप टाउन के खिलाफ सनराइजर्स ईस्टर्न केप की ओर से खेलते हुए लगी थी। वे अपने पहले ही ओवर में चोटिल हो गए थे। बाद में स्कैन में चोट के गंभीर होने की पुष्टि हुई, जिसके चलते उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

जैमीसन अभी भारत से सीरीज में टीम का हिस्सा

जैमीसन अभी भारत के खिलाफ चल रही सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा हैं। जैमीसन पहले वर्ल्ड कप स्क्वॉड में बतौर ट्रैवलिंग रिजर्व शामिल थे। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में वदलाव की डेड लाइन 31 जनवरी तक है। इसके बाद किसी भी रिप्लेसमेंट के लिए आईसीसी से मंजूरी लेनी होगी।

हम सब एडम के लिए दुखी- न्यूजीलैंड कोच - न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा, हम सब एडम के लिए बहुत दुखी हैं। उसने टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करने के लिए बहुत मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैचों में बेहतरीन फॉर्म में दिख रहा था। यह एडम के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण समय है और हम उसके जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीम - मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन ऐलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सिफर्ट और इश सोढ़ी।

न्यूजीलैंड का पहला मैच 8 फरवरी को -टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाना है। टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में 7 शहरों के 8 वेन्यू पर खेला जाएगा। 29 दिन में 55 मैच होंगे। न्यूजीलैंड का पहला मैच 8 फरवरी को अफगानिस्तान के खिलाफ खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में सबालेंका

मेदवेदेव दो साल बाद ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में, अल्काराज ने 87 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में शुक्रवार को टॉप सीड आर्यना सबालेंका, मेन्स के वर्ल्ड नंबर-1कार्लास अल्काराज, डेनियल मेदवेदेव और विटोरिया म्बोको तीसरे राउंड में जीतकर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। सबालेंका ने कड़े संघर्ष के बाद अनास्तासिया पोटापोवा को हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। सबालेंका ने यह मैच 7-6 (4), 7-6 (7) से जीता। अब चौथे दौर (प्री-क्वार्टर फाइनल) में उनका सामना 19 साल की उभरती हुई कनाडाई खिलाड़ी विटोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को हराकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

दो टाइब्रेकर तक खिंचा सबालेंका का मैच - पिछले चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने की कोशिश में लगी सबालेंका के लिए पोटापोवा के खिलाफ जीत आसान नहीं रही। पहले सेट में सबालेंका 6-5 और 40-0 से आगे थीं, लेकिन पोटापोवा ने तीन सेट पॉइंट बचाकर खेल को टाइब्रेकर में खींच दिया। टाइब्रेकर में भी स्कोर 3-3 से बराबर होने के बाद सबालेंका ने अनुभव का फायदा उठाया और बैकहैंड विनर के साथ पहला सेट जीता। दूसरे सेट में कहानी और भी रोमांचक रही। पोटापोवा एक समय 4-0 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 4-4 कर दिया। दूसरे टाइब्रेकर में पोटापोवा के पास सेट जीतने के तीन मौके थे, लेकिन दबाव के पलों में सबालेंका ने अपना संयम बनाए रखा और मैच अपने नाम किया।

सबालेंका बोलीं- आज बस लड़ने का दिन था

मैच के बाद ऑन-कोर्ट इंटरव्यू में सबालेंका ने अपनी विपक्षी खिलाड़ी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, पोटापोवा ने अविश्वसनीय टेनिस खेला। मैं लगभग पूरे मैच में बैकफुट पर थी। खेल में कुछ दिन ऐसे होते हैं जब आपको बस लड़ना होता है और जीत के लिए जूझना पड़ता है, आज का दिन वैसा ही था।

19 साल की विटोरिया म्बोको पहली बार प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची

कनाडा की 19 साल की विटोरिया म्बोको के लिए 23 जनवरी का दिन ऐतिहासिक रहा। उन्होंने क्लारा टॉसन को तीन सेटों के मुकाबले में 7-6(5), 5-7, 6-3 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में जगह बनाई है। जॉन कैन एरिना में हुआ यह मैच उतार-चढ़ाव से भरा रहा, जहां दोनों खिलाड़ियों ने बेसलाइन से लंबी रैलियां कीं।

निर्णायक सेट में दिखाया म्बोको ने दम

दूसरे सेट में कई मौके गंवाने के बाद म्बोको ने तीसरे और निर्णायक सेट में अपनी लय वापस पा ली। उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर 4-1 की बढ़त बना ली। टॉसन ने वापसी की कोशिश की और दो गेम जीते, लेकिन म्बोको ने अपनी पावर और सटीक शॉट्स के दम पर जीत सुनिश्चित की। म्बोको ने अपनी इस जीत पर कहा, यह सब खुद पर विश्वास का नतीजा है। मैं पहली बार यहां खेल रही हूं और चौथे दौर में पहुंचकर बहुत खुश हूं।

अदार पूनावाला खरीद सकते हैं आरसीबी

बोले- लगाऊंगा बड़ी बोली, डियाजियो अपनी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में, 31 मार्च तक होगा फैसला

नईदिल्ली (एजेंसी)। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ और पूनावाला फिनकॉर्प के चेयरमैन अदार पूनावाला ने आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। अदार पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि वे आने वाले कुछ महीनों में टीम के लिए एक मजबूत और बोली लगाएंगे। अदार पूनावाला ने टीम की तारीफ करते हुए लिखा, आरसीबी आईपीएल की बेहतरीन टीमों में से एक है।

यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने इस टीम में रुचि दिखाई है। पिछले साल अक्टूबर में भी उन्होंने कहा था कि अगर सही कीमत मिली तो आरसीबी एक शानदार इन्वेस्टमेंट साबित हो सकती है।

डियाजियो कर रही है टीम का 'स्ट्रैटेजिक रिव्यू' - आरसीबी का मालिकाना हक फिलहाल शराब बनाने वाली दिग्गज मल्टीनेशनल कंपनी 'डियाजियो' के पास है। डियाजियो ने मार्केट रेगुलेटर सेबी को दी गई जानकारी में बताया है कि वह रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में अपने निवेश का 'स्ट्रैटेजिक रिव्यू' कर रही है। आरसीएसपीएल ही वह मूल कंपनी है जो आरसीबी की पुरुष और महिला दोनों टीमों का संचालन करती है। यह रिव्यू 31 मार्च 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसके बाद टीम की ओनरशिप में बदलाव हो सकता है।

आईपीएल की दूसरी सबसे महंगी टीम थी - आरसीबी साल 2008 में जब आईपीएल की शुरुआत हुई थी, तब आरसीबी लीग की दूसरी सबसे महंगी टीम थी। उस समय इसे 111.6 मिलियन डॉलर (करीब 450 करोड़ रुपए तब के हिसाब से) में खरीदा गया था। पिछले कुछ सालों में टीम की ब्रांड वैल्यू और लोकप्रियता में भारी इजाफा हुआ है, जिससे अब इसकी कीमत कई हजार करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

रणजी ट्रॉफी 2026

चयनकर्ताओं को सरफराज ने फिर दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान ने चयनकर्ताओं को फिर दिया जवाब, हैदराबाद के खिलाफ जड़ दिया दोहरा शतक - रणजी ट्रॉफी 2026 के ग्रुप डी के मुकाबले में मुंबई की ओर से खेल रहे

सरफराज खान ने हैदराबाद के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया है। सरफराज ने 206 गेंद में 19 चौके और 6 छक्कों की मदद से यह डबल सेंचुरी पूरी की। सरफराज का यह 5वां फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दोहरा शतक है। सरफराज इसके अलावा एक तिहरा शतक भी लगा चुके हैं। सरफराज ने इस दोहरे शतक के जरिए एकबार फिर चयनकर्ताओं को बल्ले से जवाब दिया है।

- **सरफराज ने पहले ही दिन जड़ दिया था शतक**- सरफराज खान के दोहरे शतक की बदौलत मुंबई की टीम पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 450 से पार जा चुकी है। सरफराज ने मैच के पहले ही दिन अपना शतक पूरा कर लिया था। सरफराज के अलावा सिद्धेश लाड ने भी शतक जड़ा था। सिद्धेश 104 रन बनाकर आउट हो गए थे। खबर लिखे जाने तक सरफराज के साथ सुवेद परकार 65 रन की नाबाद पारी के साथ क्रीज पर हैं।
- **मुंबई का टॉप ऑर्डर जल्दी हो गया था आउट**- इस मैच में हैदराबाद के कप्तान मोहम्मद सिराज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। मुंबई के लिए पहले दिन पारी की शुरुआत करने अखिल हरवाडकर और आकाश आनंद आए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई ही थी कि अखिल 27 रन के स्कोर पर आउट हो गए।
- **सरफराज और सिद्धेश की साझेदारी से संभली मुंबई**- मुंबई का तीसरा विकेट 82 रन के स्कोर पर गिरा था जब मुशीर खान 11 रन पर चलते बने। तीन विकेट गिर जाने के बाद मुंबई दवाब में थी, लेकिन इसके बाद सिद्धेश और सरफराज ने मिलकर पारी को संभाल लिया।

गुजरात जायंट्स की तेज गेंदबाज तितास साधु टूर्नामेंट से बाहर

इस ऑलराउंडर की हुई एंट्री

वडोदरा, एजेंसी। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 के बीच में एक झटका लगा है। टीम की युवा तेज गेंदबाज तितास साधु चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह भरने के लिए गुजरात ने असम की ऑलराउंडर जिंतिमणी कलिता को अपने खेमे में शामिल किया है। साधु पिछले दो सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थीं और 7 मैच खेल चुकी थीं। उन्हें नवंबर की मेगा नीलामी में गुजरात ने 30 लाख रुपए की बोली लगाकर अपनी टीम से जोड़ा था। हालांकि फिटनेस की समस्याओं के चलते वे 2026 के सीजन में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाईं। तितास के लिए पिछला साल भी चोटों से भरा रहा, जिसके कारण उन्हें कई अहम मौकों पर मैदान से दूर रहना पड़ा। पिछले साल जनवरी में आयरलैंड के विरुद्ध घरेलू वनडे सीरीज और फिर डब्ल्यूपीएल के तीन मैचों के बाद से उनकी फिटनेस उनका साथ छोड़ती रही।

पाकिस्तान ने चली चाल

जिम्बाब्वे को पहुंचाया फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर चालबाजी करने में पाकिस्तान की सीनियर टीम ही नहीं बल्कि जूनियर टीम भी काफी माहिर है। गुरुवार को अंडर 19 विश्व कप के एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान की अंडर 19 टीम ने कुछ ऐसा ही किया। दरअसल, विश्व कप के 19वें मैच में पाकिस्तान ने मेजबान जिम्बाब्वे 8 विकेट से हरा तो दिया, लेकिन इस मैच में पाकिस्तान ने ऐसी चाल चली कि उसने जिम्बाब्वे को फायदा पहुंचाया और स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को 129 रन का लक्ष्य दिया था। मेजबानों ने 35.5 ओवर में 128 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम ने इस लक्ष्य को 26.2 ओवर में हासिल किया।

एक समय पर पाकिस्तान की टीम 14 ओवर में 2 विकेट खोकर 84 रन बना चुकी थी, लेकिन उसके बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी जानबूझकर धीरे खेले और 12.2 ओवर में 45 रन बनाए। यहीं पर पाकिस्तान की चाल सामने आ गई।

इस चाल से पाकिस्तान को भी होगा फायदा

नियमों के मुताबिक, टीमें ग्रुप स्टेज से सुपर सिक्स राउंड में पॉइंट्स और नेट रन रेट से आगे बढ़ाती हैं, लेकिन सिर्फ उन्हीं मैचों में जिनमें ग्रुप से अगले राउंड के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमें शामिल होती हैं। ज़िम्बाब्वे को सुपर सिक्स के लिए क्वालिफ़ाई करने में मदद करके पाकिस्तान ने अपना नेट रन रेट बढ़ाया जिसका फायदा पाकिस्तान को सुपर 6 में होगा। पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 142 गेंदें बाकी रहते हरा दिया, यह जीत का अंतर स्कॉटलैंड पर उसकी जीत से काफ़ी ज्यादा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान को 41 गेंद रहते जीत मिली थी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

विश्वामित्र सेना ने मनाया स्थापना दिवस

बक्सर। बक्सर में सनातन संस्कृति, धर्म और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित संगठन विश्वामित्र सेना ने गुरुवार को अपना पहला स्थापना दिवस समारोह मनाया। इस अवसर पर संगठन ने बक्सर के विकास और सनातन चेतना के प्रसार के लिए अपने निरंतर प्रयासों को रेखांकित किया। स्थापना दिवस समारोह भक्तिपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। विभिन्न कलाकारों ने रामभक्ति, शिवभक्ति और सनातन परंपराओं से जुड़े भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे उपस्थित श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में विश्वामित्र सेना के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में बक्सरवासी मौजूद रहे। विश्वामित्र सेना के राष्ट्रीय संयोजक श्री राजकुमार चौबे ने अपने संबोधन में संगठन की एक वर्ष की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस अवधि में संगठन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन विश्वामित्र सेना ने अपने संकल्प को बनाए रखा। उन्होंने सेवा शिविरों, सामूहिक जनेऊ संस्कार, सामूहिक विवाह, धार्मिक अनुष्ठानों और रामनवमी पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा जैसे आयोजनों के माध्यम से सनातन संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने का उल्लेख किया। श्री चौबे ने दावा किया कि विश्वामित्र सेना की आवाज सरकार तक पहुंची है और बक्सर के लिए कई महत्वपूर्ण सौगातें सुनिश्चित हुई हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बक्सर को जिस स्तर पर होना चाहिए, वह अभी नहीं है और इसके लिए लंबा संघर्ष जारी रहेगा। संगठन की प्रमुख मांगों में विश्वामित्र कॉरिडोर का निर्माण, बक्सर का काशी और अयोध्या की तर्ज पर विकास, बक्सर में एयरपोर्ट का निर्माण और वामन अवतार को जेल से मुक्त करने जैसी मांगें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल शुरुआत है और आने वाले समय में विश्वामित्र सेना बक्सर में सनातन संस्कृति के उत्थान और विकास के लिए अपने प्रयास जारी रखेगी। स्थापना दिवस समारोह ने यह संदेश दिया कि संगठन भविष्य में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाएगा।

ट्रेन से गिरकर पीएचडी छात्रा की मौत

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर पैसेंजर ट्रेन से गिरकर वित्त विभाग के ऑडिटर की पत्नी की मौत हो गई। पीएचडी फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करती थी। यूनिवर्सिटी से घर लौटते समय हादसा हुआ है। मृतका की पहचान रोहतास जिले के सासाराम गांव निवासी प्रमोद पासवान की पत्नी सुभद्रा कुमारी(36) के तौर पर हुई है। घटना आरा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 की है।

क्लास खत्म होने के बाद घर लौट रही थीः भाई दीपक कुमार ने बताया कि गुरुवार की सुबह सासाराम से क्लास करने के लिए यूनिवर्सिटी आई थी। इकोनॉमिक्स से पीएचडी कर रही थी। क्लास करने के बाद घर आ रही थी। पैसेंजर ट्रेन पर चढ़ते समय बैलेंस बिगड़ने से नीचे गिर गई। जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद परिवार के सदस्य सदर अस्पताल पहुंचे।

घर में मचा कोहरामः पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतका को दो पुत्र सावन, यशवंत और एक पुत्री सोनाली है। पति वित्त विभाग में ऑडिटर हैं, वर्तमान में गयाजी में कार्यरत हैं। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया है। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संजय सरावगी 25 जनवरी को भोजपुर पहुंचेंगे

आरा। भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के भोजपुर जिले में पहली बार आगमन और 25 जनवरी को आरा में प्रस्तावित कार्यकर्ता सम्मान सम्मेलन को लेकर पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं में प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत को लेकर खासा उत्साह और जोश देखा जा रहा है। आज भाजपा भोजपुर जिलाध्यक्ष दुर्गा राज की अध्यक्षता में आरा परिसदन सभागार में कार्यक्रम की तैयारी को लेकर प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष के प्रथम भोजपुर आगमन को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कार्यक्रम स्थल का चयन किया गया और अलग-अलग व्यवस्थाओं के लिए प्रभारी भी नियुक्त किए गए।

हसनबाजार के रास्ते प्रवेश करेंगे सरावगीः जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने जानकारी दी कि प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी रोहतास से भोजपुर के हसनबाजार के रास्ते प्रवेश करेंगे। उनके स्वागत के लिए हसनबाजार, पीरो, चरपोखरी, गड़हनी, उदवंतनगर, आरा धोबीघटवा सहित कई स्थानों पर भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य कार्यक्रम आरा के रामलीला मैदान में आयोजित होगा, जहां कार्यकर्ता सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए जिलेभर में बैनर और होर्डिंग लगाए जा रहे हैं। पीरो में प्रदेश अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद आरा के धोबीघटवा में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा, अनाईठ में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा और जगदेवनगर में जगदेव प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। बैठक में बताया गया कि सम्मेलन में जिलेभर से बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लगातार बैठकों का दौर जारी है और सभी कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। बैठक में जिला उपाध्यक्ष ई. धीरेंद्र सिंह, सूर्यकांत पांडेय, राजकुमार कुशवाहा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरेंद्र पांडेय, प्रह्लाद राय, बलराम सिंह, महामंत्री नरेंद्र तिवारी, गुड्डू सिंह बबुआन, संजय कुमार सिंह, धर्मेंद्र सिंह, विभु जैन, अमरेंद्र पांडेय सहित कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रोजगार मेला लगा, 1500 पदों पर भर्ती

आरा। भोजपुर के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार और करियर मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नियोजन-सह-व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया है। यह मेला आज आरा कृषि भवन परिसर में हुआ। बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संजय सिंह 'टाइगर' ने इसका उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य यह है कि जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकतम बेरोजगार युवक और युवतियां इस मेले की जानकारी हासिल कर उसमें भाग ले सकें। नियोजन-सह-व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला युवाओं के लिए रोजगार पाने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज समेत एनडीए गठबंधन के कई नेता, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। इस नियोजन मेले में कुल 30 निजी कंपनियों ने भाग लिया। इनमें क्वालिटी होंडा, फ्लिपकार्ट, कल्याण ज्वेलर्स, ब्लिंकिट, उत्कर्ष बैंक, परम स्किल, स्विगी, SIS सिक्योरिटी, अरविंदा लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, गुडविल इंडिया, CIB चैरिटेबल, सांवि ग्रीन टेक्निकल सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल थीं। मेले के माध्यम से करीब 1500 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई।

इलेक्ट्रीशियन टूल किट वितरित कियाः कार्यक्रम के दौरान मंत्री संजय सिंह टाइगर ने उगेंद्र कुमार को इलेक्ट्रीशियन टूल किट, सलोनी रंजन और सुरभि रंजन को सिलाई मशीन व अमीषु प्रकाश, मधु कुमारी, अजीत, कुश कुमार, मोहम्मद वारिश अंसारी, अरविंद कुमार, सोनू यादव, ओमकार और पूनम कुमार को स्टडी किट वितरित किया। इसके बाद मंत्री ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और युवाओं से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं और अपेक्षाएं जानीं। मंत्री संजय सिंह टाइगर ने कहा कि बिहार की सरकार ने संकल्प लिया है कि आने वाले 5 साल में करीब एक करोड़ रोजगार और नौकरी का अवसर प्रदान करेंगे। बिहार के लोगों को सरकारी नौकरियां भी मिलेगी। आज उसी का थोड़ा सा प्रयास है, इस नियोजन मेले में 1500 पदों पर छोटे-बड़े निजी कंपनी भर्ती करेंगे। यह क्रमबद्ध चलने वाला काम है। युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग नौजवानों को हुनरमंद बनाता है। उनको प्रशिक्षण देता है। ताकि वह आत्मनिर्भर बन सके और रोजगार पा सके। हिंदुस्तान में कुशल कारीगरों की किल्लत है। जो आंकड़ा है वह काफी निराशाजनक है। हमारे सरकार में नौजवानों को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार दिया जा रहा है। समय की मांग के अंदर प्रशिक्षण देने की योजना बनाई जा रही है। इसका सीधा फायदा बिहार के नौजवानों को मिल रहा है। सरकार अपने रोजगार के लक्ष्य को हासिल जल्द ही कर लेगी। क्योंकि बिहार में एक संवेदनशील काम करने वाली सरकार है। इलेक्ट्रीशियन टूल्स किट लेने वाले उगेंद्र ने बताया कि एक महीना पहले ऑफलाइन आवेदन लिया गया था। उसके बाद बुधवार को फोन पर सूचना दी गई है कि गुरुवार को आप आकर टूल किट ले सकते हैं।

रिपोर्टर से शहीद की पत्नी ने पूछा-वो जिंदा हैं ना

निज संवाददाता। आरा

जम्मू-कश्मीर के डोडा में गुरुवार दोपहर एक ऑपरेशन के लिए जाते समय बुलेटप्रूफ कैस्पर गाड़ी 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। ड्राइवर के नियंत्रण खोने से हुए हादसे में 10 जवानों की मौत हो गई, जबकि 11 घायल हो गए। गाड़ी में कुल 21 जवान सवार थे। हादसा भदरवाह-चंबा अंतरराज्यीय सड़क पर 9000 फीट ऊंचे खन्नी टॉप पर हुआ। घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में भोजपुर जिले का जवान भी शामिल है। 38 साल के हरेराम कुंवर बड़हरा प्रखंड में नथमलपुर गांव के रहने वाले थे। हरेराम कुंवर के 2 बेटे हैं। पत्नी और मां को शहादत की खबर नहीं दी गई है।

2011 में बहाल हुए थे हरेराम कुंवरः हरेराम कुंवर ने 2003 में मैट्रिक की पढ़ाई शाहपुर प्रखंड के बरिसवन गांव से पूरी की थी। 2005 में आरा के महाराजा कॉलेज से इंटरमीडिएट किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद वो सेना में भर्ती हो गए। साल 2011 में दानापुर की बिहार रेजिमेंट की फोर्थ बिहार यूनिट में उनका सिलेक्शन हुआ। उनके बड़े भाई जय प्रकाश कुंवर गुंडी गांव के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक हैं। जुड़वा बहन रिंकी देवी भाई की शहादत की खबर से बदहवास हैं। सभी अब के पार्थिव शरीर के घर पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं।

रिपोर्टर से जवान की पत्नी ने पूछा- वो ठीक हैं नाः हम जैसे ही शहीद जवान के घर पहुंचे। बाहर पिता बदहवास बैठे दिखाई दिए। पत्नी और मां भी बेसुध थे। उन्हें शहादत की खबर नहीं दी गई थी। जवान की पत्नी ने रिपोर्टर को देखते ही सवाल किया- वो जिंदा तो हैं ना। कब तक लौटेंगे। रिपोर्टर को पहले ही परिवार ने बता दिया था कि अभी पत्नी और मां को शहादत की खबर नहीं दी गई है। इसलिए, रिपोर्टर ने शहीद की पत्नी से कहा, वो ठीक हैं। कुछ चोट आई है। जल्द आ जाएंगे।

पिता बोले- बेटे पर गर्व हैः इसके बाद हमने जवान के पिता इंद्रजीत कुंवर से बात की। उन्होंने बताया, 'फोन से शहादत की सूचना मिली। गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ है। 20 दिन पहले छुट्टी से ड्यूटी पर गया था। बहुत अच्छा था, काफी मिलनसार था। मुझे अपने बेटे पर गर्व है। होली पर आने की बात कर रहा था। बच्चे बहुत खुश थे। वो आता था तो घर में ऐसे ही होली दिवाली जैसा लगने लगता था। उससे घर की रौनक थी।'

सड़क हादसे में छह किशोर घायल

निज संवाददाता। आरा

बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर गुरुवार को अनियंत्रित होकर डीजे लदी पिकअप पलट गई। हादसे में 6 किशोर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पीएचसी पहुंचा। जहां से चार को डॉक्टरों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों में जगदीशपुर पाठक गांव निवासी रजनीश कुमार(15), आकाश कुमार(12), अनूप कुमार(13), रवि किशन(12) और अमन कुमार(12) शामिल है। घटना पीरो थाना क्षेत्र के जितौरा बाजार के पास की है।

डीजे लेकर घर लौटते समय हादसाः अनूप कुमार की मां धर्मशिला देवी ने बताया कि सरस्वती पूजा को लेकर सभी बच्चे डीजे लाने के लिए जगदीशपुर के तेंदुनी गांव गए थे। वहां से डीजे लेकर गांव वापस लौट रहे थे। रास्ते में गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। रजनीश कुमार, आकाश कुमार, अनूप कुमार और रवि किशन को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जबकि अमन कुमार और एक अन्य युवक का इलाज पीरो पीएचसी में कराया जा रहा है। ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने बताया कि तीन लोगों के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। सभी का प्राथमिक उपचार कर दिया गया है। ऑब्जर्वेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

2 और आर्म्स सप्लायर गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में अवैध मिनी गन फैक्ट्री के खुलासे के बाद पुलिस ने इससे जुड़े पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में तियर थाना पुलिस ने हथियार तस्करी से जुड़े दो और आर्म्स सप्लायरों को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दावा गांव निवासी कुश कुमार उर्फ गोल्डी और बिहिया के फिनगी निवासी राहुल कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी अवैध हथियारों की सप्लाई और तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल था। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस को आर्म्स तस्करी से जुड़े कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी हाथ लगे हैं, हालांकि इस छापेमारी में कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। पुलिस का मानना है कि बरामद साक्ष्यों के आधार पर नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक भी जल्द पहुंचा जा सकेगा।

नेटवर्क की जांच की जा रही हैः थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया कि पूछताछ के दौरान यह जानकारी जुटाई जा रही है कि अवैध हथियारों की सप्लाई किन-किन इलाकों में की जाती थी। इसके ग्राहक कौन थे और इस पूरे गिरोह में और कितने लोग शामिल हैं। पुलिस का फोकस अब सप्लाई चेन और खरीदारों की पहचान पर है। पुलिस ने संचालक और एक महिला को गिरफ्तार किया था बता दें,19 जनवरी को तियर पुलिस ने उतरदाहा गांव निवासी धनजी शर्मा के घर छापेमारी कर अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था। उस कार्रवाई में फैक्ट्री के संचालक धनजी शर्मा और उसकी मां प्रभावती देवी को गिरफ्तार किया गया था।

शुरू हुई ओपीडी सेवाएं, बहिष्कार खत्म

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में दो दिनों के लिए घोषित ओपीडी बहिष्कार को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया गया है। पूर्व विधायक मुन्ना तिवारी और सिविल सर्जन के आश्वासन के बाद बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ (भासा) ने अपना आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही सदर अस्पताल सहित जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं बहाल हो गई हैं, जिससे मरीजों को राहत मिली है।

22 और 23 जनवरी को प्रस्तावित बहिष्कार लिया वापसः भासा के जिला सचिव डॉ. संजय कुमार ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनप्रतिनिधियों और सिविल सर्जन के आश्वासन पर संघ ने 22 और 23 जनवरी को प्रस्तावित ओपीडी बहिष्कार को वापस लिया है। डॉ. कुमार के अनुसार, जनहित और मरीजों की परेशानी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अब जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में नियमित ओपीडी सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं।

महिला की मौत के बाद हुए हंगामे के बाद लिया था फैसलाः यह बहिष्कार मंगलवार रात सदर अस्पताल में हुई एक घटना के बाद घोषित किया गया था। इलाज के दौरान एक महिला की मौत के बाद अस्पताल परिसर में भारी हंगामा हुआ था। इस दौरान डॉक्टरों और स्टाफ के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया गया और एक चिकित्सक के खिलाफ थाने में मामला भी दर्ज कराया गया था। इस घटना से आक्रोशित सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। बुधवार को बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था कि गुरुवार और शुक्रवार को पूरे जिले में ओपीडी सेवाओं का बहिष्कार किया जाएगा। संघ का कहना था कि अस्पतालों में लगातार बढ़ रही हिंसक घटनाएं चिकित्सकों के लिए भय का माहौल पैदा कर रही हैं।

कार्रवाई नहीं होने पर करेंगे ओपीडी बहिष्कारः डॉ. संजय कुमार ने बताया कि चिकित्सक और अन्य कर्मी लंबे समय से पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसी विरोध में ओपीडी बहिष्कार का फैसला लिया गया था, जिसे अब जनहित में वापस ले लिया गया है। हालांकि, पूर्व विधायक मुन्ना तिवारी और सिविल सर्जन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का आश्वासन दिए जाने के बाद भासा ने आंदोलन वापस लेने का निर्णय लिया। संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में सुरक्षा को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो फिर से आंदोलन की राह अपनाई जा सकती है। फिलहाल, ओपीडी सेवाओं के बहाल होने से मरीजों ने राहत की सांस ली है।

महिला की मौत पर अस्पताल में हंगामा

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के सदर अस्पताल में एक महिला की मौत के बाद हुए हंगामे और सड़क जाम के मामले में प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज की है, जिसमें कोईरपुरवा निवासी सुनील कुमार सहित 25 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। टाउन थाना में मामला दर्ज कर पुलिस अब सड़क जाम और अस्पताल परिसर में हंगामा करने वालों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई कर रही है। यह घटना मंगलवार रात की है। राजपुर थाना क्षेत्र के तियारा गांव निवासी राजेश सिंह, जो वर्तमान में मेहता गली में रहते हैं, अपनी पत्नी हेमंती देवी को अचानक तबीयत बिगड़ने पर सदर अस्पताल लाए थे। परिजनों के अनुसार, इंजेक्शन दिए जाने के बाद हेमंती देवी की हालत और बिगड़ गई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद डॉक्टरों द्वारा पर्ची पर लिखे इंजेक्शन को काटे जाने पर परिजन आक्रोशित हो गए।

चिकित्सकों और कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहारः परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों और कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया, जिससे कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। बुधवार सुबह, परिजन मृतक महिला के शव को लेकर बक्सर-चौसा मुख्य सड़क मार्ग पर पहुंचे और सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

वाहनों की लंबी कतारें लग गईंः इस व्यस्त मार्ग पर सड़क जाम के कारण घंटों आवागमन बाधित रहा। वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चली बातचीत के बाद परिजन सड़क जाम हटाने पर सहमत हुए। सड़क जाम की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने कोईरपुरवा निवासी सुनील कुमार सहित 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सदर एसडीपीओ गौरव पांडेय ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्क्रीन शेयर कराकर साइबर ठग ने उड़ाए 99,900 रुपए

निज संवाददाता। आरा

आरा में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने एक चाय दुकानदार को झकझोर कर रख दिया है। रोज सुबह से देर रात तक चाय की केतली के सहारे परिवार का पेट पालने वाला दुकानदार अपनी छोटी बेटी की शादी के लिए एक-एक रुपए जोड़ रहा था, लेकिन साइबर ठगों ने एक झटके में उसके सपनों को तोड़ दिया। महज 13 रुपए के बिजली बिल रिचार्ज के नाम पर दुकानदार के मोबाइल पर आए वॉट्सऐप कॉल ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। कॉल पर बताए गए निर्देशों को फॉलो करते ही चाय दुकानदार के बैंक अकाउंट से 99 हजार 900 रुपए साफ हो गए। जब मोबाइल पर डिडक्शन अमाउंट का मैसेज आया, तो दुकानदार को इसकी जानकारी हुई।

अब सिलसिलेवार तरीके से जानिए साइबर ठगी की कहानीः नगर थाना क्षेत्र के गौसगंज के रहने वाले बाबूराम चौरसिया के बेटे रामनाथ चौरसिया अपनी तीन बेटी और दो बेटों संग रहते हैं। गौसगंज बाजार में चाय और पान की दुकान चलाते हैं। वे बताते हैं कि चाय और पान की दुकान से ही बच्चों को पढ़ाया। दो बेटियों की शादी भी इसी चाय की दुकान की कमाई से की। दोनों बेटियों की शादी के बाद एक-एक रुपए कर अपनी तीसरी बेटी की शादी के लिए पैसे जोड़ रहा था। रामनाथ चौरसिया ने बताया कि 17 दिसंबर को दुकान में बिजली का मीटर लगवाया था। 21 दिसंबर को 8282003776 नंबर से वॉट्सऐप कॉल आया। नंबर के डीपी में बिजली विभाग का लोग लगा था। मुझे लगा कि कॉल बिजली विभाग की ओर से आया है। रामनाथ बताते हैं कि कॉल रिसीव करने के बाद सामने वाले ने कहा कि 13 रुपए रिचार्ज कीजिए नहीं तो बिजली कट जाएगी। मैंने फोन पे से रिचार्ज किया, लेकिन रिचार्ज नहीं हुआ। दोबारा कॉल आया और पूछा कि कि आप ATM यूज करते हैं, तो मैंने कहा कि हां ATM है। लेकिन ATM घर पर है। उसके बाद मैं घर चला गया। घर से जाकर अपनी बेटी को कहा कि बिजली विभाग के सर का कॉल आया है, जो भी पूछ रहे हैं, वो बता देना। ATM के पीछे लिखे नंबर से लेकर मोबाइल पर आए ओटीपी और पासवर्ड तक मांग लिया। फिर कुछ देर बाद मैसेज आया, जिसमें मेरे अकाउंट से 99 हजार 900 रुपए कटने की बात लिखी गई थी।

नगर थाना गया, साइबर थाना भेजा; साइबर वाले ने नगर थाना भेजाः रामनाथ ने बताया कि मैं तुरंत नगर थाना में आवेदन देने पहुंचा। नगर थाना में कहा गया कि आप साइबर थाना जाइए, लेकिन साइबर में बोला गया कि एक लाख से कम की राशि है, आप स्थानीय थाना में जाकर आवेदन दीजिए। इसके बाद मैंने नगर थाना में आवेदन दिया है। लेकिन दो बार नगर थाना का चक्कर काट चुका हूं, कोई कार्रवाई नहीं हुई है। रामनाथ चौरसिया ने बताया कि 20 जनवरी को अपनी छोटी बेटी की सगाई बखोरापुर मंदिर से कर दी है। शादी का दिन तय होने वाला था। बेटी की शादी के लिए समान की खरीदारी करनी थी, मेरा बड़ा बेटा सूरत में काम करता है। वो भी कुछ पैसा बहन की शादी के लिए भेजता था। इसी बीच मेरे से फ्रॉड हो गया है, जिसके कारण सभी सपने टूट गए हैं। अब सब उम्मीद खो दिए है, लगता है कि अब पैसा वापस नहीं आएगा।

'सपना खत्म हो गइल, बहुत दिक्कत हो गइल बा... कइसे बियाह होई, नइखी जानत'ः उन्होंने बताया कि कैसे बेटी की शादी करूं, कहां से इतना पैसा लाऊंगा कि उसकी खुशी के लिए ससुराल में सामान दूं। सब सपना खत्म हो गइल, बहुत दिक्कत हो गइल बा... कइसे बियाह होई, नइखी जानत शादी हुई नईखे जानत...। पूरे मामले को लेकर नगर थाना के SHO देवराज राय ने कहा कि आवेदन प्राप्त हुआ है। तकनीकी अनुसंधान और नंबर की जांच की जा रही है।

नशा मुक्ति केंद्र का विधिवत शुरुआत

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के गोलंबर स्थित जनसेवा कल्याण नशा मुक्ति केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर केंद्र के निदेशक गौतम कुमार ने जिले सहित पूरे बिहार में तेजी से बढ़ रहे नशे के नए रूपों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि शराबबंदी के बाद शराब की उपलब्धता कम हुई है, लेकिन ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में 'सूखा नशा' और इंजेक्शन के माध्यम से नशा लेने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। गौतम कुमार ने जानकारी दी कि बिहार के कई गांवों में आज भी बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह नहीं पहुंची हैं, लेकिन नशे के साधन वहां आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से युवा वर्ग में इंजेक्शन के जरिए नशा लेने की बढ़ती प्रवृत्ति को खतरनाक बताया। उनके अनुसार, इंजेक्शन से नशा करने वाले लगभग 100 में से 25 युवाओं में हेपेटाइटिस और HIV दोनों के लक्षण पाए जा रहे हैं।

संक्रमित सुइयों के इस्तेमाल से जानलेवा बीमारियांः कुमार ने जोर दिया कि यह केवल नशे की समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुकी है। संक्रमित सुइयों के इस्तेमाल से जानलेवा बीमारियां तेजी से फैल रही हैं, जिससे पूरा समाज प्रभावित हो सकता है। इसी खतरे को देखते हुए जनसेवा कल्याण नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना की गई है, ताकि नशे की गिरफ्त में फंसे लोगों को समय पर इलाज और सही दिशा मिल सके।

नशा समाज के लिए बेहद चिंताजनक स्थितिः केंद्र में भर्ती मरीजों के लिए रहने, खाने-पीने, दवाओं और इलाज की पूरी व्यवस्था की गई है। गौतम कुमार ने बताया कि नशा छुड़ाने की प्रक्रिया केवल दवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक मनोवैज्ञानिक उपचार भी है। इसके तहत मरीजों को तीन से छह महीने तक विशेष कार्यक्रम में रखा जाता है, जिसमें उनके मानसिक स्तर पर काम किया जाता है। काउंसलिंग, साइकोथेरेपी, मनोरंजन कक्षाएं और पारिवारिक जुड़ाव जैसे तरीकों से उन्हें नशे से दूर करने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि आजकल 12 से 13 वर्ष के बच्चे भी रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर सूखा नशा और सोल्यूशन का सेवन करते देखे जा सकते हैं, जो समाज के लिए बेहद चिंताजनक स्थिति है। उनके पहले संस्थान में फिलहाल 12 वर्ष से लेकर 82 वर्ष तक के लोग इलाज के लिए आ रहे हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाता है।कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने नशा मुक्ति केंद्र की पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि इससे बक्सर सहित आसपास के इलाकों में नशे के खिलाफ एक मजबूत अभियान खड़ा होगा और कई परिवार उजड़ने से बच सकेंगे।